आप ने कुछ दिन पहले मोदी-शाह के साथ राहुल, माकन व दीक्षित को बताया था भ्रष्टाचारी

आप के एक पोस्टर ने कांग्रेस को बनाया आक्रामक

अब डंके की चोट पर कांग्रेस ने मुस्लिम, दलित और ओबीसी बाहुल्य सीटों पर लगाई पूरी ताकत

शादाब अहमद
patrika.com

नई दिल्ली. दिल्ली के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के कमजोर प्रचार चर्चा का विषय बना हुआ था। इस बीच आम आदमी पार्टी के एक पोस्टर ने अचानक कांग्रेस को आक्रामक बना दिया। अब कांग्रेस पूरे दमखम के साथ चुनाव में उतर गई है और खासतौर पर मुस्लिम, दलित और ओबीसी बाहुल्य सीटों पर पूरी ताकत लगा दी है।

दरअसल, पिछले सप्ताह आप ने चुनाव प्रचार के लिए एक पोस्टर जारी किया। इसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह के साथ कांग्रेस नेता राहुल गांधी, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष अजय माकन व नई दिल्ली से कांग्रेस उम्मीदवार संदीप दीक्षित का फोटो लगाकर भ्रष्टाचारी बता दिया। इस पर कांग्रेस ने एतराज जताते हुए चुनाव आयोग से भी शिकायत की। इसके साथ ही आप को सबक सिखाने के लिए केजरीवाल समेत अन्य नेताओं को निशाने पर लेना शुरू कर दिया। कांग्रेस के राष्ट्रीय स्तर से लेकर प्रदेश स्तर के नेताओं ने चुनाव जीतने के लिए हर एंगल से ताकत लगाना शुरू कर दिया है।

तो आप को हो सकता है नुकसान

राजनीति के जानकारों का मानना है कि कांग्रेस ने यदि सिर्फ मुस्लिम बाहुल्य सीटों पर अच्छा प्रदर्शन किया तो भाजपा को कोई खास फायदा नहीं होगा। इससे इतर अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित 12 सीटों के साथ ओबीसी क्षेत्रों में कांग्रेस ने घुसपैठ कर दी तो आप को बड़ा नुकसान हो सकता है। इससे भाजपा फायदे में रह सकती है।

एक-दूसरे पर सीधे हमले

इंडिया ब्लॉक में कांग्रेस और आप भले ही साथ हो, लेकिन दिल्ली चुनाव में अब दोनों एक दूसरे पर सीधे हमले कर रहे हैं। कांग्रेस ने केजरीवाल व आप के खिलाफ वीडियो भी जारी किए हैं।

दिल्ली में करीब 17 फीसदी दलित वोटर

दिल्ली में करीब 17 फीसदी दलित वोटर हैं। राहुल ने अपने चुनाव अभियान की शुरुआत अरविंद केजरीवाल की सीट नई दिल्ली में स्थित वाल्मीकि मंदिर से कर संदेश दिया। इसी तरह कांग्रेस के वरिष्ठ नेता उदित राज से आप के सांसदों में दलित-ओबीसी की संख्या पर सवाल करवाया गया। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, महासचिव सचिन पायलट समेत अन्य प्रमुख नेताओं की सभाएं व जनसंपर्क मुस्लिम, दलित और ओबीसी बाहुल्य क्षेत्रों में हो रही हैं। वहीं भाषण में केजरीवाल का शराब घोटाले से लेकर लोकपाल तक का जिक्र आना शुरू हो गया है।

वापसी के लिए आप का करना होगा सफाया

माकन साफ कह चुके हैं कि आप को कमजोर किए बिना कांग्रेस मजबूत नहीं हो सकती है। देश में कांग्रेस की वापसी के लिए दिल्ली में पार्टी को मजबूत होना जरूरी है। अब एक वरिष्ठ नेता का कहना है कि आप ने कांग्रेस का कभी ख्याल नहीं रखा तो हम क्यों रखें। हरियाणा व गुजरात इसके उदाहरण है। हम भाजपा के चुनाव जीतने या हारने के एंगल से बात नहीं कर रहे हैं। हमें हमारी पार्टी को मजबूत करना लक्ष्य है। आप ने अब तक दिल्ली में सरकार में सिर्फ और सिर्फ कांग्रेस के परंपरागत वोटों पर कब्जा कर बनाई है। अब हमें वापसी के लिए आप का सफाया करना जरूरी है।

पीएम मोदी ने यमुना में हरियाणा सरकार के जहर मिलाने के केजरीवाल के आरोप पर साधा निशाना

मैं खुद वही पानी पीता हूं, यमुना में जहर मिलाने का आरोप घिनौना पाप

पत्रिका ब्यूरो
patrika.com

नई दिल्ली. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को आप आदमी पार्टी संयोजक और पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के उस बयान पर निशाना साधा, जिसमें उन्होंने हरियाणा की भाजपा सरकार पर यमुना में जहर मिलाने के आरोप लगाए थे। करतार नगर में आयोजित विकसित दिल्ली संकल्प रैली में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि 8 फरवरी के बाद जब दिल्ली में भाजपा की सरकार बनेगी जो भी वायदें आपको किए गए हैं, वे सारे के सारे वायदें समय सीमा में पूरे किए जाएंगे। यह मोदी की गारंटी है और मोदी की गारंटी मतलब गारंटी पूरा होने की गांरटी।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि हरियाणा का भेजा हुआ पानी हमारे सारे न्यायाधीश और सभी हमारे सम्मानित सदस्य पीते हैं। दुनिया भर के एंबेसी भी यहीं हैं और गरीब के घर के आस पास भी वही पानी हो सकता है। मैं खुद वही पानी पीता हूं तो क्या कोई यह सोच सकता है क्या कि हरियाणा भाजपा सरकार ने मोदी को जहर देने के लिए पानी में जहर डाल दिया। क्या देश के न्यायाधीशों को पानी में जहर मिलाकर मारने का षडयंत्र चल रहा है क्या?

यह सिर्फ हरियाणा का नहीं, भारतीयों का अपमान

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि मैं हरियाणा को अच्छी तरह जानता हूं। वहां का हर एक व्यक्ति धर्मपरायण है और घर घर में सुबह यज्ञ होते हैं ऐसा सात्विक जीवन मैंने हरियाणा में देखा है और देशभक्ति से भरे लोग हैं और कोई ऐसा परिवार नहीं होगा जिसका बेटा सीमा पर मां भारती की सेवा ना करता हो। ऐसे लोगों पर जहर पिलाने का आरोप लगाना पाप है। यह सिर्फ हरियाणा का अपमान नहीं, भारतीयों का अपमान है, हमारे संस्कारों का पता है और चरित्र का अपमान है। यह वह देश है जहां पानी पिलाना धर्म माना जाता है, जहां प्याऊ रखने की परंपरा है। देशवासियों पर ऐसा झूठा आरोप लगाना सिर्फ चुनाव हारने का डर है लेकिन ऐसी ओछी बातें करने वालों को दिल्ली इस बार जरुर सबक सिखाएगी।

सिसोदिया पटपड़गंज सीट छोड़कर पहली बार जंगपुरा में आजमा रहे किस्मत

जंगपुरा की 'जंग' नहीं आसान: कड़े मुकाबले में फंसे सिसोदिया-तरविंदर

भाजपा ने कांग्रेस से तीन बार विधायक रहे तरविंदर पर जताया भरोसा

तीन बार से सीट पर आप का कब्जा, पहले जीतती रही कांग्रेस

पत्रिका सुनील सिंह सिसोदिया
patrika.com

नई दिल्ली. राजधानी दिल्ली में विधानसभा चुनाव प्रचार परवान पर चढ़ चुका है। राजनीतिक दलों के देशभर के नेता दिल्ली में जमा हैं। लेकिन मुख्यमंत्री आतिशी, पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के अलावा पूर्व उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की विधानसभा सीट की चर्चा ज्यादा है। आदमी पार्टी में नंबर-दो की भूमिका में फिट हो चुके सिसोदिया दिल्ली विधानसभा में फिर से एंट्री करने के लिए कड़े मुकाबले में फंसे हैं। वे पटपड़गंज सीट छोड़कर जंगपुरा विधानसभा से चुनावी जंग में उतरे हैं। वजह है कि पिछली बार सिसोदिया पटपड़गंज सीट से चुनाव हारते-हारते बचे थे, लेकिन सिसोदिया के लिए जंगपुरा की जंग भी आसान नहीं लग रही। वे भाजपा के तरविंदर सिंह सीधे मुकाबले में फंसे हैं। कांग्रेस ने यहां से फरहाद सूरी को मैदान में उतारा है और सूरी चुनाव को त्रिकोणीय बनाने को लेकर मशक्कत में जुटे हैं। अन्य दलों के उम्मीदवार भी मैदान में हैं।

आप को ट्रांसफर हुए वोट को फिर खींचने की मशक्कत में कांग्रेस

आम आदमी पार्टी का सबसे मजबूत वोट झुग्गी बस्तियों का रहा है। पार्टी को दलित और मुस्लिम वोट भी पिछले चुनावों से लगातार अच्छी संख्या में मिल रहा है। यह वोट कांग्रेस पार्टी का ट्रांसफर होकर आया है। जंगपुरा विधानसभा क्षेत्र में निज़ामुद्दीन बस्ती, दरियागंज, नेहरू नगर, सनलाइट कॉलोनी सहित अन्य क्षेत्र में मुस्लिम और दलित मतदाता अच्छी संख्या में हैं। लेकिन इस बार कांग्रेस ने यहां से फरहाद सूरी को खड़ाकर मनीष सिसोदिया के लिए संकट खड़ा कर दिया है।

गत चुनाव 2020 में रहा नतीजा

वोटिंग - 60.66 फीसदी
जीते - प्रवीण कुमार (आप)
हारे - इम्प्रीत सिंह (भाजपा)
आप को वोट शेयर - 50.88
भाजपा को वोट शेयर - 32.77
जीत का अंतर रहा - 16063

चुनावी गणित में कौन कितना मजबूत

दिल्ली की करीब डेढ़ लाख वोटों वाली जंगपुरा विधानसभा में सिख और पंजाबी मतदाताओं को निर्णायक भूमिका में माना जाता है। यही वजह थी कि आम आदमी पार्टी ने 2013 के अपने पहले चुनाव में यहां से मनिंदर सिंह धीर को उम्मीदवार बनाया था। धीर को करीब 37 फीसदी वोट मिले। बाद में 2015 और 2020 के विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी ने प्रवीण कुमार को टिकट दिया और वे चुनाव जीते। 2020 के चुनाव में आप को यहां करीब 50 फीसदी वोट मिले। तीन बार से लगातार यहां आम आदमी पार्टी इस सीट पर कब्जा जमाए हुए हैं। इस बार पार्टी ने उम्मीदवार बदलते हुए मनीष सिसोदिया को मैदान में उतारा है। वहीं जमीन पर माहौल में इस बार पहले से अंतर हैं। भाजपा ने सिसोदिया को घेरने के लिए तरविंदर सिंह को प्रत्याशी बनाया है। वे तीन बार पहले कांग्रेस से विधायक रह चुके हैं। उनका पंजाबी होना भाजपा के लिए मजबूत पक्ष भी माना जा रहा है। यही वजह है कि दोनों के बीच मुकाबला कड़ा और काफी रोचक बना हुआ हैं।

फरहाद सूरी पूर्व कांग्रेस नेत्री ताजदार बाबर के बेटे हैं। वे 4 बार पार्षद और दिल्ली नगर निगम के मेयर रहे हैं।

नई दिल्ली: बीटिंग रिट्रीट, राष्ट्रधुनों के बीच जगमगा उठे नार्थ और साउथ ब्लॉक

नई दिल्ली. बुधवार को राजधानी नई दिल्ली के विजय चौक पर बीटिंग रिट्रीट समारोह 2025 के दौरान रोशनी से जगमगाते नॉर्थ ब्लॉक और साउथ ब्लॉक का दृश्य। इस दौरान तीनों सेनाओं के बैंड देशभक्ति की धुनें बजाते हैं।

संदिग्ध बांग्लादेशी और रोहिंग्या पर पुलिस का शिकंजा, 1100 हिरासत में लिए

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

जयपुर. पुलिस कमिश्नरेट की ओर से अवैध रूप से जयपुर में रह रहे बांग्लादेशी और रोहिंग्या के खिलाफ चलाए गए अभियान में 380 संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस ने शहर की कच्ची बस्तियों में रह रहे लगभग 1100 संदिग्धों को हिरासत में लिया था, जिनमें से 394 रोहिंग्या को संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी उच्चायुक्त (यूएनएचसीआर) कार्ड दिखाने पर छोड़ दिया गया। वहीं, 300 लोगों ने भारतीय निवासी होने के दस्तावेज प्रस्तुत किए, जिसके चलते उन्हें भी छोड़ दिया गया। पुलिस के मुताबिक, राजस्थान में सबसे अधिक बांग्लादेशी और रोहिंग्या जयपुर, अजमेर, जोधपुर, कोटा और उदयपुर जैसे शहरों में बसे हुए हैं। एडिशनल डीसीपी कुंवर राष्ट्रदीप ने बताया कि, पिछले कुछ समय से सूचना मिल रही थी कि शहर की बस्तियों में अचानक बाहरी लोगों की संख्या बढ़ गई है।

मोदी की तरह ही केजरीवाल भी हर जगह बोलते हैं झूठ

भाजपा के लोगों ने अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा की, तब कहां थे केजरीवाल: राहुल

पत्रिका ब्यूरो
patrika.com

नई दिल्ली. कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और आम आदमी पार्टी सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल पर बड़ा राजनीतिक हमला बोला है। राहुल ने सवाल किया कि जब भाजपा के लोगों ने अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा की तब केजरीवाल कहां थे। उन्होंने कहा कि केजरीवाल ने अल्पसंख्यकों के लिए लड़ाई नहीं लड़ी, उनके साथ केवल कांग्रेस ही खड़ी थी। सच्चाई यही है कि केजरीवाल दलितों, अल्पसंख्यकों और गरीबों के खिलाफ हैं।

राहुल ने यह बातें बवाना में कांग्रेस उम्मीदवारों के पक्ष में जनसभा में कही। उन्होंने कहा कि हिंदुस्तान में जब भी किसी नागरिक पर हमला, अत्याचार, अन्याय होता है, वहां राहुल गांधी और कांग्रेस के अन्य नेता मदद के लिए खड़े दिखाई देते हैं। उन्होंने कहा कि हिंदुस्तान नफरत और भय का देश नहीं है, बल्कि प्रेम और सद्भाव का देश है। आज भाजपा-आरएसएस की ओर से नफरत और भय फैलाया जा रहा है। नरेंद्र मोदी से कांग्रेस पार्टी और राहुल गांधी को डर नहीं लगता, उल्टा नरेंद्र मोदी हमसे डरते हैं।

जनता से कांग्रेस उम्मीदवारों को जिताने की अपील करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी रोजगार, विकास और प्रगति की बात करती है। शीला दीक्षित के कार्यकाल में दिल्ली में सड़कें बनीं, विकास हुआ, क्योंकि कांग्रेस झूठे वादे नहीं करती है। उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी की तरह ही केजरीवाल भी हर जगह झूठ बोलते हैं। केजरीवाल ने यमुना साफ करने की बात कही थी। लेकिन यमुना साफ नहीं हुई। केजरीवाल ने यमुना का पानी पीने का वादा किया था। लेकिन आज तक उन्होंने यमुना का पानी नहीं पिया। दिल्ली की जनता को गंदा पानी पीना पड़ रहा है। लेकिन केजरीवाल शीशमहल में रहते हैं, साफ पानी पीते हैं और झूठे बयान देते हैं। आज पूरी दिल्ली जानती है कि साफ राजनीति करने का वादा करके सत्ता में आए केजरीवाल ने सबसे बड़ा शराब घोटाला किया है। इस अवसर पर दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव, पंजाब विधानसभा में विपक्ष के नेता प्रताप सिंह बाजवा और अन्य नेता मौजूद रहे।

50 फीसदी से ज्यादा आरक्षण पर चुप्पी क्यों?

राहुल गांधी ने पूछा कि आरक्षण को 50 फीसदी से ज्यादा करने के सवाल पर मोदी और केजरीवाल ने चुप्पी साध रखी है। उन्होंने कहा कि केजरीवाल भी आरक्षण के खिलाफ हैं। उन्होंने नरेंद्र मोदी पर भी आरक्षण और संविधान के खिलाफ काम करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि केंद्र में कांग्रेस की सरकार बनने पर जातिगत जनगणना कराई जाएगी और यह पता लगाया जाएगा कि किसकी कितनी आबादी है व किसकी कितनी हिस्सेदारी है। इसी के साथ उन्होंने 50 प्रतिशत आरक्षण की सीमा को भी हटाने का वादा किया। उन्होंने यह भी दोहराया कि दिल्ली में विधानसभा चुनाव में कांग्रेस जीती तो जाति जनगणना करवाएगी।

न्यूज विंडो

तीन तलाक कानून पर जवाब तलब

नई दिल्ली@ पत्रिका. तीन तलाक कानून को लेकर दायर याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से जवाब तलब किया हैं। सरकार से इस कानून को लेकर देश में अब तक की एफआइआर व चार्जशीट का ब्योरा मांगा गया हैं। याचिका में कानून को चुनौती दी गई हैं। सुनवाई 17 मार्च को होगी।

फैक्ट्री में बॉयलर फटा, दो मजदूर मरे

तुमकुरु @ पत्रिका. कर्नाटक के तुमकुरुके अंतरासनहल्ली औद्योगिक क्षेत्र में एक तेल फैक्टरी के बॉयलर में विस्फोट से दो मजदूरों की मौत हो गई। दोनों बिहार के रहने वाले थे। बॉयलर में तेज धमाके के कारण ऊंचाई पर काम कर रहे मजदूर नीचे गिर पड़े थे। पुलिस मामला दर्ज जांच में जुटी हैं।

'सिद्धि विनायक' में छोटे कपड़ों पर रोक

मुंबई @ पत्रिका. मुंबई के सिद्धि विनायक मंदिर ने भक्तों के लिए ड्रेस कोड जारी किया हैं। मंदिर में छोटे कपड़े, फटी जींस और बैकेलेस ड्रेस पर रोक लगा दी गई है। महिलाओं को दुपट्टा साथ रखना होगा, ताकि मंदिर में सिर ढक सकें। मंदिर ट्रस्ट ने कहा कि मंदिर की मर्यादा और पवित्रता बनाए रखने के लिए यह कदम उठाया गया।

विचाराधीन कैदी ने जज पर चप्पल फेंकी

चेन्नई @ पत्रिका. राजभवन के आगे पेट्रोल बम फेंकने के आरोपी राउड़ी करुक्का विनोद ने मंगलवार को एनआइए मामलों की विशेष कोर्ट पूंदमल्ली में अपने पैरों की चप्पलें उतारीं और जज पर फेंकी। विनोद को 25 अक्टूबर 2023 को राजभवन वाली घटना के सिलसिले में गिरफ्तार किया गया था। वह न्यायिक हिरासत में चल रहा था। इस बीच उसके प्रतिबंधित आतंकी संगठन से ताल्लुकात के मद्देनजर एनआइए ने जांच शुरू की थी। इसी सिलसिले में उसे कोर्ट में पेश किया गया था।

हाईकोर्ट का अहम निर्णय

सीनियर सिटीजन एक्ट के दायरे में दामाद भी, मकान खाली करने के दिए आदेश

जबलपुर @ पत्रिका. मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने एक फैसले में महत्वपूर्ण कानूनी बिंदु निर्धारित किया। चीफ जस्टिस सुरेश कुमार कैत व जस्टिस विवेक जैन की युगलपीठ ने कहा कि माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों का भरणपोषण तथा कल्याण अधिनियम, 2007 (सीनियर सिटीजन एक्ट) के अंतर्गत दामाद को भी मकान खाली करने का आदेश दिया जा सकता हैं।

कोर्ट ने भेल (भोपाल) से रिटायर्ड 78 वर्षीय बुजुर्ग को राहत देते हुए हाईकोर्ट की एकलपीठ के आदेश को यथावत रखा। दामाद की अपील खारिज करते हुए कोर्ट ने उसे 30 दिन में मकान खाली करने के निर्देश दिए। कोर्ट ने उसे 30 दिनों के अंदर मकान खाली करने के निर्देश दिए।

पूर्व राष्ट्रपति कोविंद बोले

आर्थिक विकास के लिए बड़ा परिवर्तनकारी कदम साबित होगा एक राष्ट्र-एक चुनाव

पत्रिका ब्यूरो
patrika.com

बेंगलूरु. पूर्व राष्ट्रपति और एक राष्ट्र-एक चुनाव पर एक उच्च स्तरीय समिति के प्रमुख रहे रामनाथ कोविंद ने कहा कि एक राष्ट्र-एक चुनाव प्रणाली का कार्यान्वयन देश के आर्थिक विकास और आने वाले लंबे समय के लिए देश के चुनावी ढांचे और शासन संरचना को नया आकार देने में एक बड़ा परिवर्तनकारी कदम साबित होगा।

वे बुधवार को कलबुर्गी जिले के सेडम तालुक के बीरनहल्ली गांव में कोट्टला बसवेश्वर एजुकेशन सोसाइटी के स्वर्ण जयंती समारोह और सातवें भारतीय संस्कृति उत्सव का उद्घाटन करने के बाद कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। कोविंद की अध्यक्षता वाली उच्च स्तरीय समिति ने लोकसभा और विधानसभा चुनाव एक साथ कराने और आम चुनाव के 100 दिनों के भीतर शहरी स्थानीय निकायों (यूएलबी) के चुनाव कराने का प्रस्ताव दिया है।

कोविंद ने कहा, यदि इसे लागू किया जाता है, तो इससे प्रशासनिक कार्यों में होने वाली रुकावटें कम होंगी और लगातार चुनावों के कारण व्यस्त रहने वाले शिक्षक पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित करने के साथ छात्रों को अधिक समय दे सकेंगे।

कोलकाता: प्रोफेसर ने बताया शैक्षणिक नाटक

क्लासरूम में प्रोफेसर ने छात्र संग रचाई 'शादी', वीडियो पर बवाल

जांच के आदेश

कोलकाता @ पत्रिका. पश्चिम बंगाल के एक सरकारी विश्वविद्यालय की कक्षा में महिला प्रोफेसर और एक छात्र की 'शादी' का वीडियो वायरल होने के बाद विवाद खड़ा हो गया है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने जांच समिति गठित कर मामले की जांच के आदेश दिए हैं। हालांकि महिला प्रोफेसर ने दावा किया कि यह एक नाटक था जो उनके विषय की पढ़ाई का हिस्सा था। अधिकारियों ने कहा कि यह मामला नादिया जिले के हरिंगहाटा में मौलाना अबुल कलाम आजाद प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (एमएकेएयूटी) के मनोविज्ञान विभाग का है।

वीडियो में दुल्हन की तरह सजी प्रोफेसर और प्रथम वर्ष के छात्र को कक्षा में 'सिंदूर दान' और 'माला बदल' (जयमाला) समेत हिंदू बंगाली शादी के अलग-अलग रीति-रिवाज निभाते देखा जा सकता है। मामले में प्रोफेसर से स्पष्टीकरण मांगा है। वहीं महिला प्रोफेसर ने अधिकारियों को बताया कि यह एक 'साइको-ड्रामा' था, जो उनके विषय की पढ़ाई का हिस्सा था। इसमें कुछ भी वास्तविक नहीं है। प्रोफेसर ने दावा किया कि वीडियो केवल विभाग के लिए ही रेकॉर्ड किया गया था और मनोविज्ञान विभाग की छवि को खराब करने के वास्ते इसे 'लीक' कर दिया गया।

प्रोफेसर को छुट्टी पर भेजा

विश्वविद्यालय के कुलपति ने कहा कि 16 जनवरी को हुई घटना की जांच पूरी होने तक प्रोफेसर को छुट्टी पर जाने के लिए कह दिया गया है। प्रोफेसर ने साफ किया है कि यह उनके विषय की पढ़ाई का एक हिस्सा था। लेकिन यह एक शैक्षणिक संस्थान है। यहां कुछ नियम हैं। ऐसी घटनाओं से जो सामाजिक संदेश जाता है वह कभी भी वांछनीय नहीं होता। इस बारे में छात्र की मां और पिता से भी बात की गई है।

अमरीका में ट्रंप राज

हमास के समर्थन में प्रदर्शन करने वाले छात्रों का वीजा होगा रद्द, होंगे डिपोर्ट

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

वाशिंगटन. अमरीकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रम्प अब एक फिलिस्तीन विरोधी कार्यकारी आदेश पर साइन करेंगे। इसके बार में फैक्ट शीट का ब्योरा सामने आया है।

इस आदेश के तहत फिलिस्तीन समर्थक प्रदर्शनों में शामिल होने वालों का छात्र और अन्य नॉन सिटीजन का वीजा रद्द कर उन्हें देश से निष्कासित किया जाएगा। वाइट हाउस के अधिकारियों ने बताया हैं कि अमरीका में यहूदी विरोधी भावना से निपटने के लिए ट्रंप बुधवार को एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर करेंगे। इसमें सभी नॉन-सिटीजन कॉलेज स्टूडेंट्स और फिलिस्तीन समर्थक विरोध प्रदर्शनों में शामिल होने वाले अन्य निवासियों का वीजा रद्द कर उन्हें उनके देश डिपोर्ट किया जाएगा। इस बारे में ट्रंप प्रशासन ने छात्रों को अलर्ट किया हैं कि वे उन्हें 2025 में कहीं से भी खोज निकालेंगे।

जन-जागरूकता का भी कर रहीं काम

लोगों की सेहत का ध्यान रख रही हैं 'मिलेट मां'

पत्रिका फीचर डेस्क
patrika.com

स्वाद के चक्कर में हम अपनी सेहत से समझौता कर रहे हैं। जो हम खा रहे हैं वह सेहत के लिए ठीक है या नहीं, इस बारे में संशय बना रहता है। इस मुद्दे ने रायपुर (छत्तीसगढ) की कविता देव की जिन्दगी बदल दी। मैथ में गोल्ड मेडलिस्ट कविता ने कभी नहीं सोचा था कि वह खेती करेंगी और सब्जियां उगाएंगी, लेकिन अपने बच्चों की सेहत की चिंता के कारण उन्होंने यह काम शुरू किया। 45 वर्षीय कविता बताती हैं कि वे पहले अपने बच्चों को बाजार की सब्जियों-फलों का जूस पिलाती थीं, लेकिन एक दिन देखा कि इन सभी में कैमिकल मिला हुआ है। उसी दिन से उन्होंने फल-सब्जियों की जैविक खेती शुरू कर दी। बाद में मिलेट की खेती भी शुरू की।

लोगों ने कहा मिलेट मां

वह कहती हैं कि जब वह मिलेट्स से जुड़ी कक्षाएं लेती थी तो कोई उन्हें उनके नाम से बुलाता तो कोई टीचर कहता। एक दिन स्टूडेंट्स ने कहा कि आप हमारी सेहत की परवाह करती हैं। इसलिए आप हमारी मां हैं। तभी से लोग मुझे 'मिलेट मां' के नाम से बुलाने लगे। अब वे आसपास के इलाके में इसी नाम से लोकप्रिय हैं।

शुरू की ऑर्गेनिक खेती

कविता बताती हैं कि कोरोना काल में लोगों की इम्यूनिटी पर गहरा असर पड़ा था। इस कारण भी मैंने बाजार से लाई जाने वाली सब्जियों की बजाय घर में 2020 में जमीन लेकर ऑर्गेनिक खेती शुरू की। फल-सब्जियों के साथ मिलेट्स उगाने शुरू किया। मिलेट्स के उत्पाद बनाए और लोगों को उनकी विशेषता बताई। अभी तक मैंने हजारों लोगों को मिलेट्स के प्रति जागरूक किया है। कविता कई तरह की बीमारियों से पीड़ित मरीजों के लिए मिलेट्स डाइट प्लान भी तैयार करती हैं। वह मिलेट्स प्रोडक्ट बनाने के लिए ऑनलाइन और ऑफलाइन कुकिंग क्लास भी लेती हैं।

हैल्थ प्लानर

पेट की सेहत के लिए फर्मेंटेड फूड का कर सकते हैं सेवन

आजकल लोग अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक हो रहे हैं। इसके लिए कई तरह के डाइट प्लान तैयार करते हैं। इन दिनों 'नॉन इंस्ट्रलाइज्ड माइक्रोबायोम रीस्टोर डाइट कॉन्सेप्ट' अपनाया जा रहा है। यह डाइट प्लान आपके पेट की सेहत को तो सुधारता ही है शरीर के लिए आवश्यक पोषक तत्वों की कमी को भी पूरा करता है। इस डाइट में प्राकृतिक व नॉन प्रोसेस्ड खाद्य पदार्थ शामिल हैं, जिनका सेवन हमारे पूर्वज करते थे। इसका मकसद पेट के माइक्रोबायोम का संतुलन बनाना है।

नेहा यदुवंशी
आहार विशेषज्ञ
patrika.com

- **इस** डाइट में ताजे फल, सब्जी, साबुत अनाज, बीज को प्राथमिकता देने के साथ कीमची, सौकरकूट जैसे फर्मेंटेड फूड को भी शामिल किया जाता है। फर्मेंटेड फूड में अच्छे बैक्टीरिया होते हैं।
- **आंत** के स्वास्थ्य के लिए प्रोबायोटिक्स से भरपूर खाद्य पदार्थ जैसे इडली, डोसा, लैक्टोज फ्री दही का सेवन करें।
- **इसमें** ग्लूटेन मुक्त अनाज को प्राथमिकता दी जाती है। इसके लिए राजगीरी, रागी, दलिया, ज्वार, बाजरा और कुट्टू का सेवन फायदेमंद है।
- **डाइट** में दूध और उससे बने उत्पादों से बचने की सलाह दी जाती है। इसकी जगह नारियल दूध या बादाम दूध का सेवन करें।
- **पेट** की हैल्थ सुधारने के लिए आप मिठाई, केक, बिस्कुट, चॉकलेट और सॉफ्ट ड्रिंक का सेवन बंद कर देना चाहिए। इसकी जगह नेचुरल स्वीटनर जैसे गुड़, शहद या खजूर का उपयोग करें।
- **स्नैक्स** के तौर पर रोस्टेड मखाने, भुने चने या ड्राई फ्रूट्स लें।

अचीवर

मां की पोटली से मिलती है हिम्मत

पत्रिका फीचर डेस्क
patrika.com

विश्व की ऊंची चोटियों को फतह करने में हमारे देश की बेटियां किसी से पीछे नहीं है। इसी लिस्ट में अब एक ओर नाम जुड़ गया है हरियाणा की बेटी शिवांगी पाठक का। शिवांगी पाठक ने ऑस्ट्रेलिया की सबसे ऊंची चोटी माउंट कोजियसको पर तिरंगा लहराकर कर देश का मान बढ़ा दिया। यह पर्वत चोटी 7310 फीट की ऊंचाई पर है। शिवांगी की हर यात्रा में उनकी मां की दो पोटलियां उनका साथ देती हैं। शिवांगी के अनुसार एक पोटली में सफेद सूती कपड़े में सौंठ, लहसुन, सौंफ, लौंग, छोटी और मोटी इलायची बंधी होती हैं। शिवांगी इस पोटली को गर्म पानी में डालकर पीती रहती हैं ताकि उनका गला स्वस्थ रहे और सर्दी, जुकाम से बच सके। साथ ही दूसरी पोटली में नीलगिरी का तेल और कपूर रखती हैं। इससे ऑक्सीजन लेवल बेहतर रहता है। यह पोटली वह सोते समय अपने नाक के पास रखती है। पहाड़ के ऊपर चढ़ने में ऑक्सीजन लेवल कम होता है और यह तेल उन्हें काफी मदद करता है।

अगला लक्ष्य इंडोनेशिया

सात महाद्वीपों की सबसे ऊंची चोटियों में से एक माउंट कोजियसको के साथ शिवांगी ने चार चोटियां फतह कर ली हैं। 16 वर्ष की आयु में माउंट एवरेस्ट पर तिरंगा लहराकर प्रधानमंत्री वीरता अवॉर्ड से सम्मानित शिवांगी का अगला लक्ष्य इंडोनेशिया की सबसे ऊंची चोटी कोर्स्टेंस पिरामिड पर तिरंगा लहराना है।

किचन में कार्य करते समय खाना बनाने से लेकर उसकी साफ-सफाई तक में काफी तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ता है। ऐसे में अगर आपके पास कुछ किचन सोल्युशन हों तो आपके नाम व अपनी फोटो सहित हमें वाट्सऐप नंबर 9057531584 पर भेजें। शी न्यूज पेज पर इन्हें प्रकाशित किया जाएगा। फेसबुक पेज से जुड़ने के लिए यह क्यूआर कोड स्कैन करें।

पत्रिका शी न्यूज़
हमसे जुड़ें facebook.com/patrikaSheNews

जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय: 13 में से 6 को सुपरवाइजर दिया

भूगोल विभाग में पीएचडी के लिए मेरिट लिस्ट को किया दरकिनार

2022 में हुई प्री पीएचडी परीक्षा, 2027 में पूरी होगी पीएचडी

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

जोधपुर. जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों की मेरिट लिस्ट में गड़बड़ी का मामला सामने आया है। भूगोल विभाग की पीएचडी मेरिट लिस्ट में 13 शोधार्थियों का चयन पीएचडी के लिए हुआ है। इसमें 85.38 प्रतिशत अंक के साथ एक लड़की टॉपर रही है। विभाग ने टॉपर को दरकिनार कर 13 शोधार्थियों में 61.47 प्रतिशत के साथ सबसे नीचे रहे एक लड़के को सुपरवाइजर अलॉट कर दिया। कुल 13 में से 6 को सुपरवाइजर अलॉट हुए हैं, जबकि सात जने मुंह ताक रहे हैं। यह काम ढाई महीने पहले नवम्बर 2024 को हुआ था। और बुधवार को भूगोल विभाग की विभागीय परिषद (डीसी) में इस पर मोहर लगाने की तैयारी है। विवि के कुलपति प्रो केएल श्रीवास्तव के समक्ष शेष 7 शोधार्थी अपना विरोध प्रकट कर चुके हैं।

चार शिक्षकों ने दिया था नोट ऑफ डिसेंट: भूगोल विभाग में पीएचडी के लिए 13 शोधार्थी का सलेक्शन हुआ है, जिसमें से 11 नवम्बर 2024 को हुई डीसी की बैठक में मोनिका पंवार, सुमन, किशोर ग्वाला, प्रदीपसिंह, नरपतराम और संजय कुमार को गाइड अलॉट कर दिए। जबकि पल्लवी रंगा, फतेहसिंह, पवन सिवर, अर्पित चारण, श्यामाराम कोली, किशोर सिंह और जैसाराम भाटी को सुपरवाइजर नहीं दिए। डीसी में तर्क दिया गया था कि पहले जेआरएफ के विद्यार्थियों को सुपरवाइजर अलॉट करेंगे। नियम के अनुसार जेआरएफ को वरियता केवल मेरिट लिस्ट बनाते समय दी जाती है, लेकिन विवि के कुछ शिक्षकों ने अपने चहेतों को अपने पास रखने के लिए मेरिट लिस्ट को दरकिनार कर दिया। विभाग के चार शिक्षकों डॉ. गोविंद सिंह, डॉ. ललितसिंह झाला, डॉ. ओमप्रकाश और डॉ. गौरव कुमार ने इस डीसी में अपना नोट ऑफ डिसेंट दिया था ।

कोर्स वर्क का रिजल्ट अब तक नहीं

जेएनवीयू में 30 से अधिक विभाग हैं। सभी का कोर्स वर्क फरवरी-मार्च 2024 में हआ था। भूगोल को छोड़कर सभी विभागों ने अपना कोर्स वर्क का रिजल्ट छह महीने पहले ही जारी कर दिया, जबकि भूगोल विभाग का अब तक अटका हुआ है।

2022 में हुई थी प्रवेश परीक्षा, 2027 तक मिलेगी डिग्री

विवि की शैक्षणिक प्रक्रिया इतनी लचर है कि यहां पीएचडी में 5 साल का समय लगेगा, जो सामान्यत: आइआइटीज जैसे संस्थानों में लगता है। विवि की ओर से 2022 में पीएचडी प्रवेश परीक्षा हुई थी। दिसम्बर 2023 में रिजल्ट आया। जनवरी 2024 में मेरिट बनी। इसके बाद कोर्स वर्क शुरू हुआ और अब सुपरवाइजर अलॉट हो रहे हैं। कोर्स वर्क के बाद कम से कम ढाई साल वर्क करना होता है। ऐसे में कम से कम 2027 तक बच्चों को पीएचडी डिग्री मिल पाएगी।

इनका कहना है

जेआरएफ वालों को फाइनेंशियल लॉस हो रहा था, इसलिए मेरिट लिस्ट दरकिनार की। वैसे यह हमारे विभाग का अंदरूनी मामला है। सभी को सुपरवाइजर अलॉट होगा। किसी को बाहर नहीं निकाला जाएगा।
डॉ. अर्जुनलाल मीना, एचओडी, भूगोल विभाग, जेएनवीयू

महिला के गले से कंठी लूटी, बाइक सवार आरोपी फरार

पाली/सादड़ी@पत्रिका. फालना राज्यकृत सड़क मार्ग पर खेत से घर लौट रही महिला का पीछा करते आए तीन बाइक सवारों ने कंठी लूटकर भाग गए। सूचना पर ग्रामीणों की भीड़ लग गई। पुलिस ने बाली तक नाकाबंदी कर पीछा करते सीसीटीवी कैमरा खंगाले। लुटेरों का कोई सुराग नहीं लगा।

पुलिस ने पीड़िता का मेडिकल उपचार करवाया और लूट का मामला दर्ज किया।एएसआई ईश्वरसिंह राणावत ने बताया कि फालना सड़क मार्ग निम्बुआ अरट निवासी सुखीदेवी (38) पत्नी समाराम जणवा चौधरी ने रिपोर्ट दी कि वह सेसली अपने परिजन से मिलकर मोटरसाइकिल से बाली आई। वहां से बस में सादडी आई। एक वाटिका पर उतरकर समीप निम्बुआ अरट जा रही थी। तभी दोपहर 2-2.15 बजे खेत के रास्ते में मोटरसाइकिल पर आए तीन लुटेरों में से दो युवक मोटरसाइकिल से नीचे उतरे तथा तीसरे आरोपी ने उसके गले में पहनी डेढ़ तोला वजनी सोने की कंठी खींचकर भाग गए। महिला के गले मे चोट के निशान पड़े। घटना के बाद महिला चिल्लाई तो लोगों की भीड़ लग गई। सूचना पर पति समाराम, रमेश सहित ग्रामीण पहुंचे। एएसआई ईश्वरसिंह व मूलाराम मीणा, अशोक सहदेवराम मौके पर पहुंचे तथा बाली तक पहुंच जगह जगह सड़क मार्ग के सीसीटीवी कैमरा फुटेज खंगाले। पुलिस ने लूट का मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

नकबजनी वारदात में नहीं मिला सुराग

थाना क्षेत्र जूणा ग्राम में कीकाराम चौधरी के आवासीय मकान में कमरों व अलमारी लॉकर के दरवाजों पर लगे ताले तोड़कर करीब 25-30 लाख रुपए लागत के जेवरात व मोटरसाइकिल चोरी कर ले गए। घटना का मामला सोमवार को दर्ज हुआ। पुलिस को अभी तक नकबजनों का सुराग नहीं मिला है।

भीनमाल पुलिस थाने में मामला दर्ज: एएसआई व कांस्टेबल निलंबित

बिना सहमति वीडियो बनाने पर गिरी गाज

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

जालोर/भीनमाल . शहर के एक विद्यालय में अध्ययनरत बालिका का शिक्षक द्वारा अपहरण कर उसके साथ बलात्कार करने के पॉक्सो एक्ट के मामले में एएसआई व एक कांस्टेबल के खिलाफ लोकसेवक के कर्तव्य का दुरुपयोग करने, लापरवाही बरतने व पीडिता का बिना सहमति के वीडियो बनाने पर पुलिस अधीक्षक ज्ञानचंद यादव ने एएसआई व कांस्टेबल को निलंबित किया है।

पुलिस अधीक्षक ने भीनमाल थाने में कार्यरत तत्कालीन एएसआई किशनलाल विश्नोई व कांस्टेबल सुरेश कुमार को निलंबित किया है। दोनों के खिलाफ 21 जनवरी को पीडिता के पिता ने भीनमाल पुलिस थाने में मामला दर्ज करवाया था। पुलिस के मुताबिक पीडिता के पिता ने 21 जनवरी को पुलिस अधीक्षक को रिपोर्ट पेश कर बताया कि उसकी नाबालिग पुत्री को एक शिक्षक ने अपहरण कर बाड़मेर ले गया था। उसके बाद उसके साथ बलात्कार किया था। इस सम्बंध में भीनमाल पुलिस थाने में 404/2023 में पॉक्सो एक्ट में मामला दर्ज था।

पीड़िता को बाडमेर से दस्तयाब करने जाने के दौरान एएसआई किशनलाल व कांस्टेबल सुरेश कुमार ने पीडिता का बिना सहमति के वीडिया बना दिया था। इस वीडियो की अनुसंधान अधिकारी को भनक तक नहीं लगने दी एवं नहीं फाइल में लगाया। बाद में आरोपी शिक्षक के मार्फत मिलकर उसे न्यायालय में पेश किया। जिस पर न्यायालय ने आरोपी को दोषमुक्त भी कर दिया था।

एसपी ज्ञानचंद यादव ने मामले को गंभीरता से लेते हुए दोनों के खिलाफ भीनमाल थानाधिकारी को मामला दर्ज कर जांच करने के निर्देश दिए थे। जिस पर पुलिस थाने में मामला दर्ज हुआ। पुलिस अधीक्षक ने दोनों को निलंबित कर दिया था। सूत्रों ने बताया कि वीडियो अनुसंधान अधिकारी को नहीं देकर आरोपी पक्ष की ओर से कांस्टेबल सुरेश ने पेश किया। मामला दर्ज कर अनुसंधान जारी है।

परिजनों की मौजूदगी में होती है पीड़िता से पूछताछ

पॉक्सो के मामले में अनुसंधान अधिकारी के द्वारा महिला कांस्टेबल के साथ पीड़िता से पूछताछ परिजनों की मौजूदगी में होती है। इस वीडियो को फाइल में भी लिया जाता है, जबकि एएसआई व कांस्टेबल ने बाड़मेर में पीडिता को दस्तयाब करने के दौरान ही वीडियो बना लिया, जो मुकदमें की पत्रावली में सम्मिलित नहीं कर, आरोपी पक्ष के माध्यम से न्यायालय में पेश किया। पीड़िता ने 12 जनवरी 2024 को घर पर आत्महत्या कर दी थी।

इनका कहना है

पॉक्सो एक्ट के मामले में लोकसेवक के कर्तव्य का दुरुपयोग करने, लापरवाही बरतने व पीडिता का बिना सहमति के वीडियो बनाने के मामले में भीनमाल थाने में कार्यरत तत्कालीन एएसआई किशनलाल विश्नोई व कांस्टेबल सुरेश कुमार को निलंबित किया है।
-ज्ञानचंद्र यादव, एसपी जालोर

सोने चांदी के जेवरात चोरी

सोजत@पत्रिका. नगर के आइओसी कॉलोनी में स्थित एक ज्वेलरी दुकान के ताले तोड़ अज्ञात चोर रात्रि में सोने चांदी के जेवरात चुराकर ले गए। पुलिस ने बताया कि बिलावास हाल आइओसी कॉलोनी सोजत निवासी जयेश सोनी ने रिपोर्ट में बताया कि मध्यरात्रि पश्चात अज्ञात चोर उनकी शॉप के ताले तोड़ अंदर रखे आभूषण चुराकर ले गए। सूचना पाकर पुलिस भी मौके पर पहुंची तथा सीसीटीवी फुटेज खंगाल अज्ञात चोरों की तलाश शुरू की है।

निर्माणाधीन पुल का निरीक्षण

मारवाड़ जंक्शन @ पत्रिका. अखावास चौराहे के पास लोलावास जाने वाले मार्ग पर स्थित नाले पर निर्माणाधीन पुल का विधायक केसाराम चौधरी व प्रधान मंगलाराम देवासी ने निरीक्षण कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। विधायक चौधरी ने वहां कार्य कर रहे ठेकेदार व श्रमिकों के निर्माण कार्य में गुणवत्ता पूर्ण सामग्री का उपयोग करने की हिदायत दी। प्रधान देवासी ने कार्मिकों को निर्माण कार्य में आवश्यकता अनुसार सामग्री का उपयोग करने की बात कही, कम सामग्री का उपयोग ना करे।

प्रतियोगिता में सिरोही की बालिकाओं ने किया उत्कृष्ट प्रदर्शन

जावाल@पत्रिका. केजीबीवी की राज्य स्तरीय खेलकूद एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिता जोधपुर में आयोजित हुई। पाली संभाग से सिरोही जिले की केजीबीवी छात्राओं ने भी भाग लिया। जावाल बालिका स्कूल की प्रधानाचार्य शोभा चारण व केजीबीवी की दल प्रभारी अनिता मीणा ने बताया कि सीनियर वर्ग खो-खो, वॉलीबॉल, रस्सा कस्सी, साइकिल रेस में छात्राओं ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। वहीं जूनियर वर्ग वॉलीबॉल में तृतीय, भाला फेंक में द्वितीय, 200 मीटर दौड़ में प्रथम स्थान प्राप्त किया। सांस्कृतिक कार्यक्रम जूनियर वर्ग में कविता पाठ, एकल गायन एवं ग्रुप डांस में प्रथम, ग्रुप डांस सीनियर वर्ग में द्वितीय स्थान पर रहे। टीम सदस्य राधिका परिहार केजीबीवी मंडार, अर्जुन सुथार राबाउमावि कालन्द्री, बसी कुमारी केजीबीवी मौजूद रहे।

कल झंडारोहण के साथ होगा मेले का आगाज

संवरने लगा रामदेव पशु मेला मैदान

नागौर. रामदेव पशु मेला मैदान में पहुंचे नागौरी बैल।

नागौर@पत्रिका. रामदेव पशु मेले का शुभारंभ गुरुवार को होगा। मेला मैदान का नजारा अब बदला हुआ नजर आने लगा है। पशुओं की आवक के साथ मेला प्रभारी का कार्यालय व कंट्रोल रूम स्थापित किया चुका है। मुख्य गेट से लेकर कार्यक्रम स्थल तक मैदान का मेले के रंग आ गया है। मैदान में गोवंश, घोड़ों एवं ऊंटों की आवक बढ़ी है।

मुख्य गेट से लेकर मैदान में कई जगह तंबू लगाए गए हैं। गेट के पास सरकारी कार्यालयों की प्रदर्शनी के लिए लगे तंबुओं के साथ ही सामने गोवंश के ठहरने वाली जगहों पर भी तंबू लगाए गए हैं। अधिकारियों का कहना है कि मेला शुरू होने के पूर्व पशुपालकों व पशुओं की और आवक होने से सामने वाला मैदान का पूरा भर जाएगा।

बाइक पर घूमकर बेच रहे थे डोडा-पोस्त, दंपती गिरफ्तार

समदड़ी (बालोतरा)@ पत्रिका. बाइक पर घूमकर डोडा-पोस्त बेचने के मामले में समदड़ी थाना पुलिस ने बड़ी मात्रा में अवैध मादक पदार्थ बरामद किया किया है। पुलिस ने मामले में दम्पती को गिरफ्तार किया है। थानाधिकारी ओमप्रकाश विश्नोई ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर पुलिस टीम ने मजल- लाखेटा सडक मार्ग पर नाकाबंदी की। मजल गांव की ओर से आ रही बाइक को रोका। इस दौरान बाइक चालक ने नाकाबंदी तोडने का प्रयास किया। पुलिस ने उसे दबोच लिया। तलाशी में सफेद थैली व काले बैग में अलग-अलग रखे कुल 12.110 किलोग्राम अवैध डोडा पोस्त मिला। पुलिस ने मादक पदार्थ बरामद कर ओमाराम विश्नोई व उसकी पत्नी नेनुड़ी निवासी भाखरपुरा पुलिस थाना रोहट को गिरफ्तार किया।

मरु-महोत्सव: शोभायात्रा में लोक कलाकार बांधेंगे समा

इस बार पोकरण में ही होगी सेलिब्रिटी नाइट

पोकरण @ पत्रिका. सरहदी जैसलमेर जिले का विख्यात चार दिवसीय मरु महोत्सव 2025 इस बार आगामी 9 से 12 फरवरी तक आयोजित किया जाएगा, जिसको लेकर प्रशासन की ओर से तैयारियां तेज कर दी गई हैं। इस बार भी मरु महोत्सव की शुरुआत परमाणु नगरी पोकरण से होगी। आगामी 9 फरवरी को पोकरण में कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इस दौरान कई कलाकार अपनी प्रस्तुति देंगे और प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया जाएगा। गौरतलब है कि 2020 से लगातार, 2021 में कोरोना काल को छोड़कर पोकरण में मरु महोत्सव आयोजित हो रहा है। जिले के मरु महोत्सव की शुरुआत पोकरण से की जा रही है और दिन व रात में कई कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

सूने रहेंगे लोहारकी के धोरे : लोहारकी गांव में मखमली रेतीले धोरे स्थित है। 2009 में पोकरण में आयोजित हुए मरु महोत्सव के दौरान कई प्रतियोगिताओं व रात का सांस्कृतिक कार्यक्रम हुआ था।

डी.नवीन, मनीषा शर्मा तथा छुगेखां।

लोक कलाकार व हरियाणवी सिंगर देंगे प्रस्तुतियां

मरु महोत्सव के दौरान इस बार रात का सेलिब्रिटी कार्यक्रम पोकरण के राउमावि मैदान में ही आयोजित किया जाएगा। गत 9 फरवरी को ही रात 7.30 बजे प्रसिद्ध लोक कलाकार छुगेखां लोकगीतों की प्रस्तुतियां देंगे। इसी प्रकार हरियाणवी सिंगर मनीषा शर्मा व डी. नवीन कई गीत प्रस्तुत करेंगे। जिसको लेकर क्षेत्र के लोगों में उत्साह नजर आ रहा है।

ब्यावर जिला बनेगा एक्सीडेंट फ्री जोन

निमाज @पत्रिका. जिला सड़क सुरक्षा समिति ब्यावर की मासिक बैठक जिला कलक्टर डॉ. महेंद्र खड़गावत की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई। बैठक में जिला कलक्टर ने सड़क सुरक्षा से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा कर संबंधित विभागों को निर्देश दिए। बैठक में पुलिस विभाग को बिना हेलमेट वाहन चलाने, शराब पीकर वाहन चलाने, वाहनों पर लाल पट्टी लगाने, वाहनों के शीशे पर काली फिल्म लगाने, वाहनों पर पदनाम लिखने इत्यादि पर प्रभावी कार्यवाही करने, हाईवे पर स्थित समस्त जंक्शनों पर सुरक्षा की दृष्टि से सुधार कार्य करने बाबत समस्त हाइवे परियोजना निदेशकों को निर्देश दिए।

आज का राशिफल गुरुवार, 30 जनवरी 2025

मेष	*चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ*	दिन परेशानियों से भरा रहेगा। अधिकारी के साथ अनबन हो सकती है। व्यापार के लिए आर्थिक व्यवस्था नहीं होगी।
वृषभ	*ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वु, वे, वो*	समस्या परेशानी का समाधान होगा जीवनसाथी के व्यवहार से ना खुश रहेंगे कारोबार में अधिक परिश्रम करना पड़ेगा।
मिथुन	*क, की, कु, घ, ड, छ, के, को, ह*	आर्थिक लाभ के योग हैं। कारोबार में परेशानी दूर होगी। तबादले के योग हैं। संतान की वैवाहिक परेशानी दूर होगी।
कर्क	*हि, हु, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो*	हुनर से लोगों को प्रभावित करेंगे। शत्रु परास्त होंगे, कोर्ट मामलों में धन खर्च होगा। जमीन का कार्य हो सकता है।
सिंह	*मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टु, टे*	आर्थिक स्थिति कमजोर रहेगी। दोस्तों का सहयोग मिलने से कार्य पूरे होंगे। पारिवारिक कार्यों में भागीदारी बढ़ेगी।
कन्या	*टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो*	दिन की शुरुआत प्रसन्नता पूर्वक होगी। पुराने दोस्तों से मुलाकात होगी। अधिकारियों से संबंध मजबूत होंगे।
तुला	*रा,री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते*	सम्मान प्राप्त करेंगे, अपने हुनर और मेहनत से उन्नति प्राप्त करेंगे। भाइयों से विवाद समाप्त होंगे। शुभ समाचार मिलेगा।
वृश्चिक	*तो, ना, नी, नू, या, यी, यू*	दिन व्यस्तता पूर्ण रहेगा सोचे कार्य समय पर होंगे। धार्मिक आस्था बढ़ेगी। प्रेम प्रसंग में सफलता मिलेगी।
धनु	*ये, यो, भा, भी, भू, धा, फ, ढ, भे*	आपकी मेहनत और लगन से उच्च पद प्राप्त कर सकते हैं आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। घर में सुविधा बढ़ेगी।
मकर	*भो, जा, जी, जू, खा, खू, गा, गी*	अपने कार्य पर ध्यान देना अति आवश्यक है। आलस की अधिकता के चलते महत्वपूर्ण कार्य रुके रहेंगे।
कुम्भ	*गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा*	जीवन में आगे बढ़ने के लिए कठोर निर्णय लेना होगा। जीवन साथी का सहयोग मिलने से कार्य पूरे होंगे।
मीन	*दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा, चि*	आपकी दिनचर्या में बदलाव आएगा। जमीन के रुके कार्यों में गति आएगी। राजनीति से जुड़े मामलों में सतर्क रहें।

ज्यो. पं चंदन श्यामनारायण व्यास, पंचांगकर्ता, उज्जैन

ग्रह-नक्षत्र
ज्योतिर्विद: पं. घनश्यामलाल स्वर्णकार

शुभ वि. सं:	2081	हिजरी सम्वत :	1446	ऋतु:	शिशिर
संवत्सर का नाम:	कालयुक्त	मु.मास :	रज्जब-29	मास:	माघ
शाके सम्वत:	1946	अयन:	उत्तरायण	पक्ष:	शुक्ल

आज का दिन
गुरुवार, 30 जनवरी, 2025

सूर्योदयकालीन लग्न व ग्रह स्थिति

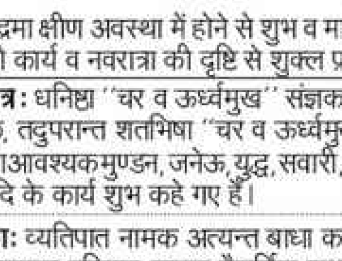

श्रेष्ठ चौघड़िया: आज प्रात: सूर्योदय से 08-38 तक शुभ, पूर्वाह्न 11-19 से अपराह्न 03-21 तक क्रमश: चर, लाभ व अमृत तथा सायं 04-42 से सूर्यास्त तक शुभ के श्रेष्ठ चौघड़िए हैं एवं दोपहर 12-18 से दोपहर 01-01 तक अभिजित नामक श्रेष्ठ मुहूर्त हैं, जो आवश्यक शुभकार्यारम्भ के लिए अत्युत्तम हैं।

शुभ तिथि: प्रतिपदा नन्दा संज्ञक तिथि सायं 04-11 तक, तदन्तर द्वितीया भद्रा संज्ञक तिथि प्रारम्भ हो जायेगी। शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा में चन्द्रमा क्षीण अवस्था में होने से शुभ व मांगलिक कार्य शुभ नहीं कहे गए है, पर देवी कार्य व नवरात्रा की दृष्टि से शुक्ल प्रतिपदा को शुभ माना गया है।

नक्षत्र: धनिष्ठा ''चर व ऊर्ध्वमुख'' संज्ञक नक्षत्र अन्तरात सूर्योदय पूर्व 05-51 तक, तदुपरान्त शतभिषा ''चर व ऊर्ध्वमुख'' संज्ञक नक्षत्र है। धनिष्ठा नक्षत्र में यथाआवश्यकमुण्डन, जनेऊ, युद्ध, सवारी, घर, बाग-बगीचा, विवाह और अलंकार आदि के कार्य शुभ कहे गए हैं।

योग: व्यतिपात नामक अत्यन्त बाधा कारक अशुभ योग सायं 06-33 तक, तदुपरान्त वरियान नामक नैसर्गिक शुभ योग है। व्यतिपात योग की समस्त घटियां शुभकार्यों में त्याज्य हैं।

ग्रह राशि-नक्षत्र परिवर्तन: बुध श्रवण नक्षत्र में रात्रि 10-04 से।

ग्रह मार्गी: हर्षल मार्गी रात्रि 09-52 से।

करण: बव नामकरण सायं 04-11 तक, तदन्तर बालव व कौलव आदि करण क्रमश: है।

व्रतोत्सव: नवीन चन्द्र के दर्शन उ.मु. उत्तर श्रृंगोन्नत, गुप्त नवरात्र प्रारम्भ, श्री बल्लभ जयन्ती, पंचक प्रा. सायं 06-35 से, महात्मा गांधी निर्वाण दिवस, शहीद दिवस, दो मिनट का मौन प्रारम्भ पूर्वाह्न 11-00 बजे से, कुष्ठ निवारण दिवस, मेला मस्तुआणां प्रा. (पंजाब) तथा व्यतिपात पुण्यं।

चंद्रमा : चंद्रमा मकर राशि में सायं 06-35 तक, तदन्तर कुम्भ राशि में होगा।

शुभ मुहूर्त: आज धनिष्ठा नक्षत्र में विवाह, सगाई व रोका तथा गृहारम्भ व गृह प्रवेश का अतिआवश्यकता में (व्यतिपात दोष युक्त) मुहूर्त है।

दिशाशूल: गुरुवार को दक्षिण दिशा की यात्रा में दिशाशूल रहता है, पर आज सायं 06-35 तक मकर राशि के चन्द्रमा का वास दक्षिण दिशा की व इसके बाद कुम्भ राशि के चन्द्रमा का वास पश्चिम दिशा की यात्रा में सम्मुख रहेगा, जो लाभदायक व शुभप्रद रहेगा।

राहुकाल (मध्यमान से): दोपहर बाद 1-30 बजे से अपराह्न 3-00 बजे तक राहुकाल वेला में शुभकार्यारम्भ यथासम्भव वर्जित रखना हितकर है।

आज जन्म लेने वाले बच्चे-आज जन्म लेने वाले बच्चों के नाम (ग, गि, गु, गे, गो, सा) आदि अक्षरों पर रखे जा सकते हैं। प्रात: 06-35 तक जन्मे जातकों की जन्म राशि मकर व इसके बाद जन्मे जातकों की जन्म राशि कुम्भ है। मकर व कुम्भ दोनों ही राशियों के स्वामी शनि देव हैं। इनका जन्म ताम्रपाद से है, जो शुभ माना जाता है। सामान्त: ये जातक धनी, परोपकारी, निष्कपट, धैर्यवान, राग-विद्या में रुचि रखने वाले और प्रसिद्ध होते हैं। इनका 24-25 वर्ष की आयु में भाग्योदय होना प्रारम्भ हो जाता है। मकर राशि वाले जातकों को अपने कार्यों में सकारात्मक प्रगति और सफलताएं मिलेगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

अखाड़ा मार्ग पर बैरिकेड्स फांद कर आने से मची भगदड़: व्यवस्थाएं कायम रखने के लिए जिले की सीमाएं सील

मौनी अमावस्या : सादगी के साथ अखाड़ों ने किया अमृत स्नान

प्रयागराज महाकुंभ

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

महाकुंभनगर. प्रयागराज महाकुंभ का दूसरा अमृत स्नान पर्व बुधवार को संपन्न हुआ। मौनी अमृत स्नान पर्व पर घटी घटना के बाद अखाड़ों ने संवेदनशीलता दिखाते हुए पहले श्रद्धालुओं को अमृत स्नान करने का अवसर दिया और बाद में सांकेतिक रूप से अमृत स्नान किया।

त्रिवेणी के तट पर लगे आस्था के महाकुम्भ का दूसरा अमृत स्नान पर्व संपन्न हो गया। प्रशासन द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक मौनी अमावस्या के अमृत स्नान पर्व पर शाम छह बजे तक करीब सात करोड़ लोगों ने पुण्य की डुबकी लगाई। महाकुम्भ में घटी घटना के बाद अखाड़ों के संतों ने संवेदनशीलता दिखाई।

यह पहला मौका था जब साधु-संतों, नागा संन्यासी और अखाड़ों ने संगम में ऐतिहासिक प्रथम स्नान की प्रतिज्ञा तोड़ दी। परिस्थिति को देखते हुए अखाड़ों ने अपने ब्रह्म मुहूर्त के अमृत स्नान को स्थगित कर दिया और श्रद्धालुओं को पहले स्नान का अवसर दिया।

अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत रविंद्र पुरी का कहना है कि सर्व सम्मति से सभी अखाड़ों ने निर्णय लिया कि हालात को देखते हुए पहले श्रद्धालुओं को अमृत स्नान का अवसर दिया जाए। स्थिति सामान्य होने पर अखाड़ों ने अपनी भव्य अमृत स्नान की परम्परा का त्याग कर दिया और सांकेतिक रूप से स्नान कर परम्परा का निर्वहन किया।

महाकुंभ में बुधवार को मौनी अमावस्या का अमृत स्नान था। इस मौके पर संगम में स्नान के लिए के लिए नागा साधु और संत महात्माओं का शाही लवाजमा निकला। एक घोड़े पर सवार होकर स्नान के लिए जाते महात्मा।

शंकराचार्यों ने भी लगाई डुबकी

प्रयागराज महाकुम्भ के दूसरे अमृत स्नान में मौनी अमावस्या पर देश के तीन पीठों के शंकराचार्यों ने भी त्रिवेणी के संगम में डुबकी लगाई। शंकराचार्य ने श्रद्धालुओं से संयम बनाए रखने की अपील की। श्रृंगेरी शारदा पीठाधीश्वर जगतगुरू शंकराचार्य स्वामी विधु शेखर भारती जी, द्वारका शारदा पीठाधीश्वर जगतगुरू शंकराचार्य स्वामी सदानंद सरस्वती और ज्योतिष पीठाधीश्वर शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने मौनी अमावस्या अमृत स्नान पर्व पर त्रिवेणी संगम में पुण्य की डुबकी लगाई। मौनी अमावस्या पर तीनों पीठ के शंकराचार्य मोटर बोट के माध्यम से त्रिवेणी संगम पहुंचे, जहां पूरे धार्मिक विधि विधान से तीनों ने पुण्य की डुबकी लगाई और देश की जनता के कल्याण के लिए आशीष दिया।

राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड ने संगम तट पर मोर्चा संभाला

महाकुंभनगर. महाकुंभ में माघ मास के दूसरे सबसे बड़े अमृत स्नान पर्व मौनी अमावस्या पर संगम में उमड़ रही भारी भीड़ को देखते हुये एहतियात के तौर पर प्रयागराज से सटे लगभग सभी जिलों की सीमाओं को अस्थायी तौर पर सील कर दिया गया। यह व्यवस्था मेला क्षेत्र और नगर में भीड़ को नियंत्रित करने के लिए की गई। प्रयागराज में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए प्रयागराज में प्रवेश करने से रोकने को कहा गया है। राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी) ने संगम तट पर मोर्चा संभाला। संगम तट पर केवल साधु-संतो को जाने की इजाजत है। श्रद्धालुओं के आवागमन के लिए गंगा पर बने सभी पीपा पुलों को बंद कर दिया गया। घाट पर स्नान कर रहे श्रद्धालुओं से स्नान के बाद तत्काल घाट खाली करने का लगातार घोषणा की जाती रही।

महाकुंभ भगदड़ पर रो पड़े स्वामी प्रेमानंद गिरि, बोले- सेना के हवाले कुंभ

महाकुंभनगर. प्रयागराज में आयोजित महाकुंभ मेले में निरंजनी अखाड़े के महामंडलेश्वर स्वामी प्रेमानंद गिरि ने कहा कि पीएम मोदी का संदेश आ गया है कि सेना के हवाले कुंभ को किया जा रहा है। उन्होंने मीडिया से बातचीत में कहा, 'प्रशासन पूरी तरह से फेल हो गया है। निकम्मा प्रशासन सिर्फ तुष्टीकरण की नीति में लगा रहा। पूरा ध्यान केवल विशिष्ट मेहमानों की सेवा में था। मैंने देखा कि जो भी वीआइपी यहां आया प्रशासन उसकी व्यवस्था में लगा रहा।

स्वामी प्रेमानंद गिरि ने कहा, "हमारे देश में सेवाभावी लोगों की कमी नहीं है। अगर ये कुंभ सेना के हवाले हो जाता, तो मुझे नहीं लगता कि इतना बड़ा हादसा होता। बहुत दुख है। अखाड़े हमेशा प्रशासनिक व्यवस्थाओं के अनुरूप ही चलते हैं। हम सभी संवैधानिक व्यवस्था में विश्वास रखते हैं, और इसी व्यवस्था के तहत मेले की पूरी जिम्मेदारी प्रशासन की होती है।'

सरकार पीड़ित श्रद्धालुओं के इलाज का इंतजाम करे : अखिलेश

लखनऊ. समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बुधवार को कहा कि सरकार महाकुंभ में अव्यवस्थाजन्य हादसे में घायल श्रद्धालुओं के इलाज का समुचित इंतजाम करे। यादव ने एक्स पर पोस्ट किया "महाकुंभ में अव्यवस्थाजन्य हादसे में श्रद्धालुओं के हताहत होने का समाचार बेहद दुखद है। श्रद्धांजलि।"

उन्होंने कहा हमारी सरकार से अपील है कि गंभीर रूप से घायलों को एयर एंबुलेंस की मदद से निकटतम सर्वश्रेष्ठ हॉस्पिटलों तक पहुंचाकर तुरंत चिकित्सा व्यवस्था की जाए। मृतकों के शवों को चिन्हित करके उनके परिजनों को सौंपने और उन्हें उनके निवास स्थान तक भेजने का प्रबंध किया जाए। जो लोग बिछड़ गये हैं, उन्हें मिलाने के लिए त्वरित प्रयास किये जाएं। हेलिकॉप्टर का सदुपयोग करते हुए निगरानी बढ़ाई जाए।

महाकुंभ हादसे के जिम्मेदारों पर हों कड़ी कार्रवाई : शिवपाल

इटावा. समाजवादी पार्टी (सपा) महासचिव शिवपाल सिंह यादव ने कहा कि महाकुंभ हादसे की जिम्मेदारी लेते हुए मुख्यमंत्री योगी को इस्तीफा दे देना चाहिए। जिला सहकारी समितियों के चुनाव में अपने मताधिकार का प्रयोग करने के बाद गृह जिले इटावा में पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि महाकुंभ में घायल हुए श्रद्धालुओं के इलाज की समुचित व्यवस्था करने के साथ प्रत्येक मृतक के आश्रित को एक-एक करोड़ रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान की जानी चाहिए। जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई भी अमल में लाई जानी चाहिए।

गोंडा के श्रद्धालु की मौत, भतीजे ने कांपती आवाज में सुनाई आपबीती

भगदड़ में गोंडा के रुपईडीह के श्रद्धालु ने जान गंवा दी। भतीजे ने आंखों में आंसू लिए बताया कि घटना के वक्त हालात भयावह थे। उन्होंने बताया कि "परसों 4:30 बजे मैं यहां आया और गंगा स्नान किया। घाट पर भीड़ थी। हमारे साथ जो लोग थे, भगदड़ से गिर गए। हम सब किसी तरह उठ गए, लेकिन मेरे चाचा ननकन जिनका कद छोटा था, भीड़ के नीचे दब गए। लोगों के पैरों तले कुचले जाने से जान चली गई। उम्र सिर्फ 45 साल। मैं उन्हें अस्पताल लेकर गया, लेकिन डॉक्टर ने कहा, "अब ये नहीं रहे।" मैंने डॉक्टर से कहा कि हमें उन्हें घर ले जाना है, तो उन्होंने सहमति दी। हमारे साथ नहाने मेरे दो चाचा, दो भाई, मेरी पत्नी, चाचा की पत्नी, भाई की पत्नी और हमारे जीजा आए थे। सभी सुरक्षित हैं, लेकिन भाई की सास लापता हैं। मैं संगम जा रहा था, लेकिन भीड़ देखकर वापस लौटने लगा। तभी रोड पर जाम लग गया। मेरी आंखों के सामने 60-70 लोग गिर गए। मुझे लगा कि कई की जान गई।

संगम नोज पर जाने के प्रयास में मची भगदड़, अब हालात सामान्य: योगी

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

लखनऊ. महाकुंभनगर. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को कहा कि मौनी अमावस्या के पावन पर्व पर संगम नोज पर जाने के प्रयास में मंगलवार आधी रात को भीड़ के दवाब में कुछ श्रद्धालु गंभीर रुप से घायल हुए हैं, जबकि कुछ की मौत हो गई।

हालांकि कुछ घंटे बाद ही हालात सामान्य हो गए और संगम में स्नान का क्रम निर्बाध जारी रहा। पहले क्रम के अनुसार अखाड़ों के नागा साधु और बाद में श्रद्धालुओं ने स्नान किया। योगी ने श्रद्धालुओं से अपील की कि वे अफवाहों पर कतई ध्यान दें। मेला प्रशासन ने सुविधा के पर्याप्त इंतजाम किये हैं। प्रशासन को सहयोग दें इस महास्नान को सफल बनायें। उन्होंने कहा कि अफवाह और नकरात्मक सूचनाएं प्रसारित करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

योगी ने पत्रकारों से कहा कि महाकुंभ में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ है। प्रयागराज में लगभग 8-10 करोड़ श्रद्धालु मौजूद हैं। पहले दिन लगभग 5.5 करोड़ श्रद्धालुओं ने महाकुंभ का स्नान किया था। श्रद्धालुओं के संगम नोज पर जाने से भारी दबाव बना हुआ है। रात 1-2 बजे के बीच अखाड़ा मार्ग पर बैरिकेड्स को फांद कर आने में कुछ श्रद्धालु गंभीर रूप से घायल हुए हैं। उन्हें तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया है।

गौरतलब हैं कि वर्ष 1954 में 3 फरवरी को मौनी अमावस्या के दिन कुंभ मेले भगदड़ के दौरान 800 लोगों की मौत हुई थी और 2013 के कुंभ में 10 जनवरी को मौनी अमावस्या के दिन रेलवे स्टेशन पर भगदड़ मचने से 36 लोगों की जान गई थी।

खोया पाया शिविर में पहुंचाया सामान

मेला प्रशासन ने श्रद्धालुओं से अपील जारी रखी कि वे अन्य घाटों पर स्नान करें। किला घाट और संगम नोज और अरैल घाट एरिया को भी पहले खाली कराया गया। प्रशासन ने श्रद्धालुओं से लगातार संयम बरतने की की अपील की और भोजन तथा पानी उपलब्ध करवाया। खोया पाया शिविर में लोगों तथा सामानों को लगातार पहुंचाते रहे और इसकी घोषणा प्रसारित करवा रहे।

दिनभर रहा भीड़ का दबाव

प्रशासन स्थानीय स्तर पर श्रद्धालुओं को सकुशल स्नान कराने के लिए लगातार लगा हुआ है। योगी ने कहा कि प्रयागराज में हालात वर्तमान में नियंत्रण में हैं, लेकिन भीड़ का दबाव बहुत बना हुआ है। संतों के साथ भी मेरी बात हुई है, उन्होंने बड़ी विनम्रता से कहा है कि पहले श्रद्धालु स्नान करके निकल जाएंगे उसके बाद ही हम स्नान के लिए संगम की तरफ करेंगे। सभी अखाड़े इसके लिए सहमत हैं।

महाकुंभ स्थल पर उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब।

महाकुंभ में भीड़ को नियंत्रण में करने के लिए लगाए बेरीकेड्स के नीचे से जबरन गुजरते श्रद्धालु।

ग्रीन कॉरिडोर बनाया

महाकुंभनगर. भगदड़ में घायलों को बचाने के लिए ग्रीन कॉरिडोर बनाकर दो से तीन मिनट के भीतर 50 से अधिक एंबुलेंस संगम नोज पहुंच गईं। एम्बुलेंस ने 100 से अधिक राउंड लगाए। एसडीआरएफ, एनडीआरएफ और पुलिस टीम भी चिकित्सकों के साथ घायलों की मदद में जुटी रही।
नोडल चिकित्सा स्थापना डॉक्टर गौरव दुबे ने बताया कि विशेषज्ञ चिकित्सकों ने तत्परता दिखाते हुए घायलों का उपचार किया। एक्सपर्ट डॉक्टर और मेडिकल टीम ने मौके पर पहुंचकर प्राथमिक उपचार शुरू कर दिया। गंभीर मरीजों को स्वरूपरानी नेहरू अस्पताल और तेज बहादुर सप्रू चिकित्सालय (बेली अस्पताल) शिफ्ट किया गया।

पल-पल की रिपोर्ट लेते रहे योगी, तड़के ही ली उच्च स्तरीय बैठक

महाकुंभनगर @ पत्रिका. मौनी अमावस्या पर्व पर महाकुंभ में बड़ा हादसा हो सकता था, लेकिन योगी सरकार की प्री प्लान्ड तैयारियों और अधिकारियों की सक्रियता ने इसे सीमित कर दिया।

महाकुंभ में साधु संतों और श्रद्धालुओं ने योगी सरकार की व्यवस्थाओं और सुविधाओं पर कहा कि महाकुम्भ में योगी सरकार ने बेहतर व्यवस्थाएं की हैं, लेकिन बुधवार को जिस तरह भीड़ बढ़ी, यह बड़ा हादसा हो सकता था। हालांकि, योगी सरकार-प्रशासन, मेला पुलिस की सजगता और सक्रियता से हादसे को सीमित कर दिया गया। मुख्यमंत्री योगी घटना की पल-पल रिपोर्ट लेते रहे। सुबह सूचना मिलते ही सीएम ने अपडेट लिया और तड़के ही सरकारी आवास पर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव गृह, डीजीपी, एडीजी लॉ एंड ऑर्डर के साथ उच्च स्तरीय बैठक बुलाकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

पुलिस का क्विक रिस्पांस

श्री पंच दशनाम आवाहन अखाड़े के महामंडलेश्वर स्वामी प्रकाशानंद ने कहा कि महाकुंभ में अफवाह की वजह से यह घटना घटी है, लेकिन योगी सरकार ने, उनकी पुलिस ने इस घटना पर तुरंत एक्शन लिया जिससे बहुत से लोगों की जान बच गई। यूपी पुलिस का क्विक रिस्पांस ही था, जो बड़ी घटना को सीमित कर दिया गया।

बिछड़ा परिवार, पुलिस को ठहराया मौत का जिम्मेदार

महाकुंभनगर. भगदड़ में छतरपुर जिला के सोनवाहा से प्रयागराज आई महिला की मौत हो गई। पुलिस नींद से उठाकर स्नान के लिए नहीं भेजती तो हम शिकार नहीं होते। एक घंटे बाद तक शव नहीं उठाए।
'भगदड़ में गई बहु की जान': सोनवाहा से ताल्लुक रखने वाले व्यक्ति ने बताया, "हम 10-15 लोग मेन रोड के पास सो रहे थे। रात 10-11 बजे पुलिस ने उठाया और कहा, 'जाओ स्नान करके आओ।' हम भीड़ में शामिल हो गए। अलग मार्ग नहीं था। भगदड़ में हम बिछड़ गए। भगदड़ में हमारी बहू दब गई और उसकी मौत हो गई है। साथ में एक बच्ची दीप भी घायल हो गई।"

बिहार-झारखंड अपडेट
BIHAR-JHARKHAND UPDATE

लोकमाता अहिल्याबाई होलकर नारी शक्ति की अप्रतिम प्रतीक: राज्यपाल

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

रांची. झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने राष्ट्र सेविका समिति के आयोजित 'लोकमाता अहिल्याबाई होलकर त्रिशताब्दी जयंती समारोह' के अवसर लोकमाता अहिल्याबाई होलकर को नारी शक्ति, न्याय और जनकल्याण की अप्रतिम प्रतीक बताते हुए कहा कि वे केवल एक कुशल प्रशासिका ही नहीं, बल्कि सेवा, त्याग और परोपकार की प्रतिमूर्ति थीं।

उन्होंने शिक्षा, कला, संस्कृति और धर्म के संरक्षण हेतु अनुकरणीय कार्य किए। उनकी शासन-व्यवस्था पूर्णतः प्रजा के हितों पर केंद्रित थी। राज्यपाल ने काशी विश्वनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण में उनके ऐतिहासिक योगदान का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि जब हम 'आत्मनिर्भर भारत' और 'विकसित भारत' की ओर अग्रसर हैं, तब अहिल्याबाई जैसी महान विभूतियों के योगदान से हमें नई प्रेरणा मिलती है।

अमर योद्धाओं के संघर्ष और योगदान को चित्रों का प्रदर्शन

विरासत को रंगों में संजोकर नई पीढ़ी तक पहुंचाना हमारा कर्तव्य: चमरा लिंडा

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

रांची . झारखंड के कल्याण मंत्री चमरा लिंडा ने कहा कि सरकार राज्य की जनजातीय संस्कृति के संरक्षण और संवर्धन के लिए प्रतिबद्ध है।

झारखंड की जनजातीय कला और संस्कृति को संजोने और जनजातीय स्वतंत्रता सेनानियों के गौरवशाली इतिहास को चित्रों के माध्यम से प्रदर्शित करने के उद्देश्य से ही राज्य-स्तरीय जनजातीय चित्रकार शिविर का आयोजन किया जा रहा है। वह बुधवार को डॉ. राम दयाल मुंडा जनजातीय कल्याण शोध संस्थान परिसर में राज्य-स्तरीय जनजातीय चित्रकार शिविर का उद्घाटन कर रहे थे।

मंत्री लिंडा ने कहा कि झारखंड के जनजातीय स्वतंत्रता सेनानियों का संघर्ष हमारी अस्मिता और प्रेरणा का प्रतीक है। उनकी शौर्यगाथा को कला के माध्यम से जन-जन तक पहुंचाना बेहद आवश्यक है। इस चित्रकार शिविर के माध्यम से हमें उन वीर सेनानियों की वीरता को पुनः जीवंत करने का अवसर मिला है। साथ ही झारखंड का जनजातीय समाज हमेशा से अपनी कला, संस्कृति और संघर्षशीलता के लिए जाना जाता है। यहां के कलाकारों की प्रतिभा अद्भुत है, और यह शिविर उन कलाकारों को एक मंच प्रदान करेगा जिससे, वे अपनी कला के माध्यम से इतिहास को संजो सकें।

बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती का उत्सव

इस वर्ष धरती आबा बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती का ऐतिहासिक उत्सव मनाया जा रहा है। इस उपलक्ष्य में झारखंड के वीर जनजातीय स्वतंत्रता सेनानियों के चित्रांकन के लिए यह चार दिवसीय जनजातीय चित्रकार शिविर (29 जनवरी से 1 फरवरी 2025) आयोजित किया गया है। इस शिविर का मुख्य उद्देश्य झारखंड की वीरभूमि से जुड़े जनजातीय स्वतंत्रता सेनानियों जैसे बिरसा मुंडा, सिद्धू-कान्हू, चांद-भैरव, तिलका मांझी, वीर बुधु भगत, नीलांबर-पीतांबर सहित अन्य अमर योद्धाओं के संघर्ष और योगदान को चित्रों के माध्यम से जीवंत करना है।

चित्रकला की शैलियां दर्शाई: इस शिविर में झारखंड के कोने-कोने से आए वरिष्ठ एवं युवा जनजातीय चित्रकार हिस्सा ले रहे हैं। प्रतिभागी कलाकार अपने चित्रों के माध्यम से स्वतंत्रता संग्राम के महानायकों की गाथाओं को जीवंत रूप देंगे। चित्रकला की विभिन्न शैलियों, जैसे सोहराई, कोहबर, पिठौरा, गोंड, वारली और अन्य जनजातीय कला रूपों का प्रयोग किया जाएगा।

नीतीश ने घर परिवार की तरह बिहार को संवारा : नवल

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

पटना. बिहार जनता दल यूनाईटेड (जदयू) प्रवक्ता नवल शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने घर परिवार की तरह प्रदेश को संवारने का काम किया है। शर्मा ने बुधवार को कहा कि कुमार ने जिस भावना और लगन से बिहार को बिल्कुल अपने परिवार की तरह संवारा उसे सदियां याद रखेंगी। उन्होंने एक नेता के बजाय एक चितेरे की तरह, एक कुशल शिल्पी की तरह। घर का एक ईंट भी कमजोर न रहे, इस भावना से बिहार को संवारा है। बिहार का आर्थिक विकास हो तो सामाजिक और साम्प्रदायिक सदभाव भी उतना जरूरी हो। यदि बिहार के गौरव की पुनर्स्थापना हो तो बिहारीपन यानी बिहारी अस्मिता भी पुनर्जागृत हो।

विकास के पथ पर दौड़ा बिहार: शर्मा ने कहा कि हिंदीपट्टी के राज्यों में अस्मिता का जागरण कितना मुश्किल कार्य है, सारे लोग जानते हैं लेकिन कुमार ने इसे भी संभव कर दिखाया।अब बिहार विकास के पथ पर दौड़ रहा है।

पप्पू यादव को बयानों से सुर्खियों में रहने की आदत : प्रभाकर

पटना @ पत्रिका. बिहार भाजपा प्रवक्ता प्रभाकर कुमार मिश्र ने आरोप लगाया है कि पूर्णिया के सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू पप्पू यादव को महाकुंभ का महात्म्य और सनातन धर्म संस्कृति की तनिक भी समझ नहीं है और उन्हें अपने उल्टे-पुल्टे बयानों से सुर्खियों में बने रहने की आदत पड़ गयी है।

मिश्र ने बुधवार को कहा कि यादव महाकुंभ को आनंद मार्गी चश्मे से देखा रहे हैं, इसलिए उन्हें महाकुंभ की सनातनी परंपरा और संतों की आध्यात्मिक शक्ति का एहसास नहीं है। महाकुंभ में मची भगदड़ की वजह भारी भीड़ और शरारती तत्वों द्वारा फैलाया गया अफवाह है। अव्यवस्था के कारण भगदड़ नहीं मची। अफवाह फ़ैलाने वाले लोगों से योगी सरकार सख्ती से निबटेगी।

मिश्र ने कहा कि यादव की फितरत अशांति और अफवाह फ़ैलाने की रही है। महाकुंभ मेले में करोड़ों श्रद्धालुओं की उमड़ रही भीड़ पप्पू यादव को अच्छा नहीं लग रहा। पूर्णिया सांसद की सोच सनातन विरोधी है। महाकुंभ का महाभव्य आयोजन देखकर उनकी छाती पर सांप लोट रहा है। उन्होंने कहा कि यादव को चाहिए कि वे भी एक बार महाकुंभ में स्नान कर आयें, जिससे सोच में सकारात्मक परिवर्तन आए, नहीं तो, आनंद मार्ग पर चल जीवनभर भटकते रहेंगे।

अनंत सिंह की जमानत याचिका पर सुनवाई आज

पटना @ पत्रिका. नाजायज मजमा बनाकर शस्त्रों का अवैध प्रयोग करने एवं हत्या के प्रयास के मुकदमे में जेल में बंद पूर्व विधायक अनंत सिंह की जमानत याचिका पर सुनवाई पटना की एक विशेष अदालत में गुरुवार को होगी।

सांसदों एवं विधायकों के आपराधिक मामलों की सुनवाई के लिए गठित विशेष अदालत के अपर मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी अमित वैभव की अदालत में पूर्व विधायक अनंत सिंह की ओर से उनके वकील ने नियमित जमानत अर्जी दाखिल की थी।

हत्या मामले में दो सगे भाइयों को उम्रकैद

पटना @ पत्रिका. पटना की एक सत्र अदालत ने हत्या के जुर्म में दो सगे भाइयों को आजीवन कारावास के साथ ही 50-50 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई।

जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश विनय प्रकाश तिवारी ने दो सगे भाईयों राजेश कुमार और विकास कुमार को यह सजा सुनाई है।

हो सकता है मैं आपके विचारों से सहमत न हो पाऊं फिर भी विचार प्रकट करने के आपके अधिकारों की रक्षा करूंगा। –वाल्तेयर

राजस्थान पत्रिका
• संस्थापक •
कर्पूर चन्द्र कुलिश

शिक्षा में डिजिटल युग की चुनौतियों से निपटना होगा

यह संतोष की बात है कि कोविड-19 महामारी के बाद देश में शिक्षा क्षेत्र में सकारात्मक बदलाव देखने को मिला है। एनुअल स्टेटस ऑफ एजुकेशन रिपोर्ट (असर) की ताजा सर्वे रिपोर्ट में यह तथ्य उजागर हुआ है। देश के करीब 18 हजार गांवों के साढ़े 6 लाख बच्चों पर हुए सर्वे में शिक्षा में आए सुधार के साथ ही डिजिटल युग की नई चुनौतियां भी सामने आई हैं। सरकारी स्कूलों में बच्चों की बुनियादी पढ़ाई और गणितीय कौशल में उल्लेखनीय सुधार से स्पष्ट है कि राज्य सरकारों और संबंधित विभाग के संयुक्त प्रयास रंग ला रहे हैं। मिशन निपुण भारत के अंतर्गत पाठ्यक्रम, शिक्षण सामग्री, प्रशिक्षण और मूल्यांकन में सुधारों ने पहली और दूसरी के बच्चों में सीखने के परिणामों को मजबूत किया है।

'असर 2024' के सर्वेक्षण में पहली बार डिजिटल लिटरेसी पर विशेष ध्यान दिया गया, जिसके नतीजे चिंताजनक और उत्साहजनक दोनों हैं। रिपोर्ट के अनुसार, 14-16 वर्ष के 82.2 फीसदी स्कूली बच्चे स्मार्टफोन का उपयोग करना जानते हैं, लेकिन इनमें से केवल 57 फीसदी ही इसे शैक्षणिक उद्देश्यों के लिए इस्तेमाल कर रहे हैं। यह तथ्य दर्शाता है कि डिजिटल उपकरणों का अधिकतम उपयोग अभी भी मनोरंजन व इससे इतर दूसरे कार्यों की ओर ज्यादा झुका हुआ है। चिंता की एक और बात यह है कि स्मार्टफोन तक पहुंच में लड़कों और लड़कियों के बीच असमानता बनी हुई है। साथ ही सुरक्षा फीचर्स की जानकारी में भी लड़के आगे हैं। यह असमानता लड़कियों की डिजिटल दुनिया में सीमित भागीदारी और सुरक्षा जोखिम को दर्शाती है। शिक्षा की गुणवत्ता को और अधिक सशक्त बनाने के लिए सरकार को सतत प्रयास करने होंगे। डिजिटल साक्षरता को बढ़ाने और इसे शिक्षा से जोड़ने के लिए विशेष कार्यक्रमों की जरूरत है। स्कूलों में डिजिटल जागरूकता अभियान चलाने और पाठ्यक्रम में साइबर सुरक्षा को शामिल करने से इस असमानता को कम किया जा सकता है। इसके लिए शिक्षा विभाग को स्कूलों और समुदायों के बीच कार्यशालाएं आयोजित कर बच्चों को डिजिटल प्लेटफॉर्म्स के सुरक्षित उपयोग के लिए जागरूक करना होगा।

यह रिपोर्ट शिक्षा में हुई प्रगति की झलक दिखाने के साथ-साथ यह चेतावनी भी देती है कि डिजिटल दौर की चुनौतियों से निपटना अभी बाकी है। राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, यूपी, हरियाणा आदि राज्यों में बुनियादी साक्षरता और संख्यात्मकता को सुनिश्चित करने के साथ ही डिजिटल विभाजन को पाटने की भी जरूरत है। यही वक्त है जब नीति-निर्माता, शिक्षक और अभिभावक शिक्षा के नए आयामों को अपनाते हुए बच्चों का भविष्य बनाएं।

महाकुंभ हादसा: आस्था, भीड़ और अव्यवस्थाओं के बीच एक त्रासदी, हमने पुराने हादसों से कुछ नहीं सीखा

सवाल सरकार और श्रद्धालुओं, दोनों से बहुत हैं...

योगेश मिश्र
वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तम्भकार
@patrika.com

जो अपील दुर्घटना के बाद शुरू हुई, वो पहले से क्यों नहीं की गई कि संगम नोज जाने की जगह जो भी घाट आपके करीब है, वहीं अमृत स्नान कर लें। बाद में प्रचार किया गया कि तीन दिन में कभी भी स्नान करेंगे, मौनी अमावस्या का फल मिलेगा। यह प्रचार पहले भी हो सकता था।

चालीस दिनों तक चलने वाला महाकुंभ 2025 अभी आधा भी नहीं बीता कि एक बड़ा हादसा हो गया, जिसकी आशंका पहले से थी। प्रयागराज में कुंभ की जिम्मेदारी यूपी सरकार के पास है। सरकार ने सुरक्षा-भीड़ प्रबंधन के लिए अत्याधुनिक तकनीक के दावे किए थे, लेकिन असंख्य श्रद्धालुओं की भीड़ और अव्यवस्थाओं के कारण त्रासदी टाली नहीं जा सकी। पहले टेंट जले, सिलेंडर फटे और अब भगदड़ में कई लोग हताहत हुए। इस तरह की आपदा का ठीकरा किसी एक पर फोड़ देना सही नहीं होगा क्योंकि कई छोटी-बड़ी गलतियां मिलकर इस तरह के हादसे को अंजाम देती हैं। कुंभ के साथ हादसों का इतिहास भी जुड़ा हुआ है। सन 1954 में प्रयागराज, 2013 में प्रयागराज, 2010 में हरिद्वार, 2003 में नासिक, 1992 में उज्जैन- इन कुंभ आयोजनों में भगदड़ हुई थी, कई लोगों की मौत हुई थी तथा कई घायल भी हुए थे।

2025 का महाकुंभ 144 वर्ष का विशेष आयोजन है। बहुत ही बड़े पैमाने पर सब कुछ आयोजित किया जा रहा है। यूपी सरकार के दावे हैं कि भीड़ से लेकर हर चीज को कंट्रोल करने के लिए लेटेस्ट टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल किया गया है। पार्किंग, डाइवर्जन, बैरिकेडिंग, पुलिस वगैरह सब चाक चौबंद होने के ऐलान हैं। यह भी एक वजह है कि असंख्य लोगों के कदम कुंभ स्नान के लिए उठे। मन में आस्था और मां गंगा पर अटल विश्वास का दीपक लेकर करोड़ों लोग देश के कोने-कोने से कुंभ के लिए चल दिए। लोगों को राह मिलती गई और हौसला बढ़ता गया। कुंभ में 45-50 करोड़ तक की भीड़ आने के अनुमान ही नहीं लगाए गए बल्कि पूरे भरोसे से यह बात बार-बार दोहराई भी गई। देशभर से स्पेशल ट्रेनों का रेला लगा दिया गया। प्रदेश भर से मेला बसें लगी हुई हैं। इंतजामों के सरकारी दावों, जबरदस्त पब्लिसिटी और सोशल मीडिया के आसमान छूते इस्तेमाल के चलते हर कोई इस 'वन्स इन लाइफ टाइम' अवसर का हिस्सा बनने के लिए आतुर हो चला है। नई परंपरा को अपनाते हुए पहली बार देशभर में राज्य सरकारों को आमंत्रण कार्ड बांटे गए, सो सब मिलजुल कर लोगों को भेजने में जुटे हुए हैं। लोग आए और आते ही गए और हादसा भी हो गया। पहले टेंट जले, सिलेंडर फटे, हालांकि किसी के हताहत न होने की शुभ सूचना सुनाई पड़ी। लेकिन बुधवार की इस भगदड़ में करीब 30 लोगों की मौत की खबर आई है। करीब 60 लोग घायल बताए गए हैं। प्रधानमंत्री व गृहमंत्री ने मृतकों के प्रति संवेदना व्यक्त की है।

जिस तरह इस कुंभ को 'न भूतो न भविष्यत्' करार दिया, उसके चलते अधिक लोग कुंभ पहुंचे। संगम नोज तक जाने के लिए एक रास्ता व वापसी के लिए तीन रास्ते- अक्षयवट मार्ग, महावीर मार्ग, जगदीश रैंप तय किए गए। इमरजेंसी के लिए ग्रीन कॉरिडोर भी बनाए गए हैं। पर बड़े दावों के बीच बैरिकेडिंग व गंगा के तट पर पसरी रेत पर रात गुजारने को लोग मजबूर हुए। पांटून के पुलों को बंद किया गया। जिस तरह वीआइपी सुरक्षा के इंतजाम थे, उसी तरह के इंतजाम जनता के लिए न कभी होते हैं और न इस बार थे। फिर भी सवाल बड़ा है कि जब भीड़ कंट्रोल में तनिक भी संदेह था तो क्यों इतने लोगों को संगम की तरफ बढ़ने दिया गया? घाटों को लेकर सरकार ने होल्डिंग एरिया को ठीक से व्यवस्थित क्यों नहीं किया?

जो अपील दुर्घटना के बाद शुरू हुई, वो पहले से क्यों नहीं की गई कि संगम नोज जाने की जगह जो भी घाट आपके करीब है, वहीं अमृत स्नान कर लें। बाद में प्रचार किया गया कि तीन दिन में कभी भी स्नान करेंगे तो मौनी अमावस्या का फल मिलेगा। यह प्रचार पहले भी हो सकता था। इसके साथ ही श्रद्धालुओं की मनोवृत्ति भी कम जिम्मेदार नहीं है। आप जब संगम नोज पर हैं तो जल्दी किस बात की? बैरिकेड तोड़कर क्यों भागना? जब संत शाही स्नान बाद में कर सकते हैं तो लोग क्यों नहीं सब्र कर सकते? आमतौर पर ऐसे धार्मिक आयोजन में हम अपने परिवार के साथ जाते हैं। महिलाएं व बच्चे भीड़ का अनुभव नहीं रखते हैं। नतीजतन, वे किसी भी प्रतिकूल परिस्थिति में मनोवैज्ञानिक रूप से हतोत्साहित, उदास व चिंतित हो उठते हैं। भीड़ में प्रबल आवेग होता है। सभी लोगों का आवेग एक साथ काम कर रहा होता है। जैसे-जैसे भीड़ बढ़ती जाती है, लोग भीड़ में खो जाते हैं। अपने बारे में नहीं सोचते हैं। यही कारण है कि अनैच्छिक रूप से व्यक्ति भीड़ के अनुरूप काम करता है। भीड़ में बुद्धि, विवेक, विचार काम नहीं करता। केवल आवेग का उफान दिखता है।

सवाल सरकार व श्रद्धालुओं दोनों से बहुत हैं। जिम्मेदार दोनों हैं। लेकिन जवाब कोई नहीं है क्योंकि जवाब होते तो किसी भी भीड़ वाली जगह पर हादसे न होते, हम पुराने हादसों से कुछ नहीं सीखते। मौनी अमावस्या पर जो हुआ उससे बहुत ही गंभीर सवाल उठ खड़े होते हैं। यह कह कर जिम्मेदारी से नहीं बचा जा सकता कि जब करोड़ों लोग जुटेंगे तो भगदड़ तो मचेगी ही। एक भी इंसान की मौत मेला के पूरे इंतजामी सिस्टम को चुनौती देता है। हादसे के शिकार लोग तो सरकारी इंतजामों पर भरोसा करके यहां आए थे। भगदड़ आगे भी नहीं होगी इसकी क्या गारंटी है? क्या कोई सिर्फ शोक संवेदना से भी आगे सोचेगा? क्या हमारा तंत्र जिंदगी का मोल कभी समझ पाएगा? दूसरी ओर, इस पर राजनीति भी शुरू हो गई है, लेकिन सबको समझने की जरूरत है कि यह समय राजनीति का नहीं बल्कि ऐसी दुर्घटनाओं से सबक लेने का है।

फैक्ट फ्रंट

विल्सन का बर्ड ऑफ पैराडाइज

विल्सन का बर्ड ऑफ पैराडाइज, एक दुर्लभ और अत्यंत सुंदर पक्षी है, जो इंडोनेशिया के पापुआ प्रांत के छोटे द्वीपों, विशेष रूप से वाइगिओ और बाटांटा में पाया जाता है। इसका चमकदार रंग इसे अन्य पक्षियों से अलग बनाता है। इसके नर का रंग बहुत ही आकर्षक होता है। इसका सिर नीले रंग का होता है और इस पर काली धारियां होती हैं। इसके शरीर का ऊपरी भाग लाल और निचला भाग काले रंग का होता है। इसकी पूंछ के पंख घुमावदार होते हैं, जो इसे और भी आकर्षक बनाते हैं। ये पक्षी अपने अनूठे प्रणय नृत्य के लिए प्रसिद्ध है। नर पक्षी घोंसले के आसपास साफ-सुथरी जगह बनाकर अपने रंगीन पंखों को फैलाकर मादा को आकर्षित करता है।

फ्लोरेस द्वीप: पुर्तगाल में 'जुरासिक पार्क' जैसा दृश्य

फ्लोरेस द्वीप, अजोरेस द्वीपसमूह का हिस्सा है और पुर्तगाल के सबसे पश्चिमी क्षेत्र में स्थित है। यह द्वीप अपने हरे-भरे दृश्यों, झरनों और झीलों के लिए विश्व प्रसिद्ध है। कुछ दिनों पहले सोशल मीडिया पर यहां के फोटोज और वीडियोज वायरल हुए थे। यूजर्स इसे रीयल लाइफ का जुरासिक पार्क बता रहे थे। फ्लोरेस द्वीप का क्षेत्रफल लगभग 143 वर्ग किलोमीटर है और यहां की आबादी मात्र 3,400 लोगों की है। इस द्वीप का नाम 'फ्लोरेस' इसलिए पड़ा क्योंकि यहां फूलों बहुत ज्यादा प्रजातियां पाई जाती है। यूनेस्को ने इसे 'बायोस्फीयर रिजर्व' घोषित किया है, जिससे इसकी जैव विविधता और पारिस्थितिकी तंत्र की महत्त्वपूर्ण मान्यता मिलती है। यहां स्थित सेटे लागोस सात ज्वालामुखीय झीलों का समूह है, जो इसकी प्राकृतिक सुंदरता को और बढ़ाते हैं। द्वीप का सबसे ऊंचा बिंदु मोरों ऑल्तो है, जिसकी ऊंचाई 914 मीटर है। यहां पर्यटन मुख्य रूप से ट्रैकिंग, बोटिंग और पक्षियों को देखने के लिए आते हैं। यह स्थान अपनी शांत और सुरम्य प्रकृति के कारण दुनिया के सबसे खूबसूरत और अनछुए द्वीपों में गिना जाता है। इस द्वीप की सांस्कृतिक धरोहर में पुर्तगाली भाषा, संगीत और लोककला प्रमुख हैं। यहां के लोग पारंपरिक कारीगरी, मछली पकड़ने और कृषि कार्यों में निपुण हैं। यहां बारिश बहुत अधिक होती है।

प्रसंगवश

न्याय का इंतजार बढ़ाने वाली है सैम्पल जांच में देरी

डीएनए जांच की प्रक्रिया को रफ्तार देने पर ही ऐसे मामलों के त्वरित निस्तारण की उम्मीद की जा सकती है

यौन अपराध के बढ़ते मामले सभ्य समाज के लिए सदैव चिंता का विषय रहे हैं। इससे भी बड़ी चिंता यह कि बलात्कार और पॉक्सो के संदिग्ध मामलों में सिस्टम की खामी के चलते पीड़ित पक्ष को लंबे समय तक न्याय नहीं मिल पाता है। सहज ही अंदाज लगाया जा सकता है कि न्याय में यह देरी पीड़ित पक्ष को कितना मानसिक आघात पहुंचाने वाली होगी? यह तो तब है जब सरकार ने बलात्कार और पॉक्सो के मामलों के त्वरित निस्तारण के लिए अलग से कोर्ट की व्यवस्था की है। इस तरह की अदालतें कायम करने का मकसद भी यही था कि अपराधियों को जल्द सजा मिल सके। चिंता की बात यह है कि बच्चों व महिलाओं से जुड़े अपराधों को लेकर सजगता कई मामलों में बिल्कुल ही नजर नहीं आ रही। बलात्कार और पॉक्सो के कई मामलों में न्याय मिलने में देरी का मुख्य कारण डीएनए जांच में हो रहा विलम्ब है। कहने को तो राजस्थान में पीड़ितों के सैंपल्स के लिए विधि विज्ञान विभाग की सात प्रयोगशालाओं में जांच की व्यवस्था है, लेकिन इनमें से तीन में ही डीएनए सैम्पल की जांच हो रही है जबकि सर्वविदित तथ्य है कि कई बार अपराधी डीएनए सैम्पल की वजह से ही जेल पहुंच पाते हैं। पिछले पांच साल में केवल चार हजार सैंपल्स की ही जांच की जा सकी है, जबकि करीब 15 हजार सैंपल्स की जांच होना बाकी है। न्यायिक प्रक्रिया में इस तरह के सैम्पल की जांच रिपोर्ट के बिना केस की सुनवाई आगे नहीं बढ़ सकती।

हैरत की बात यह है कि व्यवस्थाओं में सुधार के नाम पर पिछले पांच साल में 40 करोड़ रुपए खर्च होने के बावजूद न तो सैम्पल जांच के लिए पर्याप्त स्टाफ लग पाया है और न ही जांच की प्रक्रिया में तेजी लाई जा सकती है। हालत यह है कि हर माह प्रदेश में बलात्कार और पॉक्सो के करीब 700 मामले दर्ज हो रहे हैं, लेकिन जहां सैम्पल की जांच होनी होती है वहां परेशानियां कम नहीं। जब तक डीएनए जांच की प्रक्रिया को रफ्तार नहीं दी जाती तब तक ऐसे मामलों के त्वरित निस्तारण की उम्मीद करना कठिन है। जरूरत इस बात की है कि राजस्थान में डीएनए जांच के लिए बंद पड़ी प्रयोगशालाओं को तो शुरू किया ही जाए, नई प्रयोगशालाएं भी कायम की जानी चाहिए। जांच में आधुनिक तकनीक का उपयोग कर समूची प्रक्रिया को पारदर्शी और समयबद्ध बनाए जाने की भी जरूरत है।

-शरद शर्मा
sharad.sharma@in.patrika.com

प्री बजट: कृषि पर निर्भर रहने वाली 61% आबादी के लिए विशेष प्रावधानों तथा बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर भी हैं बड़ी उम्मीदें

आम बजट ऐसा हो जो लगाए किसानों के घावों पर मरहम

डॉ. राजाराम त्रिपाठी
कृषि मामलों के विशेषज्ञ तथा राष्ट्रीय-संयोजक, अखिल भारतीय किसान महासंघ 'आईफा'
@patrika.com

हर वर्ष की तरह, आगामी बजट 2025-26 से भी किसानों को ढेरों उम्मीदें हैं। 'उत्तम खेती, मध्यम बान, अधम चाकरी भीख निदान' जैसी कालजयी कहावतें, भले ही आज किसानों की कठिन स्थिति पर व्यंग्य सी लगें, परंतु इनका महत्त्व नकारा नहीं जा सकता क्योंकि कृषि ही जीवन का आधार है। हालांकि, विडंबना यह है कि देश के नीति निर्माता किसानों और उनकी समस्याओं को सुनने तक का समय नहीं निकालते। हर बजट के पहले, वित्त मंत्री और वाणिज्य मंत्री विभिन्न व्यापारिक संगठनों को चाय पर आमंत्रित करते हैं और उनके व्यापार और उद्योगों की अपेक्षाओं पर चर्चा करते हैं। लेकिन किसान संगठनों के साथ ऐसा व्यवहार क्यों नहीं किया जाता? क्या देश के 61% जनसंख्या के रोजगार और 100 प्रतिशत लोगों की भोजन की थाली का मुद्दा इतना गौण है?

विडंबना यह है कि किसान संगठनों के पत्र और सुझाव या तो रद्दी की टोकरी में फेंक दिए जाते हैं या उन पर चर्चा करना भी उचित नहीं समझा जाता। क्या यही 'सुधार' की नीति है? देश में हर दिन किसानों की आत्महत्याओं की घटनाएं इस बात का प्रमाण हैं कि जो देश किसानों के बूते कभी दुनिया भर में सोने की चिड़िया के नाम से विख्यात था, वहां खेती किसान के लिए एक दुःस्वप्न बन चुकी है। क्या इस बजट में सरकार किसानों को उनका खोया हुआ सम्मान लौटा पाएगी? श्रीमद्भगवतगीता में लिखा है 'कृषि मूलम जगत सर्वम' यह उक्ति भारतीय कृषि के महत्त्व को सर्वोच्च स्थान देती है। ऐसे में बजट में कृषि पर विशेष ध्यान क्यों नहीं होता है? भारत जैसे कृषि प्रधान देश में जहां अधिकांश आबादी खेती पर निर्भर है, वहां कृषि के लिए पृथक बजट की मांग स्वाभाविक है। कृषि महज खेती तक सीमित नहीं है। इसमें पशुपालन, डेयरी, उद्यानिकी, सिंचाई, खाद्य प्रसंस्करण, वेयर हाउसिंग और लॉजिस्टिक्स जैसे कई महत्त्वपूर्ण उपक्षेत्र शामिल हैं। भारत के अधिकांश उद्योग, चाहे वे खाद्य प्रसंस्करण, वस्त्र, दवा, कच्चे माल आदि के लिए कृषि पर निर्भर हैं। भारत की जीडीपी गणना की नीति अमरीका से प्रभावित रही है, जहां कृषि पर निर्भरता कम करने का लक्ष्य था। परंतु डेढ़ अरब की जनसंख्या वाले भारत जैसे देश में जहां कृषि मुख्य रोजगार प्रदाता है, यह नीति कितनी व्यावहारिक है? पिछले बजट में कृषि क्षेत्र के लिए लगभग 1.25 लाख करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया था, जो कि कुल बजट का एक छोटा हिस्सा था जबकि वित्त वर्ष 2024 में भारत की जीडीपी में कृषि का योगदान 15-17% था, जबकि 61% जनसंख्या इस क्षेत्र पर निर्भर है। यह विरोधाभास स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि नीति निर्माण में कृषि को वह स्थान नहीं मिल रहा जो मिलना चाहिए। पिछले कुछ वर्षों में किसानों ने न्यूनतम समर्थन मूल्य पर गारंटी कानून सहित कई मांगों को लेकर आंदोलन किए। वर्ष 2022-23 में फसल उत्पादन में वृद्धि के बावजूद किसानों को उचित मूल्य नहीं मिला। क्या यही 'आत्मनिर्भर भारत' की परिभाषा है? सरकार ने 2024 के बजट में फसल बीमा योजना के तहत 15,000 करोड़ रुपए का प्रावधान किया था। परंतु यह योजना भी किसानों तक प्रभावी रूप से नहीं पहुंची। कृषि अवसंरचना विकास कोष का उपयोग भी सीमित रहा। अभी न्यूनतम समर्थन मूल्य की गारंटी की आवश्यकता है।

सरकार को किसान संगठनों से मिलकर एक सक्षम गारंटी कानून लाना होगा। फसल भंडारण और परिवहन के लिए बेहतर बुनियादी ढांचे की आवश्यकता है। हर वर्ष लाखों टन अनाज और साग-सब्जी का नुकसान हो रहा है। कृषि और उद्योगों के बीच सामंजस्य स्थापित कर कृषि उत्पादों का प्रसंस्करण और निर्यात बढ़ाया जा सकता है। कृषि-शोध पर बजट में कटौती को रोकते हुए नवाचारों के लिए पर्याप्त राशि मुहैया कराई जाए। जैविक कृषि नीति तथा रोडमैप बनाकर इस अभियान के लिए पर्याप्त बजट आबंटित किया जाए। सिंचाई एवं अधोसंरचना विकास में दीर्घकालिक निवेश को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। यदि सरकार इस बार भी किसानों की अनदेखी करती है, तो यह न केवल उनके घावों पर मिर्च छिड़कने जैसा होगा बल्कि पूरे देश की अर्थव्यवस्था को कमजोर करेगा। कृषि को लेकर सरकार को गंभीरता दिखानी होगी।

स्वास्थ्य को समर्पित हो विकसित भारत के लक्ष्य वाला बजट

डॉ. महावीर गोलेच्छा
लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स से प्रशिक्षित स्वास्थ्य एवं सामाजिक नीति विशेषज्ञ
@patrika.com

भारत सरकार ने देश को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। किसी भी देश की अर्थव्यवस्था देश की स्वस्थ, कुशल एवं उत्पादक आबादी पर निर्भर करती है। आर्थिक रूप से विकसित राष्ट्र बनने की भारत की आकांक्षा एक स्वस्थ, कुशल एवं उत्पादक आबादी होने के लक्ष्य से जुड़ी हुई है। इस वर्ष का आम बजट स्वास्थ्य क्षेत्र को प्राथमिकता देने वाला तथा स्वस्थ विकसित भारत पर केंद्रित होना चाहिए। देश की विशाल जनसंख्या और देश के अधिकांश लोगों को उपलब्ध निम्न गुणवत्ता युक्त स्वास्थ्य सुविधाओं को देखते हुए स्वास्थ्य सेवा भारत के लिए एक अनिवार्य क्षेत्र है। स्वास्थ्य के लिए केंद्र सरकार का पिछले वर्ष का कुल बजट लगभग 90,000 करोड़ रुपए था, इसे जब देश की विशाल आबादी से विभाजित किया जाता है, तो यह संख्या प्रत्येक नागरिक के लिए मात्र 615 रुपए में बदल जाती है।

सरकार ने जनता से स्वास्थ्य सेवा से जुड़े कई वादे किए हैं, जिसमें 2025 तक टीबी का उन्मूलन, सिकल सेल एनीमिया मुक्ति से लेकर 2032 तक सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज के सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करना शामिल है। हालांकि, पिछले लुक बजट में स्वास्थ्य सेवा के लिए किया गया मामूली आवंटन इन आकांक्षाओं को वास्तविकता में बदलने में बहुत कम मदद करता है। इसके अलावा, यह आवंटन देश में तेजी से बढ़ती उम्रदराज आबादी के लिए उचित स्वास्थ्य सेवा और भारतीय महिलाओं में एनीमिया की व्यापकता जैसे विभिन्न सार्वजनिक स्वास्थ्य मुद्दों को हल करने में भी असमर्थ है, इसके अतिरिक्त स्कूल जाने की उम्र के 35.5% भारतीय बच्चे अविकसित हैं, जबकि उनमें से 19.3% कमजोर हैं। अपने पूरे इतिहास में, बजट ने अपने रक्षा और बुनियादी ढांचे के परिव्यय को बढ़ाने पर गहरी नजर रखी है, लेकिन हमें जिस प्रश्न का उत्तर देना चाहिए वह यह है कि यदि देश की जनता अस्वस्थ है, तो चल रहे विकास और आर्थिक वृद्धि से वास्तव में किसे लाभ होगा? क्या हम स्वस्थ आबादी के बिना विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल कर पाएंगे? राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति 2017, आर्थिक सर्वेक्षण 2021 और 2022-23 तथा 15वें वित्त आयोग ने भी सरकारी व्यय को जीडीपी के कम से कम 2.5% तक बढ़ाने पर जोर दिया है। इस बजट में स्वास्थ्य बजट जीडीपी का कम से कम 2.5% होना चाहिए। हमें भारत में प्राथमिक और माध्यमिक स्वास्थ्य सेवा को मजबूत करने और गांवों (हमारी 65% आबादी का घर) और टियर 2 और 3 शहरों में स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार करने की आवश्यकता है ताकि भारत की बढ़ती आबादी की मांगों को पूरा किया जा सके और उनके जीवन की गुणवत्ता में सुधार किया जा सके और जब तक जीडीपी के प्रतिशत के रूप में स्वास्थ्य सेवा के लिए आवंटन में सुधार नहीं होता, तब तक ऐसा नहीं हो पाएगा। स्वास्थ्य सेवा में निवेश बढ़ाना सामाजिक स्वास्थ्य बीमा के कवरेज को बढ़ाने, अनुसंधान और विकास में सुधार और स्वास्थ्य सेवा की बेहतर पहुंच और वितरण के लिए डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं को आगे बढ़ाने के लिए भी महत्त्वपूर्ण है।

बजट में सरकार को बीमारियों से बचाव के लिए भी धन आवंटित करना चाहिए, जिसमें एनीमिया और मधुमेह और हृदय संबंधी स्थितियों जैसी जीवनशैली संबंधी बीमारियों, स्वास्थ्य जांच और कल्याण कार्यक्रमों जैसे प्रचलित स्वास्थ्य मुद्दों पर लोगों के बीच जागरूकता अभियान शामिल हैं। इसके अलावा, आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन को डिजिटल स्वास्थ्य बुनियादी ढांचे को बढ़ाने, डेटा साझाकरण को सुव्यवस्थित करने और रोगी परिणामों में सुधार करने के लिए मजबूत वित्तीय सहायता की आवश्यकता है। एक महत्त्वपूर्ण उम्मीद स्वास्थ्य बीमा प्रीमियम पर जीएसटी हटाने की है। यह कदम स्वास्थ्य बीमा को और अधिक किफायती बना देगा, जिससे बड़ी आबादी को कवरेज तक पहुंच बनाने और जेब से होने वाले खर्च को कम करने में मदद मिलेगी। आयुष्मान भारत योजना के तहत कवरेज सीमा बढ़ाने से कमजोर आबादी के लिए व्यापक वित्तीय सुरक्षा तथा उन्नत उपचार सुनिश्चित किया जा सकता है।

आपकी बात

इनोवेशन और साइबर नीति बदलें

चीन के नए एआइ टूल से भारत के टेक और आइटी सेक्टर पर भी प्रभाव पड़ेगा। प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी, स्वचालन में वृद्धि होगी और डेटा सुरक्षा पर भी सवाल उठेंगे। भारत को अपनी एआइ क्षमताओं को अधिक मजबूत करने के लिए नवाचार और साइबर सुरक्षा नीतियों पर ध्यान देने की जरूरत है। -**प्रकाश कटारिया**, हुबली

patrika.com पर पढ़ें

पाठकों की अन्य प्रतिक्रियाएं

इसे स्कैन करें

पत्रिकायन का सवाल था, चीन के नए एआइ टूल से भारत पर क्या असर पड़ेगा?' प्रतिक्रियाएं ऑनलाइन भी देखें।
https://shorturl.at/qqIVY

आज का सवाल

केंद्रीय बजट 2025-26 से आप क्या उम्मीद रखते हैं?

ईमेल करें
edit@epatrika.com

चित्रकोट : गर्मी की शुरुआत के पहले ही सिमटीं जलधाराएं

जगदलपुर. प्रसिद्ध पर्यटन स्थल चित्रकोट व तीरथगढ़ में उफनती हुई जलधाराएं इन दिनों सिमटती जा रही हैं। जनवरी महीने के आखिर में ही ऐसी स्थिति बन गई है जो कि मई व जून में देखी जाती हैं। चित्रकोट जलप्रपात में इंद्रावती नदी करीब 95 फीट की ऊंचाई से गिरती है। मानसून के मौसम में चित्रकोट का जलप्रपात पूरे शबाब पर रहता है। इसी तरह से मुनगाबहार नाला तीरथगढ़ की शोभा बढ़ाता है। इन दिनों दोनों ही जलप्रपात में पर्यटकों की आवाजाही कम हो गई है। जलप्रपात देखने आने वाले सैलानियों में निराशा है।

निकाय चुनाव

ईवीएम की जगह मतपेटी की गाइडलाइन मिलने से प्रत्याशी परेशान

पत्रिका ब्यूरो @ बेमेतरा. जिले में नगरीय निकाय व त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के लिए नामांकन जमा करने वाले प्रत्याशियों को ईवीएम की जगह मतपेटी से होने वाले निर्वाचन की मार्गदर्शिका दी गई है। गाइडलाइन में लगभग 119 पेज की बुक में 66 पेज में मतपेटी से चुनाव की जानकारी दी है। बता दें कि ईवीएम से चुनाव के लिए प्रशिक्षण भी दिया जा चुका है। वहीं प्रत्याशियों ने कहा कि उन्हें अब सोशल मीडिया का सहारा लेना पड़ रहा है। चुनाव आयोग की अधिकृत वेबसाइट से कई प्रत्याशी जानकारी नहीं जुटा पा रहे हैं। इस पर कलेक्टर रणवीर शर्मा ने कहा कि जिन प्रत्याशियों को दिक्कत हो रही है, वे उन्हें गाइडलाइन की सॉफ्टकॉपी उपलब्ध करा देंगे।

27 हजार की रिश्वत लेते एई गिरफ्तार

अंबिकापुर. एंटी करप्शन ब्यूरो की टीम ने विद्युत विभाग में पदस्थ असिस्टेंट इंजीनियर (एई) को 27 हजार रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। एई लखनपुर डिवीजन में पदस्थ है। फ्लाई ऐश ईंट प्लांट में ट्रांसफार्मर लगाने एवज में एई ने 40 हजार रुपए रिश्वत की मांग की थी। जबकि सहमति 27 हजार रुपए पर बनी थी। इसके बाद प्लान बनाकर एसीबी की टीम ने बुधवार की दोपहर शहर के नमनाकला स्थित पावर हाउस कार्यालय में रिश्वत लेते एई को रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। जानकारी के अनुसार ग्राम केवरी निवासी चंदन सिंह को गांव में फ्लाई ऐश ब्रिक्स का प्लांट लगाना है। प्लांट में ट्रांसफार्मर लगवाने के लिए उसने लखनपुर विद्युत कार्यालय में आवेदन किया था।

बड़ी कार्रवाई : छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र और आंध्र में चल रही जांच

राइस मिलर्स और ब्रोकर्स के 25 ठिकानों पर आईटी के छापे

रायपुर, दुर्ग, राजनांदगांव, तिल्दा-नेवरा, धमतरी, गोंदिया और काकीनाडा में तलाशी में 1.50 करोड़ कैश जब्त

बैंकों में 4 लॉकर, ज्वेलरी, करोड़ों के लेनदेन, प्रॉपर्टी के दस्तावेज बरामद

पत्रिका ब्यूरो
patrika.com

रायपुर. आयकर विभाग ने राइस मिलरों और अनाज ब्रोकर्स के रायपुर, दुर्ग, राजनांदगांव, तिल्दा-नेवरा, धमतरी, महाराष्ट्र के गोंदिया और आंध्रप्रदेश स्थित काकीनाडा में 25 ठिकानों में बुधवार को एक साथ छापे मारे। इसमें रायपुर के राजीव नगर, अनुपम नगर स्थित घर, गुढ़ियारी एवं राठौर चौक में गोदाम, सड्डू मे राइस मिल, जवाहर बाजार में दफ्तर, रिंग रोड में कार का एक शोरूम सहित ब्रोकरों के ठिकाने शामिल है। वहीं महाराष्ट्र के गोदिया में ब्रोकर का दफ्तर और आंध्रप्रदेश के काकीनाड़ा में पोर्ट, दफ्तर और गोदाम शामिल हैं। उक्त सभी ठिकानो में तलाशी के दौरान 1.50 करोड़ रुपए कैश, बैंकों में 4 लॉकर, ज्वेलरी, करोड़ों के लेनदेन, प्रापर्टी और निवेश के दस्तावेज बरामद हुए हैं। इसकी जांच की जा रही है। साथ ही राइस मिलरों और ब्रोकरों से पूछताछ कर बयान लिया जा रहा है। छापेमारी में छत्तीसगढ़ आईटी की 150 सदस्यीय टीम और 150 सीआरपीएफ के जवानों को तैनात किया गया है।

एक्सपोर्ट का काम

आयकर विभाग द्वारा दो प्रमुख राइस मिल संचालकों और उनसे जुड़े ब्रोकरों विदेशों में चावल एक्सपोर्ट करने का काम करते है। उक्त दोनों फर्म वेस्टर्न आफ्रिका के विभिन्न देशों में चावल की आपूर्ति करते है। इसे देखते हुए काकीनाडा स्थित राइस मिलरों के गोदाम, दफ्तर और पोर्ट में दबिश दी गई है। प्राथमिक जांच में बोगस बिलिंग, कैश में लेनदेन करने, कच्चे में कारोबार, प्रापर्टी में निवेश और बेहिसाब खर्च करने के दस्तावेज मिले है। इन सभी के संबंध में पूछताछ कर बयान लिया जा रहा है।

रायपुर के राजीवनगर में एक राइस मिलर्स के घर के बाहर छापे के दौरान आईटी अफसरों के खड़े वाहन।

टैक्स चोरी के दस्तावेज मिले

तलाशी के दौरान राइस मिलरों और ब्रोकरों के ठिकानों से टैक्स चोरी के दस्तावेज मिले है। चांवल कारोबार से जुड़े सभी संचालकों के ठिकानों से कम्प्यूटर, लैपटॉप, इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस में फर्जीवाड़े का हिसाब मिला है। वहीं चावल एक्सपोर्ट करने और लेनदेन के रजिस्टर में बोगस बिलिंग मिली है। बता दें कि रायपुर और राजिम के दोनों बड़े चावल कारोबारी से दर्जन भर ब्रोकर (कमीशन एजेंट) भी जुड़े हुए है।उनके ठिकानों को जांच के दायरे में लिया गया है। उक्त सभी विदेशों में थोक के हिसाब से चावल का एक्सपोर्ट करने का काम करते है।

डॉलर में हिसाब

छत्तीसगढ़ के दोनों चावल कारोबारियों का प्रमुख काम स्थानीय स्तर पर चावल खरीदी करने के बाद विदेश एक्सपोर्ट करने का है। वह खुद की राइस मिलों के साथ ही दूसरे मिलरों से अच्छी क्वालिटी का चावल और धान खरीदने के बाद उसे काकीनाड़ा पोर्ट से विदेश भेजकर डॉलर में भुगतान लेते थे। विदेशों से भुगतान की रकम का हिसाब आईटी की टीम कर रही है।

एक्शन : सीजीएमएससी में 660 करोड़ के घोटाले का मामला

मोक्षित कॉर्पोरेशन का संचालक शशांक गिरफ्तार

ईओडब्ल्यू ने पूछताछ के लिए 7 दिन की रिमांड पर लिया

पत्रिका ब्यूरो
patrika.com

शशांक चोपड़ा

रायपुर. सीजीएमएससी में हुए 660 करोड़ के रीएजेंट और उपकरण घोटाले में दुर्ग के मोक्षित कॉर्पोरेशन के संचालक शशांक चोपड़ा को ईओडब्ल्यू ने गिरफ्तार किया है। बुधवार को उसे विशेष न्यायाधीश निधि शर्मा तिवारी की अदालत में पेश कर पूछताछ के लिए 7 दिन की रिमांड पर लिया है। इसकी अवधि पूरी होने पर 4 फरवरी को कोर्ट में पेश किया जाएगा। विशेष लोक अभियोजक एवं उपसंचालक अभियोजन मिथिलेश वर्मा की ओर से ने आरोपी शशांक को 14 दिन की रिमांड पर देने का आवेदन पेश किया था। साथ ही अदालत को बताया कि शशांक चोपड़ा, मोक्षित कॉर्पोरेशन रिकाइर्स, मेडिकेयर सिस्टम एवं श्री शारदा इंडस्ट्रीज के नाम से तीन कंपनियों का संचालन करता है। उक्त एजेंसी सीजीएमएससी को दवा एवं उपकरण की सप्लाई करती है।

सरकार को करोड़ों रुपए का नुकसान : अधिकारियों के साथ मिलीभगत कर बाजार मूल्य से अधिक पर इसकी आपूर्ति की गई। इसके संबंध में पूछताछ कर डिजिटल एविडेंस की बरामदगी की जानी है। साथ ही घोटाले में शामिल सिंडिकेट का साजिश को उजागर करना है। अधिकारियों के साथ मिलकर रची गई साजिश के चलते राज्य सरकार को करोड़ों रुपए का नुकसान हुआ है। इस खेल में शशांक की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। लोक अभियोजक के अनुसार शशांक चोपड़ा से सीजीएमएससी, डीएचएस के अधिकारियों एवं उनकी सहयोगी फर्म्स के संबंध में लंबी पूछताछ की गई।

साक्ष्यों की बरामदगी : तलाशी के दौरान शशांक और इस फर्म से जुडी अन्य लोगों के ठिकानों से मिले साक्ष्य और घोटाले से संबंधित दस्तावेजों की बरामदगी की जानी है। बताया जाता है कि इसे खेल से जुड़े आधा दर्जन अन्य लोगों से पूछताछ कर बयान लिया जा रहा है। इस दौरान घोटाले में संलिप्ता के इनपुट मिलने पर अन्य लोगों को गिरफ्तार किया जाएगा। बता दें कि ईओडब्ल्यू ने सीजीएमएससी में हुए घोटाले की जांच करने रायपुर, दुर्ग और हरियाणा के पंचकुला स्थित 16 ठिकानों पर छापा मारा गया है।

ईओडब्ल्यू और एसीबी की टीम द्वारा सीजीएमएससी दफ्तर में दबिश देकर तलाशी ली गई।

38वें राष्ट्रीय खेल

छत्तीसगढ़ की मिशा सिंधु ने जीता स्वर्ण पदक

पत्रिका ब्यूरो @ रायपुर. 38वें राष्ट्रीय खेलों में छत्तीसगढ़ ने पहले स्वर्ण पदक से शुरुआत की है। बुधवार को कलरीपायतु खेल में छत्तीसगढ़ की मिशा सिंधु ने स्वर्णिम सफलता हासिल की है। कोरबा की मिशा सिंधु ने महिला फाइट इवेंट (40-60किग्रा) में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीतकर छत्तीसगढ़ का खाता खोला है। प्रशिक्षक कमलेश देवांगन ने बताया कि हरिद्वार में आयोजित प्रतियोगिता में मिशा ने जम्मू कश्मीर, राजस्थान, उत्तरप्रदेश और हरियाणा के खिलाड़ियों को हराकर स्वर्ण पदक जीता है। बता दें कि मिशा गत वर्ष गोवा में आयोजित किए गए 37वें राष्ट्रीय खेलों में भी स्वर्ण पदक जीता था।

बलरामपुर-रामानुजगंज : दोनों आरोपी भी नाबालिग

छठवीं की छात्रा से गैंगरेप, तबीयत बिगड़ी तो जांच में निकली गर्भवती

पत्रिका ब्यूरो @ अंबिकापुर/कुसमी. बलरामपुर-रामानुजगंज जिले के निजी स्कूल के हॉस्टल में 6वीं की छात्रा से गैंगरेप का मामला सामने आया है। छात्रा की जब तबीयत बिगड़ी तो स्कूल प्रबंधन द्वारा उसकी जांच कराई गई। इसमें छात्रा गर्भवती निकली। छात्रा निजी स्कूल में पढ़ती है तथा वहीं के हॉस्टल में रहती है। पुलिस ने महिला अधिकारियों से छात्रा की काउंसिलिंग कराई तो उसने हॉस्टल में रहने वाले एक छात्र और बाहर स्कूल में पढने वाले एक अन्य छात्र द्वारा कुछ माह पहले गैंगरेप तथा कई बार रेप करने की बात बताई। सूचना पर पुलिस ने दोनों नाबालिग छात्रों के खिलाफ अपराध दर्ज कर लिया है। दोनों नाबालिग हैं। दरअसल यहां, एक निजी स्कूल के साथ ही हॉस्टल भी संचालित है। एक कमरे में छात्राएं रहती हैं तथा दूसरे कमरे में छात्र रहते हैं। जिले की उक्त 11 वर्षीय छात्रा हॉस्टल में रहकर 6वीं कक्षा में पढ़ाई करती है।

बार-बार हो रही थी तबीयत खराब : बताया जा रहा है कि दिवाली के समय तबीयत खराब होने पर वह घर गई थी। इस दौरान परिजनों द्वारा उसका जड़ी-बूटी से इलाज कराया गया था। आराम होने पर फिर हॉस्टल भेज दिया था।

लेकिन हॉस्टल में रहने के दौरान छात्रा की हालत फिर खराब हुई तो डॉक्टरों से उसकी जांच कराई गई। इस दौरान डॉक्टरों ने उसके गर्भवती होने की जानकारी दी। यह सुनकर जहां परिजनों के होश उड़ गए।

सुनवाई — खराब सड़कें और ट्रेनों की स्थिति को लेकर डीआरएम ने शपथपत्र में दिया जवाब

कोर्ट ने पूछा- ट्रेनें रद्द क्यों हो रहीं? रेलवे का जवाब : ट्रैक अपग्रेडेशन के कारण, 1 साल में काम होगा पूरा

कोर्ट ने पूछा- प्लेटफार्म नंबर 1 पर मालगाड़ियां क्यों खड़ी होती हैं, इससे बुजुर्ग यात्रियों को परेशानी होती है

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

बिलासपुर. यात्री सुविधाओं और रेलवे परिक्षेत्र में खराब सड़कों के मुद्दे पर बुधवार को हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। चीफ जस्टिस रमेश कुमार सिन्हा, जस्टिस रविन्द्र कुमार अग्रवाल की बेंच ने सुनवाई के दौरान रेलवे से पूछा इतनी ट्रेन रद्द क्यों करते हैं आप लोग?

रेलवे की ओर से पक्ष रखते हुए अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल रमाकांत मिश्रा ने बताया कि ट्रैक के अपग्रेडेशन का कार्य चल रहा है। एक साल में अपग्रेडेशन का काम पूरा हो जाएगा। फिर ट्रेन रद्द होने की समस्या कम हो जाएगी। मामले की सुनवाई के दौरान कोर्ट ने प्लेटफार्म नंबर 1 में मालगाड़ियों के खड़े रहने और यात्री ट्रेनों को अन्य प्लेफॉर्म में खड़े करने पर बुजुर्ग महिलाओं और बच्चों की परेशानी के बारे पूछा। अधिवक्ता ने कहा कि जब यात्री ट्रेन आने का समय नहीं होता, तभी प्लेटफार्म 1 पर मालगाड़ियां आती हैं। बाकी समय ऐसा नहीं किया जाता। कोर्ट के पूर्व आदेश के परिपालन में बिलासपुर डीआरएम ने भी शपथपत्र में जवाब प्रस्तुत कर ट्रेनों के संबंध में जानकारी दी।

2 खराब सड़कें बन जाएंगी जून तक : रेलवे

कोर्ट ने एक अन्य रिपोर्ट के आधार पर बिलासपुर रेलवे स्टेशन से सटी सड़क की खराब हालत पर भी जवाब मांगा। रेलवे स्टेशन के पास गजरा चौक से शारदा मंदिर तक की सड़क में बड़े-बड़े गड्ढे हो गए हैं। इस पर भी मंडल रेल प्रबंधक ने शपथपत्र दिया। साथ ही अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल रमाकांत मिश्रा ने कोर्ट को बताया कि शारदा मंदिर से गजरा चौक को लेकर टेंडर पहले ही कर दिया गया है। 31 मई 2025 तक सड़क का काम पूरा हो जाएगा। इसके अलावा एक अन्य सड़क जो गजरा चौक से तारबाहर तक जाती हैं। उसका भी टेंडर हो गया है जो जून 2025 तक पूरी कर ली जाएगी। सुनने के बाद कोर्ट ने काम समय पर पूरे करने रेलवे को निर्देशित करते हुए याचिका निराकृत कर दी।

महिला को सूर्यास्त के बाद भी थाने में रखा, दो टीआई पर होगी एफआईआर

भिलाई @ पत्रिका. डॉ. खूबचंद बघेल महाविद्यालय के प्रोफेसर विनोद शर्मा पर प्राणघातक हमला के मामले में गिरफ्तार मुख्य आरोपी प्रोबीर शर्मा की पत्नी डॉ. पूर्णिमा शर्मा को थाना में बैठाकर लगातार 15 घंटे तक पूछताछ करने सूर्यास्त के बाद भी महिला थाना में बैठाकर रखना आरोप हैं। इस मामले में भिलाई तीन न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी अमिता जायसवाल ने भिलाई तीन टीआई महेश ध्रुव और सेक्टर-6 महिला थाना टीआई श्रद्धा पाठक के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने आदेश दिया।

पूर्व डिप्टी सीएम कंवर के पुत्र, बहू और पोती की हत्या के पांच दोषियों को उम्रकैद

कोरबा @ पत्रिका. अविभाजित मध्यप्रदेश के पूर्व उपमुख्यमंत्री रहे स्व. प्यारेलाल कंवर के पुत्र हरीश कंवर, बहू सुमित्रा कंवर और 4 साल की पोती याशिका कंवर की हत्या के मामले में कोरबा की एक कोर्ट ने पांच दोषियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाया है। हत्याकांड के सभी आरोपी जेल में बंद थे और बुधवार की देर शाम न्यायालय ने अपना फैसला सुनाया।

अतिरिक्त शासकीय अभिभाषक अधिकारी कृष्ण कुमार द्विवेदी ने बताया कि उरगा थाना क्षेत्र के ग्राम भैंसमा में 21 अप्रैल 2021 की सुबह लगभग सवा चार बजे एक घटना हुई थी। हत्यारों ने अविभाजित मध्यप्रदेश के पूर्व उपमुख्यमंत्री रहे प्यारेलाल कंवर के पुत्र हरीश कंवर, हरीश की पत्नी सुमित्रा और बेटी याशिका की हत्या की थी। हत्या में इस्तेमाल किए गए लोहे के दो कत्ता को भैंसमा के पास एक डेम में फेंक दिया था। हत्यारों ने तीनों के चेहरे, सिर, गर्दन, मुंह, नाक, कान, पैर पर कई बार हमला किया था। हरीश कंवर के गर्दन के टुकड़े-टुकड़े हो गए थे। उनकी मृत्यु हो गई थी। घटना के बाद आरोपी फरार हो गए थे। उन्होंने सबूत नष्ट करने की कोशिश किया था।

मां ने दी बड़े बेटे के खिलाफ गवाही, हत्यारे को पहचाना

दोषियों को सजा दिलाने में हरीश कंवर की मां जानकी बाई पति स्व. प्यारे लाल कंवर की गवाही बेहद महत्वपूर्ण रही। घटना के समय जानकी बाई घर में मौजूद थी और हत्यारों ने जानकी की हत्या नहीं की थी। गला दबाकर ही उन्हें डराने-धमकाने का प्रयास किया और छोड़ दिया था। जब हत्यारे हरीश, उसकी पत्नी और बेटी पर वार कर रहे थे तब जानकी बाई घर में मौजूद थी और उसने अपने बड़े बेटे हरभजन के साले परमेश्वर कंवर को पहचान लिया था।

परीक्षा पे चर्चा... पीएम से चर्चा और सलाह के बाद केवल विद्यार्थियों ने ही नहीं, बोर्ड ने भी सुधारा अपना सिस्टम

परीक्षा का मतलब सिर्फ पढ़ाई करना नहीं, टाइम मैनेजमेंट का भी अहम स्थान

पत्रिका परीक्षा पे चर्चा

भोपाल. परीक्षा का समय आते ही पढ़ाई... पढ़ाई... और पढ़ाई। विद्यार्थियों के लिए यह परीक्षाकाल किसी तनाव से कम नहीं होता। परीक्षा का मतलब सिर्फ पढ़ाई नहीं, बल्कि सही टाइम मैनेजमेंट है। यह बात जानते तो सभी हैं, लेकिन इसे अमल कराने की दिशा में परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम ने देश और प्रदेश में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यह एक ऐसी पहल है, जिसने पढ़ाई के आदर्श माहौल को बनाने के लिए छात्र-अभिभावक और संस्थानों को एकजुट किया। माध्यमिक शिक्षा मंडल ने सात माह पहले तो सीबीएसई ने भी देशभर के लिए चार माह पहले परीक्षा तारीखें घोषित कर दीं। ये ऐसे बदलाव हैं जो विद्यार्थियों को परीक्षा की तैयारी के लिए पर्याप्त समय और टाइम मैनेजमेंट के लिए प्रेरित करते हैं। यानी परीक्षा को लेकर सिर्फ विद्यार्थियों ने ही नहीं, बल्कि बोर्ड ने भी सिस्टम सुधारा है।

सेहत भी देखना जरूरी

पिछले साल परीक्षा पे चर्चा में भोपाल के सुभाष एक्सीलेंस स्कूल से तीन विद्यार्थियों और एक शिक्षक ने हिस्सा लिया। इनमें से एक वंशिका माहेश्वरी ने बताया, परीक्षा के दौरान पढ़ाई की टेंशन में वे सेहत का ध्यान नहीं रखती थीं। कार्यक्रम के बाद जाना, टाइम मैनेजमेंट से पढ़ाई को सरल किया जा सकता है। अब वे एन्जायमेंट के साथ तैयारी करती हैं। सेहत के साथ खेलकूद, सांस्कृतिक गतिविधियों में भी एक्टिव हैं।

वंशिका माहेश्वरी

मोटिवेट करना शुरू किया

एक्सीलेंस स्कूल की शिक्षिका योगिता नायक बीते वर्ष परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम में शामिल हुईं। योगिता बताती हैं, पहले तक सिर्फ कोर्स पूरा कराने व रिवीजन पर जोर रहता था। अब वे पढ़ाने के तरीके को अपडेट कर स्टूडेंट्स पर दबाव देने के बजाय उन्हें मोटिवेट करती हैं। स्कूल के अन्य साथी भी मोटिवेशन के जरिए बच्चों को पढ़ाई से जोड़ रहे हैं। इसे विद्यार्थी तनावमुक्त होकर तैयारी कर रहे हैं।

योगिता नायक

खुद पर हावी न होने दे तनाव

पिछले साल परीक्षा पे चर्चा में भोपाल के छात्र तीर्थ सोनी भी गए थे। वहां उन्होंने काफी नई चीजें सीखीं। एक्सीलेंस स्कूल के छात्र तीर्थ ने बताया, वहां बताया गया कि परीक्षा की तैयारी के समय खुद पर तनाव को हावी न होने दें। अब तक विद्यार्थियों के सामने सबसे बड़ी परेशानी यही होती है। परीक्षा के बादऔर भी कुछ है। यह भी कार्यक्रम के दौरान सीखने का अवसर मिला।

तीर्थ सोनी

तनावमुक्त परीक्षा की दिशा में ये बदलाव

- **बदलाव:** 7 माह पहले परीक्षा घोषित
  असर: विद्यार्थियों में परीक्षा को लेकर पहले से ही माहौल बनाना, ताकि वे टाइम मैनेजमेंट को लेकर सजग होकर तैयारी में जुटें।
- **बदलाव:** बेस्ट ऑफ फाइव
  असर: 10वीं में फेल होने के डर से मुक्त बनाने ये बदलाव हुआ। इसमें छह में से एक विषय में फेल बच्चे को भी पास की मार्कशीट दी जाती है।
- **बदलाव:** बेसिक और स्टैंडर्ड गणित
  असर: सीबीएसई के समान बोर्ड ने भी गणित विषय में कमजोर बच्चों को कठिन और सामान्य गणित का विकल्प देने का प्रयास किया।
- **बदलाव:** आ अब लौट चलें योजना
  असर: विद्यार्थियों को पढ़ाई से जोड़ने यह योजना राज्य ओपन बोर्ड ने चलाई। इसमें बोर्ड परीक्षा में फेल स्टूडेंट को दोबारा अवसर दिया।

न्यूज विंडो

सोन नदी में डूबीं दो महिलाएं, 1 की मौत

सीधी. मौनी अमावस्या पर बुधवार को सोन नदी के कोलदहा घाट पर स्नान करने गई दो महिलाएं पानी में डूब गईं। घटना में एक महिला की मौत हो गई, जबकि दूसरी महिला को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसा सुबह 10 बजे हुआ। जमोड़ी थाना के पनवार सोनवर्षा निवासी शिवानी रजक (25) और ननद रिया रजक अपने परिवार के साथ कोलदहा घाट पर नहाने गई थीं।

घात लगाकर छात्रा को मारा चाकू, मौत

रीवा. चोरहटा थाने के डाढ़ी गांव में एक छात्रा पर अज्ञात ने चाकू से हमला कर मौत के घाट उतार दिया। तानंद मिश्रा बुधवार सुबह करीब 6 बजे उठकर घर से शौच के लिए निकली थी। रास्ते में घात लगाकर छिपे आरोपी ने चाकू से छात्रा के गले के पास ताबड़तोड़ कई वार किए और फरार हो गया। थोड़ी देर बाद मां पहुंची तो उसे खून से लथपथ देखा। परिजन अस्पताल ले गए, जहां मृत घोषित कर दिया गया।

बाघिन की मौत, सिर में चोट के निशान

मंडला. कान्हा टाइगर रिजर्व में वन परिक्षेत्र मुक्की के अंतर्गत वन भूमि कक्ष क्रमांक 189 बीट परसाटोला में मंगलवार की शाम एक 2 साल की बाघिन का शव मिला। वन विभाग की टीम ने डॉग स्क्वायड की मदद से जांच की गई। मौत के कारणों की जांच की जा रही हैं। क्षेत्र संचालक रविंद्र मणि त्रिपाठी ने बताया, प्राथमिक जांच में बाघिन की मौत दूसरे बाघ से संघर्ष में होने की आशंका है।

शुल्क बढ़ाया, बंद रहेंगे निजी स्कूल

जबलपुर. मान्यता शुल्क में वृद्धि व एफडीआर मांगे जाने के विरोध में गुरुवार को माशिमं से संबद्ध जिले के निजी स्कूल बंद रहेंगे। प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन के अध्यक्ष डीसी देवानी, आरएल मिश्रा, दिनेश तिवारी, मनीष कश्यप ने बताया, मान्यता के रूप में 40 हजार रुपए सावधि जमा कराने, चार हजार रुपए वार्षिक मान्यता शुल्क देने, 12 वर्ष पुरानी स्कूल बसों को बंद करने के विरोध में यह निर्णय लिया।

शराब पीने पैसे नहीं दिए, मां-बेटे को पीटा

जबलपुर. शराब के लिए रुपए नहीं देने पर रांझी के मुंडी टोरिया निवासी पिता-पुत्र ने एक महिला व बेटे से डंडे से मारपीट की। पुलिस ने आरोपियों पर प्रकरण दर्ज किया है। पुलिस ने बताया, शिवा वर्मा (19) व मां केशव बाई वर्मा से राकेश चौधरी और बेटे अभय चौधरी ने मारपीट की।

प्रयागराज में हादसे के बाद सुरक्षा के चलते प्रशासन उठाया कदम

महाकुंभ में भगदड़ के बाद प्रयागराज में नो-एंट्री, चाकघाट पर 30 किमी लंबी लाइन

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

रीवा. मौनी अमावस्या पर महाकुंभ में शाही स्नान करने के लिए पहुंची करोड़ों की भीड़ में मची भगदड़ के बाद प्रयागराज में श्रद्धालुओं का प्रवेश रोक दिया गया है। रीवा और सतना के करीब 10 से ज्यादा प्वॉइंट पर हजारों वाहनों को खड़ा कराकर श्रद्धालुओं से जो जहां हैं वहीं रुकने की अपील की जा रही। रीवा के चाकघाट बार्डर में करीब 30 किमी लंबा जाम है तो सतना के चित्रकूट बार्डर पर कई जगह वाहन खड़े कराए गए हैं। अधिकारियों ने भी मोर्चा संभाल लिया है। यात्रियों के लिए खाने-पीने और ठहरने की व्यवस्था कराई जा रही। सुरक्षा व्यवस्था के चलते रेलवे ने भी प्रयास शुरू कर दिए हैं। मंगलवार को आनंद विहार से रीवा आने वाली ट्रेन को रद्द कर दिया गया था, जबकि बुधवार को रीवा से जाने वाली आनंद विहार ट्रेन भी रद्द कर दी गई। इधर छतरपुर में महाकुंभ जाने वाली ट्रेनों पर पथराव के चलते आंबेडकर नगर-प्रयागराज को अस्थायी रूप से रद्द कर दिया गया है।

बॉर्डर पर सुबह 5 बजे वाहनों को रोका

छतरपुर की महिला की मौत, बेटी घायल

भगदड़ में छतरपुर की श्रद्धालु हुकुम बाई लोधी (45) की मौत हो गई। 19 वर्षीय बेटी दीपा घायल है। दोनों 15 ग्रामीणों के साथ कुंभ में स्नान करने गई थी। उनके साथ गए लोगों का पता नहीं चला है। प्रशासन उनकी तलाश कर रहा है। साथ ही भितरवार के हरि साहू और पत्नी शकुंतला भी लापता हैं।

तेलंगाना से पहुंचे, अब हालत खराब हो रही

तेलंगाना से सफर कर पहुंचे नागेश कुमार ने बताया, अब हालत खराब हो रही है। आगे कुंभ स्नान करने पहुंच पाएंगे या नहीं, उज्जैन के माखन सिंह ने कहा, मनगवां से 60 किमी पैदल चलकर हम चाकघाट आए, यहां आगे नहीं जाने दिया जा रहा।

10 प्वॉइंट, जहां रोके वाहन: चाकघाट, सोहागी, गढ़, गंगेव, मनगवां, रायपुर कर्चुलियान, चोरहटा, रीवा-सतना बॉर्डर पर बेला, चित्रकूट, मैहर।

सीएम की अपील... सभी संयम बनाए रखें

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सभी श्रद्धालुओं से अपील है कि वे प्रशासन के निर्देशों का पालन करें और संयम बनाए रखें। प्रयागराज में अत्यधिक भीड़ होने के कारण रीवा जिले के चाकघाट थाना अंतर्गत सीमा पर हजारों श्रद्धालुओं के वाहन रुके हुए हैं। पुलिस एवं प्रशासन के अधिकारी मौके पर मौजूद हैं। श्रद्धालुओं के लिए खाने-पीने से लेकर ठहरने तक की व्यवस्था की जा रही है। डॉक्टरों की टीम भी उपलब्ध है।

चाकघाट बॉर्डर पर फंसे एक लाख से अधिक श्रद्धालु, रैन बसेरा पड़ गया कम

कुंभ स्नान करने जा रहे श्रद्धालुओं को चाकघाट बॉर्डर पर रोक दिया गया था। यहां करीब एक लाख के लगभग श्रद्धालु फंस गए थे। प्रशासन ने कुंभ यात्रियों के लिए रैन बसेरा बनाया था, जो कम पड़ गया। श्रद्धालुओं की संख्या देख समीप ही स्थित विवाह घर को खुलवाया गया था, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों को ठहराया गया है। इसके साथ ही अलग-अलग स्थानों पर उनके रुकने की व्यवस्था कराई गई है।

स्वर्ण रेखा नदी सौंदर्यीकरण पर कोर्ट की नाराजगी

पहले होमवर्क नहीं किया जाता, यहां कागज पलटते हैं, इसे एक दूसरे पर न टालें

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

ग्वालियर@पत्रिका. हाईकोर्ट की युगल पीठ ने स्वर्ण रेखा नदी सौंदर्यीकरण को लेकर कहा कि यहां आकर कागजों को पलटते हैं। पहले होमवर्क नहीं किया जाता। इसलिए विभाग एक दूसरे पर न टालें। यह शहर विकास का मामला है। इसलिए सभी का एक जवाब होना चाहिए कि अब तक यह काम हो चुका है।

हाईकोर्ट में सुनवाई के पहले सभी अधिवक्ता अधिकारियों के साथ बैठें और कोर्ट के आदेश के बाद भी चर्चा के लिए बैठना चाहिए। नगर निगम आयुक्त के उपस्थित नहीं होने पर कोर्ट ने नाराजगी भी जताई। 18 फरवरी को होने वाली सुनवाई में आयुक्त को उपस्थित होना होगा। स्वर्ण रेखा नदी के सौंदर्यीकरण को लेकर विश्वजीत रतौनिया ने 2019 में जनहित याचिका दायर की है। नगर निगम की ओर से बताया गया कि स्वर्ण रेखा नदी के दोनों किनारों पर सीवर लाइन डालने के लिए फंड स्वीकृति का प्रस्ताव शासन को भेज दिया है।

सीवर लाइन डालने, लाइनों को मिलाने का प्रस्ताव शामिल है। कोर्ट ने अतिरिक्त महाधिवक्ता से पूछा कि डीपीआर की स्वीकृति के संबंध में जानकारी लेकर पेश की जाए। अगली सुनवाई पर होमवर्क करके आएं।

नदी की सीसीटीवी से निगरानी करें

हाईकोर्ट ने स्वर्ण रेखा नदी की फेसिंग के संबंध में भी सवाल किए। नगर निगम के अधिवक्ता दीपक खोत ने बताया, लोहे की जालियां लगाना शुरू कर दी है। यह जालियां ऐसी जगहों पर लगाई जा रही हैं, जहां लोग स्वर्ण रेखा नदी में कचरा फेंकते हैं। कोर्ट ने कहा कि यदि कोई छत से भी कचरा फेंक सकता है। ऐसे में निगरानी की व्यवस्था क्या है। इसलिए सीसीटीवी लगाए जाएं। जो कचरा फेंके, उनके खिलाफ जुर्माने की कार्रवाई की जाए।

इस दिशा में होना है काम

- स्वर्ण रेखा में बिछाई जानी है ट्रंक लाइन
- ट्रंक लाइन बिछने के बाद साफ पानी बहाया जाना है।
- नदी में अतिक्रमण है, उसे हटाया जाएगा।
- कोई कचरा न फेंके, उसके लिए लोहे की जालियां लगानी है।

इंदौर : गुजरात-राजस्थान की तर्ज पर होगा प्रयोग

भूमिगत जल का लेवल बढ़ाएंगे गुजरात के 'खंभाती कुएं'

इंदौर@पत्रिका. शहर में जलस्तर सुधारने के लिए नगर निगम पारंपरिक उपायों के साथ नया कदम उठाने जा रहा है। रीचार्ज सॉफ्ट, रेन वाटर हार्वेस्टिंग सहित अन्य उपायों के अलावा पहली बार खंभाती कुओं का निर्माण किया जाएगा। इससे भूजल स्तर सुधरेगा और पानी का टीडीएस कम होगा। ट्रायल के तौर पर पहले करीब आधा दर्जन कुएं बनाए जा सकते हैं। इसके बाद परिणाम अच्छे रहे तो हर जोन या वार्ड में सर्वे कर एक-एक कुआं बनाने पर विचार किया जाएगा। अब तक गुजरात और राजस्थान में इस पद्धति पर कुएं बनाए गए हैं।

हाल ही में जलकार्य एवं सीवरेज प्रभारी अभिषेक शर्मा ने निगम अफसरों के साथ बैठक कर गर्मी से पहले भूजल स्तर सुधार के लिए काम करने के निर्देश दिए हैं। शर्मा ने अफसरों से कहा, कुछ राज्यों में पानी बचाने के लिए खंभाती तकनीक के कुएं बनाए जाते हैं। उनके बेहतर रिजल्ट भी देखने को मिले हैं। इस तकनीक से शहर में भी कुएं तैयार किए जाएं। तय हुआ कि पहले चरण में दो, चार या छह कुएं बनाएंगे। संभवतः प्रदेश में पहला शहर इंदौर होगा, जहां कुआं बनेगा। अफसरों का दल ऐसे शहरों का अध्ययन करेगा, जहां इस पद्ति का अधिक उपयोग होता है। अफसरों का दावा है, अहमदाबाद में सर्वाधिक 100 से अधिक खंभाती कुएं बनाए गए हैं, जो राजस्थान के मजदूरों ने बनाए हैं।

कार पेड़ से टकराई, व्यवसायी दंपती की मौत

सिंगरौली@पत्रिका. नागपुर से इलाज कराकर लौट रहे व्यापारी की कार सरई के कटरा जंगल में अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गई। हादसे में दंपती की मौत हो गई। व्यापारी के बेटे और साले को अस्पताल में भर्ती कराया है। सरई बाजार निवासी दशरथ गुप्ता (65) हार्ट और उनकी पत्नी कैलाशवती शुगर की मरीज थे। दोनों बड़े बेटे संतोष गुप्ता और साले के बेटे संदीप के साथ 27 जनवरी को नागपुर गए थे। नागपुर से लौटते समय बुधवार सुबह 5 बजे हादसा हो गया। दुर्घटना में दशरथ गुप्ता की मौके पर मौत हो गई। वहीं पत्नी कैलाशवती गुप्ता (60) की अस्पताल ले जाने के दौरान मौत हो गई।

सरई जंगल में हादसा...

देवास पुलिस ने अवैध हथियारों की फैक्ट्री पकड़ी

तेंदुए की खाल, नाखून और बंदूकों के साथ 5 गिरफ्तार

देवास@पत्रिका. सतवास थाना पुलिस ने वन्य जीव की खालों की तस्करी के साथ ही अवैध हथियारों की फैक्ट्री का बड़ा खुलासा किया है। पुलिस ने 5 शिकारियों के साथ ही फैक्ट्री का संचालन करने वाले दो भाइयों को भी गिरफ्तार किया है। पुलिस ने शिकारियों के कब्जे से तेंदुए की खाल, नाखून, भरमार बंदूकें बरामद की हैं। पुलिस ने घर में संचालित हो रही फैक्ट्री पर दबिश देकर बंदूकों के साथ ही हथियार बनाने की सामग्री भी बरामद की। बुधवार को एएसपी जयवीर सिंह भदौरिया ने बताया, पुलिस ने जंगल में तेंदुए की खाल और नाखून बेचने के इरादे से जा रहे कुछ लोगों को गिरफ्तार किया, जिनके पास से अवैध हथियार बरामद किए गए।

देवास का आरोपी सप्लाई करता है बारुद

सात आरोपियों में एक आरोपी मुर्तजा निवासी देवास फरार है। मुर्तजा बारूद सप्लायर था, ये ही फैक्ट्री के संचालकों को बारूद के साथ अन्य सामग्री उपलब्ध कराता था।

ट्रेंडिंग न्यूज

जबलपुर

बिजली चोरी में 4 उपभोक्तओं को भेजा जेल

जबलपुर. बिजली चोरी करने और समय पर बिल जमा नहीं करने के आरोप में कोर्ट ने चार उपभोक्ताओं को जेल भेज दिया। उनके खिलाफ मप्र पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के सिटी सर्किल ने बिजली चोरी के प्रकरण बनाए थे। एमएम अवधिया, विजय जायसवाल, वरप्रसाद और कांताराव को आरोपी बनाया गया था।

बड़वानी

दस्तावेज नहीं थे, विधायक को 5 हजार जुर्माना

बड़वानी. चलित मोबाइल कोर्ट में न्यायिक मजिस्ट्रेट सीता कन्नौजे के नेतृत्व में न्यायाधीशों, पुलिस पदाधिकारियों ने दोपहिया एवं चार पहिया वाहनों के दस्तावेजों की जांच की गई। इस दौरान बड़वानी विधायक राजन मंडलोई के वाहन के दस्तावेज नहीं होने पर पर पांच हजार रुपए का जुर्माना लगाया गया। कुछ वाहनों पर लगे हूटर भी निकलवाए गए।

इंदौर

दिव्यांगों को नौकरी में नियमों का पालन नहीं

इंदौर.कौशल विकास क्षेत्रीय कार्यालय में दिव्यांगों को नौकरी देने में सरकारी आदेश का पालन नहीं हो रहा है। हाई कोर्ट में यह दलील दी गई। जस्टिस सुबोध अभ्यंकर की कोर्ट ने मामले में जिन लोगों को प्राथमिकता दी गई है, उन्हें भी पार्टी बनाने को कहा है। धामनोद, खंडवा और नर्मदापुर में भृत्य के पद की भर्ती में 92 और 100% दिव्यांग को अयोग्य कर 45 व 50% दिव्यांगों को स्थान दिया गया।

मनोचिकित्सा | इलाज के लिए रोजाना पहुंच रहे हमीदिया अस्पताल, साइकोथेरेपी से करते हैं इलाज

जो खुद को दूसरों से बेहतर माने उसे नार्सिसिस्ट पर्सनैलिटी डिसऑर्डर

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

भोपाल. आत्म-महत्व की अतिरिक्त भावना नार्सिसिज्म कहलाती है। यानी जो खुद को सबसे महान माने। खास बात यह है कि इसे मनोचिकित्सा की भाषा में नार्सिसिस्ट पर्सनैलिटी डिसऑर्डर (एनडीपी) माना गया है। यह डिसऑर्डर केवल इससे ग्रसित व्यक्ति के लिए बल्कि उसके आसपास मौजूद लोगों पर भी बुरा प्रभाव डालता है। इससे ग्रसित ज्यादातर लोग अनजान हैं। हमीदिया अस्पताल की मनो रोग विभाग की ओपीडी में रोजाना तीन से चार मरीज इलाज के लिए पहुंचते हैं। एनडीपी व्यक्ति अपने आप पर और अपनी जरूरतों पर अत्यधिक ध्यान केंद्रित करता है। यह एक मानसिक स्वास्थ्य स्थिति है। इसमें व्यक्ति खुद को या आसपास के लोगों को नुकसान ना पहुंचाए। एनपीडी का नाम ग्रीक पौराणिक कथाओं में वर्णित एक शिकारी नार्सिसस के नाम पर रखा है, जो अपनी सुंदरता से इतना मोहित था कि उसने अपने प्रतिबिंब में ही खो जाने का फैसला किया।

दो मुख्य प्रकार

1. **ग्रैंडियोज नार्सिसिज्म:** इसमें आत्म-सम्मान मजबूत और व्यक्ति खुद को सबसे माहन समझता है।
2. **वल्नरेबल नार्सिसिज्म:** इसमें आत्म-सम्मान कमजोर लेकिन व्यक्ति अधिक आक्रामक होते हैं।

एनपीडी के लक्षण

- अपने आप को सबसे बेहतर मानना।
- दूसरों का शोषण व अपमान करने की आदत होना।
- अपने आप को दूसरों से बेहतर मानना।
- हमेशा दूसरों से प्रशंसा पाने की इच्छा।
- यह मानना कि आपको सब कुछ मिलना चाहिए।
- अपने फायदे के लिए दूसरों का इस्तेमाल करना।
- दूसरों की भावनाओं को समझने में असमर्थता।
- दूसरों की सफलता से ईर्ष्या करना।

एनपीडी से पीड़ित व्यक्ति और उसके आसपास के लोगों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। जब उनका बर्ताव दूसरों के लिए समस्या खड़ी करता है और उनका करियर प्रभावित होता है। ऐसे में वे इस समस्या के साथ हमारे पास आते हैं। जिनकी साइको थेरेपी से मदद की जाती है।

डॉ. रुचि सोनी, एसोसिएट प्रोफेसर, मानसिक रोग विभाग, जीएमसी

प्रदेश का मौसम शुष्क... 12 जगहों में अधिकतम तापमान 30 डिग्री

पश्चिमी विक्षोभ से बदला हवा का रुख, दिन का पारा बढ़ा, फरवरी के पहले सप्ताह में मावठा के आसार

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

भोपाल. कुछ दिनों से दिन में ठंड का असर कम हो गया है। तापमान बढ़ा रहने के बाद मौसम का मिजाज एक बार फिर बदलेगा। इस समय पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हो रहा है, वहीं 1 और 3 फरवरी को भी पश्चिमी विक्षोभ की संभावना जताई जा रही है। ऐसे में 2 फरवरी को पश्चिमी मप्र में मावठा गिरने के भी आसार हैं। अभी हवा का रुख फिर बदल गया है। बुधवार को दिन में दक्षिण पूर्वी हवाओं के कारण अनेक स्थानों पर अधिकतम तापमान में 2 से 4 डिग्री की बढ़ोतरी हुई है। आगे न्यूनतम तापमान में भी बढ़ोतरी की संभावना है।

प्रदेश में ज्यादातर जगह तीखी धूप

@इंदौर

इन दिनों प्रदेश में मौसम शुष्क बना हुआ है। साथ ही अधिकांश दिन में तीखी धूप खिल रही है। बुधवार को प्रदेश में 12 स्थानों पर अधिकतम तापमान 30 के पार रहा। भोपाल में भी 30.3 डिग्री दर्ज किया गया, जो सामान्य से 4.3 डिग्री अधिक रहा, वहीं न्यूनतम तापमान में भी बढ़ोतरी हुई है। अगले तीन चार दिन मौसम का मिजाज इसी तरह रहने की संभावना है।

मौसम विज्ञानी पीके रायकवार ने बताया, एक पश्चिमी विक्षोभ अफगानिस्तान की ओर है, हरियाणा के ऊपर एक ऊपरी हवा का चक्रवात बना है। एक पश्चिमी विक्षोभ 1 फरवरी और 3 फरवरी को भी आने की संभावना है। 2 फरवरी के आसपास उत्तर पश्चिमी मप्र में बादल गरजने और बौछारों की भी आशंका है।

पहले शतक में लगे 46 साल, अगले पांच साल में दूसरे शतक का लक्ष्य

नौवहन उपग्रह एनवीएस-02 के प्रक्षेपण संग इसरो ने लगाया शतक

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

बेंगलूरु. भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने दूसरी पीढ़ी के नौवहन उपग्रह एनवीएस-02 को सफलतापूर्वक पृथ्वी की कक्षा में स्थापित कर श्रीहरिकोटा से मिशन लॉन्च करने का पहला शतक पूरा कर लिया। वर्ष 1979 में पहले प्रक्षेपण के बाद 100 का आंकड़ा छूने में इसरो को 46 साल लग गए। इसरो ने कहा है कि अगले 100 मिशन लॉन्च करने का लक्ष्य केवल 5 साल में पूरा होगा।

मिशन की शानदार सफलता के बाद बुधवार को संवाददाताओं से बात करते हुए इसरो के नव नियुक्त अध्यक्ष वी. नारायणन ने कहा कि इसरो ने अब तक प्रक्षेपणयानों की छह पीढ़ियां विकसित की। इसमें से पहली पीढ़ी का प्रक्षेपणयान सतीश धवन के नेतृत्व में विकसित किया गया जिसके परियोजना निदेशक पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम थे। तब से लेकर अब तक 46 वर्षों में 100 मिशन लॉन्च हुए और इसरो ने 548 उपग्रहों को कक्षा में सफलतापूर्वक स्थापित किया। इनमें से 433 विदेशी उपग्रह भी शामिल हैं।

इसरो ने अभी तक 120 टन पे-लोड अंतरिक्ष में पहुंचाया है जिनमें से 23 टन विदेशी पे-लोड है। कई महत्वपूर्ण मिशन लांच हुए जिनमें तीन चंद्रयान मिशन, मंगल और सूर्य मिशन आदि शामिल हैं।

अब नासा-इसरो के संयुक्त मिशन पर फोकस : उन्होंने कहा कि जीएसएलवी एफ-16 से अब नासा-इसरो के संयुक्त सिंथेटिक अपर्चर राडार उपग्रह (निसार) का प्रक्षेपण होगा। अगले कुछ ही महीनों में यह मिशन लॉन्च किए जाने की उम्मीद है। इस उपग्रह में दो राडार हैं। एक एल बैंड रडार जिसे इसरो ने विकसित किया है और दूसरा एस बैंड राडार जिसे नासा की जेट प्रोपल्शन प्रयोगशाला ने विकसित किया है। संपूर्ण प्रणाली को यूआर राव उपग्रह केंद्र बेंगलूरु में एकीकृत किया गया है। परीक्षण का काम लगभग पूरा हो चुका है और जल्द ही यह उपग्रह श्रीहरिकोटा भेजा जाएगा।

कुलशेखरपट्टिनम में लॉन्च पैड का निर्माण 2 साल में

नाविक श्रृंखला के उपग्रहों पर इसरो अध्यक्ष ने कहा कि अभी चार उपग्रह ऑपरेशनल हैं जबकि पांचवां आज लॉन्च किया गया है। इस श्रृंखला के लिए तीन और उपग्रहों की मंजूरी मिल गई है। अगले पांच से छह महीने में एक और उपग्रह लॉन्च किया जाएगा। कुलशेखरपट्टिनम में विकसित किए जा रहे नए लॉन्च पैड के बारे में उन्होंने बताया कि अभी फैसिलिटी का निर्माण किया जा रहा है। उम्मीद है कि अगले दो साल में लॉन्च पैड का निर्माण कार्य पूरा हो जाएगा। उसके बाद वहां से निरंतर मिशन लॉन्च किए जाएंगे।

एनवीएस-02 का सफल प्रक्षेपण

इससे पहले श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र के दूसरे लॉन्च पैड से जीएसएलवी एफ-15 ने बुधवार सुबह 6:23 बजे उड़ान भरी और 20 मिनट बाद एनवीएस-02 को सफलतापूर्वक भू-स्थैतिक अंतरण कक्षा (जीटीओ) में स्थापित कर दिया। कुछ कक्षीय सुधारों के बाद इसे भू-स्थैतिक कक्षा (36 हजार गुणा 36 हजार) में पहुंचा दिया जाएगा, जहां से यह ऑपरेशनल होगा। यह उपग्रह देश की नौवहन सेवाओं को आगे बढ़ाएगा। दूसरी पीढ़ी के पांच नौवहन उपग्रहों की श्रृंखला का यह दूसरा उपग्रह है जो अगले 12 साल तक देश को सेवाएं प्रदान करेगा। नौवहन प्रणाली (नाविक) के पहली पीढ़ी के उपग्रह परमाणु घड़ियों में आई खराबी के चलते निष्प्रभावी हो गए। इसरो खराब पड़े उपग्रहों की जगह नई पीढ़ी (एनवीएस श्रृंखला) के उपग्रह लॉन्च कर प्रणाली को पूरी तरह परिचालन योग्य बनाएगा।

एनजीएलवी के इंजन का हॉट टेस्ट जल्द

इसरो के नए प्रक्षेपणयान एनजीएलवी के बारे में उन्होंने बताया कि प्रारंभिक डिजाइन का काम पूरा कर लिया गया है। इंजीनियरिंग का कार्य प्रगति पर है। उम्मीद है कि जल्द ही एनजीएलवी के इंजन का हॉट टेस्ट होगा। इंजन के विकास और परीक्षण का काम इस साल पूरा होने की उम्मीद है। यह रॉकेट 20 टन भार को पृथ्वी की निचली कक्षा और 10 टन भार भू-स्थैतिक अंतरण कक्षा (जीटीओ) में पहुंचाने की क्षमता रखेगा। इसकी ऊंचाई एलवीएम-3 से लगभग दोगुनी होगी। वैश्विक बाजार में ऐसे रॉकेट की भारी मांग है। इसरो इसका विकास इस नजरिए से कर रहा है कि तीन चरणों वाले इस रॉकेट के पहले चरण को पुन: प्राप्त किया जा सके ताकि अगले मिशनों में उसका दोबारा उपयोग हो सके। एनजीएलवी को श्रीहरिकोटा में निर्मित होने वाले तीसरे लॉन्च पैड से लॉन्च किया जाएगा। यह लॉन्च पैड 4 हजार करोड़ रुपए की लागत से तैयार होगा।

महाकुंभ में भगदड़ : मृतकों के शव लाने को सरकार ने दो अधिकारी भेजे

बेलगावी की मां-बेटी समेत चार की मौत, दो लोग घायल

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

बेलगावी. उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ में मौनी अमावस्या के अवसर पर बुधवार सुबह गंगा, यमुना और सरस्वती नदियों के संगम पर डुबकी लगाने जाते समय मची भगदड़ में राज्य के चार लोगों की मौत हो गई जबकि दो लोग घायल हो गए। एक मां-बेटी सहित चारों मृतक बेलगावी के हैं। मृतकों के शवों को लाने के लिए राज्य सरकार ने दो वरिष्ठ अधिकारियों को तत्काल प्रयागराज भेजा है। साथ ही हेल्पलाइन भी शुरू की है।

मृतकों की पहचान वडगावी निवासी ज्योति हत्तरवाठ (44) और मेघा हत्तरवाठ (24), शिवाजी नगर की महादेवी हनुमंत बावनूर (48), शेट्टी गली के अरुण कोपार्डे (61) के तौर पर की गई है। घायलों की पहचान बेलगावी के वडगावी निवासी सरोजिनी नडुविनहल्ली, मृतक अरुण की पत्नी कंचन कोपार्डे के तौर पर की गई है।

सभी लोग एक ट्रैवल एजेंसी से तीन दिन पहले प्रयागराज के लिए रवाना हुए थे। स्नान करते समय यह दुर्घटना घटी। कुंभ मेले में भगदड़ के बाद दोनों को प्रयागराज के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, लेकिन उपचार के दौरान दोनों की मृत्यु हो गई। दोनों का बुधवार सुबह से बेलगावी में अपने परिवारों से संपर्क नहीं हो पाया था। जब ट्रैवल एजेंसी के कर्मचारी उन्हें खोजने के लिए अस्पताल गए तो ज्योति और उनकी बेटी मेघा को मृत पाया। इसके बाद उन्होंने मृतकों के परिवार वालों को फोन करके इसकी जानकारी दी। दोनों घायलों का चिकित्सकों ने इलाज किया। दोनों की स्वास्थ्य स्थिति स्थिर हैं। महाकुंभ में भाग लेने के लिए बेलगावी से 500 से अधिक तीर्थयात्री रवाना हुए हैं।

चारों के शव लाने की कार्रवाई : जिलाधिकारी मुहम्मद रोशन ने कहा कि प्रयागराज के कुंभ मेले में हुई भगदड़ में बेलगावी के लोगों लोगों की मृत्यु की पुष्टि हुई है। उनके शवों को बेलगावी लाने के लिए कार्रवाई की गई है। विशेष जिलाधिकारी हर्ष शेट्टी और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रुति एन.एस. के नेतृत्व में विशेष दल का गठन किया गया है। यह दल प्रयागराज के लिए रवाना हो चुका, वह शवों को लाने की कोशिश करेगा।

सीएम ने व्यक्त किया शोक

इस बीच, मुख्यमंत्री सिद्धरामय्या ने भगदड़ के दौरान हुई जानमाल की हानि पर दुख व्यक्त किया और महाकुंभ में गए सभी कन्नड़ लोगों से सतर्क और सुरक्षित रहने का आग्रह किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार प्रयाग गए राज्य के लोगों के सुरक्षित वापसी के लिए हर संभव प्रयास करेगी। कुंभ मेले में सभी कन्नड़ वासी सतर्क और सुरक्षित रहें। मंत्री लक्ष्मी हेब्बालकर ने महाकुंभ में भगदड़ में बेलगावी जिले के चार लोगों सहित कई लोगों की मौत पर शोक व्यक्त किया है।

माइक्रोफाइनेंस अध्यादेश पर चर्चा मंत्रिमंडल की बैठक में होगी: गृह मंत्री

बेंगलूरु@पत्रिका. राज्य के गृह मंत्री डॉ जी परमेश्वर ने कहा कि माइक्रोफाइनेंस कंपनियों से ऋण लेने वालों के हितों की रक्षा के लिए प्रस्तावित अध्यादेश को गुरुवार को मंत्रिमंडल की बैठक में चर्चा होगी। इसके बाद अध्यादेश को मंजूरी के लिए राज्यपाल के पास भेजा जाएगा। उन्होंने बुधवार को कहा कि राज्य के सभी जिलाधिकारियों तथा जिला पुलिस अधीक्षकों को माइक्रोफाइनेंस कंपनियों की गतिविधियों पर निगरानी रखने के निर्देश दिए गए हैं।

गुजरात हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को आड़े हाथों लिया

अहमदाबाद @ पत्रिका. खराब सड़कें, भटकते मवेशी और पार्किंग की समस्या को लेकर अदालत की अवमानना याचिका पर जारी सुनवाई के दौरान गुजरात हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को आड़े हाथों लिया। इस मामले की 102 सुनवाई और 62 आदेश हो चुके हैं। छह वर्ष से इस मामले की सुनवाई जारी है। कोर्ट आदेश करती है जिसमें सचिव सहित अधिकारियों को बुलाया गया है, लेकिन बावजूद इसके परिस्थिति जस की तस दिखती है। हाईकोर्ट की खंडपीठ ने यह टिप्पणी की कि लोगों को कानून का अमल नहीं करना है और पुलिस को अपनी ड्यूटी नहीं निभानी है तो फिर कोर्ट क्या करे। कोर्ट ने यह सवाल पूछा कि जब कोर्ट के आदेश सही अर्थों में अमल नहीं किए जाते तो जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ आरोप तय क्यों नहीं किए जाएं।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा, राजस्व विभाग की सेवाएं सहज और सुलभ बनाएं

दाखिल-खारिज से जुड़े मामलों के निस्तारण में तेजी लाएं: सिद्धरामय्या

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

बेंगलूरु. मुख्यमंत्री सिद्धरामय्या ने राजस्व विभाग से राज्य के नागरिकों के लिए बेहतर सेवाएं सुनिश्चित करने को कहा है।

बजट तैयारियों के तहत मुख्यमंत्री ने बुधवार को राजस्व विभाग की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने डिजिटलीकरण और सार्वजनिक सेवा वितरण में विभाग की प्रगति की सराहना की। साथ ही सेवाओं को और अधिक सहज और सुलभ बनाने के लिए निरंतर सुधार की आवश्यकता पर बल दिया।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को नागरिकों तक लाभ पहुंचाने के लिए भूमि दाखिल खारिज और रूपांतरण मामलों में तेजी लाने का निर्देश दिया। तकनीकी के प्रयोग से भूमि दाखिल खारिज की गति में काफी सुधार हुआ। अब 65 फीसदी मामले एक दिन के भीतर पूरे हो रहे हैं। इसे प्रोत्साहित करते हुए उन्होंने कहा कि इस प्रक्रिया को और अधिक कुशल बनाने की दिशा में काम करें। भूमि दाखिल खारिज एक महीने के भीतर पूरा किया जाना चाहिए। मास्टर प्लान के तहत आने वाले क्षेत्रों में दाखिल खारिज की आवश्यकता नहीं है। मुख्यमंत्री ने नए बनाए गए तालुकों में प्रशासनिक भवन निर्माण की धीमी गति पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने जोर देकर कहा, 64 नए तालुकों में से केवल 14 में ही प्रशासनिक भवन हैं। स्थानीय स्तर पर बेहतर शासन प्रदान करने के लिए शेष परियोजनाओं में तेजी लाई जानी चाहिए।

झील संरक्षण और विकास प्राधिकरण की बैठक की अध्यक्षता करते मुख्यमंत्री सिद्धरामय्या। साथ में वरिष्ठ मंत्री और अधिकारी।

मास्टर प्लान को अपडेट करें

मुख्यमंत्री ने नियोजित शहरी विकास को सुविधाजनक बनाने के लिए मास्टर प्लान को समय पर अपडेट करने को कहा। राजस्व न्यायालय के मामलों में, विशेष रूप से तहसीलदार और उप-विभागीय मजिस्ट्रेट (एसडीएम) के स्तर पर तेजी लाने को कहा। तहसीलदार अदालतों में तीन महीने के भीतर मामलों का निपटान होना चाहिए। एसडीएम अदालतों में लंबे समय से पड़े मामलों को एक निश्चित समय सीमा के भीतर निपटाएं।

भूमि रिकॉर्ड में पारदर्शिता के लिए प्रतिबद्ध

मुख्यमंत्री ने विभाग की आधार-सीडिंग पहल की प्रशंसा की, जिसने 2.22 करोड़ से अधिक खातों को जोड़ा है। इससे धोखाधड़ी वाले भूमि लेनदेन में काफी कमी आई है। भूमि रिकॉर्ड में पारदर्शिता बनाए रखने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई और कहा कि भविष्य में अनाधिकृत विकास रोकने के लिए बी खाता को एक निर्धारित समय सीमा के भीतर नियमित किया जाना चाहिए। उन्होंने पोथी खाता अभियान में तेजी लाने की आवश्यकता पर भी जोर दिया, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि मृतक मालिकों के नाम पर अभी भी मौजूद संपत्तियों के लिए भूमि रिकॉर्ड अपडेट किए जाएं।

केंद्र ने मांगी रिपोर्ट

अभी नहीं बढ़ेगा नम्मा मेट्रो का किराया

बेंगलूरु@पत्रिका. बेंगलूरु मेट्रो रेल निगम लिमिटेड (बीएमआरसीएल) के यात्रियों को फिलहाल किराया वृद्धि से राहत मिल गई है। केंद्र सरकार के दखल के बाद निगम ने ने 1 फरवरी से प्रस्तावित किराया वृद्धि को स्थगित कर दिया है। पिछले महीने निगम के बोर्ड ने किराया वृद्धि को मंजूरी दे दी थी, जिसके बाद किराया वृद्धि के प्रस्ताव को केंद्र सरकार के अनुमोदन के लिए भेजा गया था। हालांकि, केंद्र सरकार ने विस्तृत रिपोर्ट की मांग करते हुए फिलहाल किराया वृद्धि पर रोक लगा दी।

बेंगलूरु मध्य के सांसद पी.सी. मोहन ने इसे बेंगलूरु के यात्रियों के लिए बड़ी जीत बताया। एक्स पर किए पोस्ट में मोहन ने कहा कि मोदी सरकार ने बीएमआरसीएल को कीमतों में बदलाव करने से पहले एक विस्तृत रिपोर्ट देने का आदेश दिया है। सांसद ने बताया कि बीएमआरसीएल के 1 फरवरी से प्रस्तावित 45 प्रतिशत किराया वृद्धि को फिलहाल रोक दिया गया है। केंद्र सरकार ने कोई भी निर्णय लेने से पहले एक व्यापक रिपोर्ट मांगी है।

अभी बेंगलूरु में मेट्रो का किराया 10 रुपए से 60 रुपये तक है, और प्रस्तावित परिवर्तनों में अधिकतम किराया 85 रुपए तक बढ़ सकता है न्यायाधीश (सेवानिवृत्त) आर. थरानी की अध्यक्षता वाली समिति ने बीएमआरसीएल की वित्तीय स्थिति और परिचालन आवश्यकताओं की समीक्षा के बाद नम्मा मेट्रो के किराया ढांचे में संशोधन की सिफारिश की थी।

रेल राज्य मंत्री सोमण्णा ने दिखाई हरी झंडी

राजधानी एक्सप्रेस को यादगीर में मिला दो मिनट का ठहराव

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

बेंगलूरु. रेल राज्य मंत्री वी. सोमण्णा ने मंगलवार को नई दिल्ली से वर्चुअल मोड के माध्यम से हजरत निजामुद्दीन-केएसआर बेंगलूरु राजधानी एक्सप्रेस (ट्रेन संख्या 22692) के लिए यादगीर में औपचारिक रूप से ठहराव सुविधा का शुभारंभ किया और औपचारिक रूप से ट्रेन को हरी झंडी दिखाई।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में राज्य में रेलवे का बुनियादी ढांचा विकसित हो रहा है। सोमण्णा ने कहा कि 2024-25 के बजट में रेलवे परियोजनाओं के लिए राज्य को 7,560 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं।

उन्होंने कहा कि अनुदान के तहत नई लाइनें, विद्युतीकरण और क्षमता वृद्धि जैसे विभिन्न विकास कार्य किए गए हैं।

यादगीर रेलवे स्टेशन पर औपचारिक समारोह में भाग लेते हुए विधायक चन्नारेड्डी पाटिल टुन्नूर ने कहा कि यादगीर में ट्रेन का ठहराव लोगों के लिए नई दिल्ली और बेंगलूरु की यात्रा करने में बहुत मददगार होगा।

कार्यक्रम में सांसद जी.कुमार नाइक भी वीडियो लिंक के माध्यम से शामिल हुए। विधानसभा सदस्य शरणगौड़ा कंडकुर, सीएमसी अध्यक्ष ललिता अनपुर, यूयूडीए के अध्यक्ष विनायक मालीपाटिल, गुंतकल डीआरएम (प्रभारी) रामकृष्ण और अन्य रेलवे अधिकारी भी उपस्थित थे।

लंबे समय से लंबित मांग हुई पूरी

सोमण्णा ने कहा कि यादगीर स्टेशन पर राजधानी एक्सप्रेस के रुकने से लोगों की लंबे समय से लंबित मांग पूरी हुई है। यादगीर में ट्रेन का ठहराव निश्चित रूप से यात्रियों के लिए बहुत मददगार होगा।

मंत्री ने कहा कि क्षेत्र के तीन महत्वपूर्ण रेलवे स्टेशनों यादगीर, रायचूर और बीदर स्टेशनों का अमृत भारत स्टेशन योजना में पुनर्विकास किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि यात्रियों की सुविधा के लिए स्टेशन पर एस्केलेटर, लिफ्ट, पार्किंग, शौचालय, प्रतीक्षालय, फुट ओवर ब्रिज जैसी सभी सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं। इसके अलावा, उन्होंने कहा कि कलबुर्गी-एसएमवीटी बेंगलूरु के बीच चलने वाली स्वदेशी रूप से डिजाइन की गई अत्याधुनिक वंदे भारत ट्रेन को यादगीर स्टेशन पर स्टॉपेज प्रदान किया गया है।

ऑनर किलिंग मामला : तीन अन्य आरोपियों को अदालत ने किया था बरी

दोहरी हत्या के मुख्य आरोपी को मौत की सजा

कोयम्बत्तूर @ पत्रिका. 2019 के ऑनर किलिंग मामले में 22 वर्षीय भाई और उसकी 16 वर्षीय प्रेमिका की हत्या करने वाले आरोपी को विशेष अदालत ने बुधवार को मौत की सजा सुनाई। अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम के तहत दर्ज मामलों की सुनवाई के लिए विशेष अदालत के न्यायाधीश के. विवेकनाथन ने मुख्य आरोपी के. विनोद कुमार को मौत की सजा सुनाई, जो एक दिहाड़ी मजदूर हैं। अदालत ने पिछले सप्ताह उसे दोहरे हत्याकांड का दोषी करार दिया था, जबकि तीन अन्य सह-षड्यंत्रकारियों - आर. कंदवेल, एस. इयप्पन और आर. चिन्नराज को सबूतों के अभाव में बरी कर दिया गया था।अभियोजन पक्ष के अनुसार, कुमार ने अपने भाई के. कनकराज (22 वर्ष) जो कि ओबीसी वर्ग से है और उसकी नाबालिग प्रेमिका जो कि अनुसूचित जाति से है, की हत्या की साजिश रची और उसे अंजाम दिया।

महाकुंभ हादसे में गुजरात के एक श्रद्धालु की मौत

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

अहमदाबाद/गांधीनगर. प्रयागराज महाकुंभ में मची भगदड़ में गुजरात के एक श्रद्धालु की मौत की बात सामने आई है। महाकुंभ प्रशासन ने यह जानकारी दी कि इन मृतकों में गुजरात का भी एक श्रद्धालु शामिल है। सूत्रों के मुताबिक मृतक मेहसाणा जिले की विसनगर तहसील के कडा गांव का रहने वाला बताया जा रहा है जिसका नाम महेश पटेल है। यह श्रद्धालु संगम के किनारे स्नान के लिए गया था और उसी दौरान यह हादसा हुआ।

गणतंत्र दिवस परेड

गुजरात की झांकी लगातार तीसरे वर्ष भी बनी जनता की पसंद

पॉपुलर चॉइस श्रेणी में सबसे ज्यादा वोट मिले

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

गांधीनगर. गणतंत्र दिवस की राष्ट्रीय परेड में नई दिल्ली के कर्तव्य पथ पर प्रस्तुत गुजरात की झांकी को पॉपुलर चॉइस श्रेणी में पहला स्थान मिला। गुजरात : आनर्तपुर से एकता नगर तक - विरासत से विकास का अद्भुत संगम को इस श्रेणी में सबसे ज्यादा वोट मिले।

इस तरह गुजरात की झांकी ने इस श्रेणी में लगातार तीसरे वर्ष प्रथम स्थान हासिल कर जीत की हैट्रिक लगाई है। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने इस उपलब्धि के लिए लोगों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने जताया किया कि प्रधानमंत्री के मंत्र विकास भी, विरासत भी को गुजरात जनभागीदारी के जरिए साकार कर रहा है और भविष्य में भी अग्रणी रहेगा। गणतंत्र दिवस की परेड में अलग-अलग राज्यों और सरकार के मंत्रालयों एवं विभागों की 31 झांकियां प्रस्तुत की गई थीं। गुजरात के सूचना विभाग की ओर से प्रस्तुत झांकी में गुजरात के आधुनिक विकास की गाथा को प्राचीन विरासत के साथ प्रस्तुत किया गया था। ऑनलाइन वोटिंग कर पॉपुलर चॉइस श्रेणी की सर्वोत्तम झांकी का चयन किया गया, जिसमें गुजरात की झांकी को जनता ने सबसे अधिक वोट दिए।

विश्व कुष्ठ रोग दिवस पर विशेष | **अहमदाबाद सिविल अस्पताल में आने वाले मरीजों में एमपी, राजस्थान के ज्यादा**

कुष्ठ रोग का उपचार संभव, अनेक मरीजों के जीवन स्तर में आया सुधार

पत्रिका साक्षात्कार

ओम प्रकाश शर्मा
patrika.com

अहमदाबाद. कुष्ठ रोग की पीड़ा से ज्यादा मरीज इस बात से ज्यादा सहम जाते हैं कि इस रोग के होने पर लोग क्या कहेंगे। अनेक लोग हैं जो इस रोग को श्राप की तरह देखते हैं। अफ्रीका व भारत समेत एशिया के कुछ देशों में यह समस्या लंबे अरसे से रही है। हालांकि चिकित्सा विज्ञान में इस बीमारी का उपचार ढूंढ निकालकर कुष्ठ रोगियों के जीवन स्तर को काफी हद तक सुधार भी दिया है। अनेक लोग हैं जो उपचार से बीमारी से उबर गए हैं। समय रहते उपचार मिले तो यह पूरी तरह भी ठीक हो सकता है। एशिया के सबसे बड़े अहमदाबाद सिविल अस्पताल के त्वचा विभाग की वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. रीमा जोशी ने विशेष बातचीत में बताया कि कुष्ठ रोग के उपचार के लिए गुजरात की तुलना में ज्यादा मरीज अन्य राज्य मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र या राजस्थान से आते हैं। सिविल अस्पताल की ओपीडी में प्रति दिन ऐसा एक नया मरीज आता है। माइक्रो बैक्टीरिया लेप्री से फैलने वाले कुष्ठ रोग का संक्रमण एक रोगी के खांसने और छींकने से भी फैल सकता है। हालांकि इसका संक्रमण लगने का पता लंबे समय के बाद पता चलता है। वयस्कों की तुलना में बच्चों में इसका संक्रमण जल्दी लगता है।

वैक्सीन भी उपलब्ध: डॉ. रीमा जोशी के अनुसार कुष्ठ रोग से गंभीर रूप से पीड़ित मरीजों के लिए बाजार में वैक्सीन है। हालांकि बाजार में इस वैक्सीन की कीमत गरीब वर्ग के लोगों के बजट के बाहर है। फिर भी वे प्रयास कर रहीं है कि यह वैक्सीन गरीबों को निशुल्क या कम दामों पर मिल सके। इस वैक्सीन के लगने और अन्य दवाइयों के प्रभाव से मरीज जल्दी से ठीक होने लगता है। उन्होंने कहा कि कुष्ठ रोग का उपचार संभव है। एंटीबायोटिक्स का उपयोग कर इस रोग से मुक्ति दिलाई जा सकती है। हालांकि कुछ मामलों में इस पद्धति से उपचार करने में दिक्कत भी आती हैं।

जागरूकता जरूरी: इस रोग को लोग श्राप मानते हैं, जिससे उनमें इस रोग के प्रति जागरूकता जरूरी है। आज अनेक मरीज हैं जो उपचार से ठीक होकर अच्छा जीवन जी रहे हैं।

सबसे ज्यादा 17 हजार मरीज महाराष्ट्र में: वर्ष 2023 में लोकसभा में पूछे गए प्रश्न के उत्तर में स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से कहा गया था कि देश में सबसे अधिक 17 हजार से कुछ ज्यादा मरीज महाराष्ट्र में दर्ज हुए थे।

बिहार में 11318, उत्तर प्रदेश में 10312, मध्यप्रदेश में 7313, झारखंड में 6184, ओडिशा में 6088, गुजरात में 2662 तथा राजस्थान में 969 मरीज सामने आए थे।

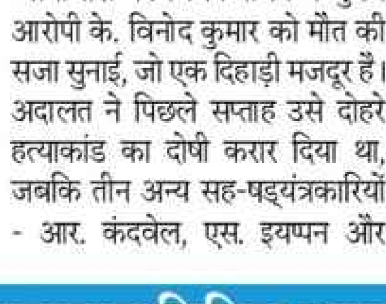

डॉ.रीमा जोशी कुष्ठ रोगी को देखती हुई।

गुजरात में कुष्ठ रोग के मरीज ज्यादा नहीं

डॉ. रीमा के अनुसार विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की गाइडलाइन में कहा गया है कि 10 हजार की आबादी में एक से कम मरीज होना चाहिए। गुजरात, राजस्थान समेत कई राज्य हैं जहां पर गाइडलाइन से भी कम मरीज हैं।

शेयर बाजार	सेंसेक्स	निफ्टी	सोना स्टैंडर्ड (24 कैरेट)	सोना (एमसीएक्स)	चांदी (999)	चांदी (एमसीएक्स)	बिटकॉइन	इथर	बिनेंस	डॉलर	यूरो	पेट्रोल	डीजल
भारत	76,533 (+631.55)	23,163 (+205.85)	₹82,900 (प्रति 10 ग्राम)(+500)	₹80,372 (प्रति 10 ग्राम)(+83)	₹92,300 (प्रति किग्रा)(+800)	₹91,349 (प्रति किग्रा)(+298)	$102,683 (+0.11)	$3,136 (-1.25)	$670.3 (-0.41%)	₹86.62 (प्रति 1 डॉलर)	₹89.99 (प्रति यूरो)	₹106.45 (प्रति लीटर)	₹91.85 (प्रति लीटर)

शेयर बाजार

सेंसेक्स 632 अंक चढ़ा, निफ्टी 1% उछला

मुंबई @पत्रिका. आम बजट से उम्मीदें और अमरीका में ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद से वैश्विक शेयर बाजारों से मिले मजबूत संकेतों से भारतीय शेयर बाजारों में बुधवार को लगातार दूसरे दिन तेजी देखने को मिली। सेंसेक्स 632 अंक यानी 0.83% बढ़कर 76,533 पर पहुंच गया, जबकि निफ्टी 206 अंक यानी 0.90% की बढ़त के साथ 23,163 पर बंद हुआ। स्मॉलकैप और माइक्रोकैप इंडेक्स ने शानदार रिकवरी की और इनमें 3% से अधिक तेजी आई। वहीं मिडकैप इंडेक्स भी 2.5% चढ़ा।

और चमका सोना

एमसीएक्स पर गोल्ड 81,000 के पार

मुंबई @पत्रिका. घरेलू स्पॉट और फ्यूचर मार्केट दोनों में सोना बुधवार को अपने नए ऑल टाइम हाई पर पहुंचा। एमसीएक्स पर गोल्ड क नियर-मंथ कॉन्ट्रैक्ट कारोबार के दौरान 80,517 रुपए की रेकॉर्ड ऊंचाई तक ऊपर गया। अप्रेल कॉन्ट्रैक्ट तो 81,098 रुपए के उच्चतम स्तर तक पहुंच गया। वहीं घरेलू स्पॉट मार्केट में सोना 80,819 रुपए की रेकॉर्ड ऊंचाई तक जा पहुंचा। 3% जीएसटी जोड़ने पर 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का भाव ₹83,243 रहा।

जॉब्स: कंपनियों को टियर-2 और टियर 3 शहरों में कम वेतन पर मिल रहे अच्छे कर्मचारी

छोटे शहरों में आक्रामक हायरिंग कर रहीं कंपनियां, वर्क फ्रॉम होम के 23% ऑफर

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

नई दिल्ली. देश की बड़ी कंपनियां लागत घटाने के लिए अब लखनऊ, जयपुर, जोधपुर, इंदौर जैसे छोटे शहरों में कार्यालय खोल रही हैं और आक्रामक तरीके से भर्तियां कर रही हैं। चूंकि छोटे शहरों में कम खर्च होता है। इसके परिचालन लागत भी घटती है और कम वेतन पर अच्छे कर्मचारी मिल जाते हैं। इन वजहों से कंपनियां छोटे शहरों की ओर रुख कर रही हैं। माइनिंग कंपनी वेदांता डिजिटल, इंजीनियरिंग और अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्रों में प्रतिभाओं की तलाश कर रही है। आरपीजी समूह मैन्युफैक्चरिंग, बिक्री के साथ रिन्यूएबल एनर्जी जैसे उभरते हुए क्षेत्रों पर ध्यान दे रहा है।

आइबीएम इंडिया के उपाध्यक्ष टी नागराजन ने कहा, छोटे शहरों से प्रतिभाओं को लाकर महानगरों में रखने के बजाय हम अपने कार्यालयों को उनके पास ही लेकर जा रहे हैं। ये कंपनियां टियर-2 और टियर-3 शहरों में हायरिंग कर रही हैं। डेलॉयट ने कहा, टियर-2 और टियर-3 शहरों में भर्तियों से कंपनियों का परिचालन खर्च 10-20% तक घटता है। टेक कंपनियों का 15-20% वर्कफोर्स कोयंबतूर, भुवनेश्वर, जयपुर और इंदौर जैसे शहरों से आता है।

एक-चौथाई फ्लेक्सी जॉब ऑफर आ रहे

सेक्टर	वर्क फ्रॉम ऑफिस	हाइब्रिड	वर्क फ्रॉम होम
हॉस्पिटैलिटी	97	2	1
स्टार्टअप्स	94	3	3
मैन्युफैक्चरिंग	88	10	2
ट्रांसपोर्ट	88	9	3
कंसल्टिंग	83	13	3
टेलीकॉम	82	13	5
बीएफएसआइ	81	17	3
रिटेल	80	5	15
आइटी सर्विसेज	77	14	9
सॉफ्टवेयर प्रोडक्ट	60	22	18

(जनवरी, 2025 में वाइट कॉलर जॉब लिस्टिंग के आंकड़े फीसदी में)

अभी खत्म नहीं होगा वर्क फ्रॉम होम

भारतीय कंपनियों में वर्क फ्रॉम होम अभी खत्म होने वाला नहीं है। जनवरी 2025 में वाइट कॉलर जॉब (ऑफिस वाली नौकरियां) के लिए 2.90 लाख वैकेंसी आई, जिसमें 23% जॉब ऑफर्स फ्लेक्सिबल नौकरियों यानी हाइब्रिड और वर्क फ्रॉम होम के लिए थी। इनमें 12% नौकरियां हाइब्रिड (हफ्ते में 2-3 दिन वर्क फ्रॉम ऑफिस और 2-3 दिन वर्क फ्रॉम होम के लिए थी। वहीं 11% नौकरियां पूरी तरह वर्क फ्रॉम होम के लिए थी। वर्क फ्रॉम होम वाली नौकरियों की सबसे अधिक जॉब पोस्टिंग आइटी क्षेत्र से आई।

भारत में सबसे अधिक इंक्रीमेंट की उम्मीद भारत में इस साल एशिया में सबसे अधिक वेतन वृद्धि होने की उम्मीद है। कॉर्न फेरी इंडिया कंपनसेशन सर्वे के मुताबिक, देश में औसत इंक्रीमेंट 9.9% रहने के आसार हैं, जो चीन के 5% से दोगुना और जापान के 3.1 से तीन गुना है। वहीं मर्सर के मुताबिक, औसतन 9.4% वेतन वृद्धि होने की उम्मीद है।

9.9% औसत इंक्रीमेंट होने की *उम्मीद 2025 में इंडिया इंक में*

इनमें सबसे ज्यादा इंक्रीमेंट की उम्मीद

विभिन्न सेक्टर्स	संभावित औसत इजाफा
फाइनेंशियल सर्विसेज	10%
कंस्ट्रक्शन, रि. एस्टेट	10%
ऑटोमोबाइल	10%
रिटेल	9.5%
मैन्युफैक्चरिंग	9.7%
इंजीनियरिंग	9.7%
कंज्यूमर ड्यूरेबल्स	9.0%
आइटी सर्विसेज	6.5%

भारत में सबसे अधिक हो सकती है वेतन वृद्धि

देश	औसत इंक्रीमेंट
भारत	9.9%
चीन	5.0%
सिंगापुर	4.0%
जापान	3.1%

(स्रोत: कॉर्न फेरी इंडिया कंपनसेशन सर्वे)

फैसला: लोन डिफॉल्ट पर बैंकों की ओर से वसूले जुर्माने पर नहीं लगेगा जीएसटी

टैक्स जमा कर जुर्माने और ब्याज, दोनों से छूट पा सकेंगे कारोबारी

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

नई दिल्ली. इनकम टैक्स की तरह ही केंद्र सरकार जीएसटी संबंधित विवादों को भी खत्म करने का प्रयास कर रही है। हाल ही में सरकार ने जीएसटी संबंधित सभी पुरानी डिमांड को खत्म करने का फैसला किया है।

इस एमनेस्टी स्कीम के तहत कारोबारियों को 31 मार्च, 2025 तक सिर्फ बकाए टैक्स का भुगतान करना होगा। सभी पुराने बकाए जीएसटी का भुगतान कर देने पर कारोबारियों को टैक्स से जुड़े ब्याज और जुर्माने से पूरी तरह से छूट मिल जाएगी। जीएसटी विशेषज्ञ प्रवीण शर्मा ने बताया कि सरकार की इस स्कीम के तहत जीएसटी संबंधित कोई भी डिमांड अगर किसी कारोबारी को अपने पोर्टल पर दिख रहा है, तो वह सिर्फ टैक्स की राशि को जमा कर जुर्माने और ब्याज से छूट पा सकता है।

...पर यह है शर्त

मान लीजिए किसी कारोबारी पर वर्ष 2018-19 से टैक्स का बकाया है और उसने चुकता नहीं किया है तो साधारण रूप में कारोबारियों को उस बकाए टैक्स पर ब्याज भी देना होगा। देर से भरने पर जुर्माना भी लगेगा। लेकिन 31 मार्च, 2025 तक बकाए टैक्स को भरने पर कोई अतिरिक्त राशि नहीं देनी होगी। लेकिन कारोबारी ने उस बकाए टैक्स को अगर किसी अदालत में चुनौती दी है तो उस चुनौती को वापस लेना होगा। दिसंबर में जीएसटी काउंसिल की बैठक में इस फैसले पर मुहर लगी थी। हाल ही में इसकी अधिसूचना भी जारी कर दी गई है। जीएसटी विवादों से जुड़े वकील पीसी अग्रवाल ने बताया कि सरकार का रुख अब जीएसटी विवादों पर लचीला होता जा रहा है।

जुर्माने पर जीएसटी नहीं: किसी कारणवश लोन डिफॉल्ट करने वालों को बड़ी राहत मिली है। एनबीएफसी और बैंकों की तरफ से लोन डिफॉल्ट पर जो पेनल्टी चार्ज वसूला जाता है, उस पर अब 18% जीएसटी नहीं लगेगा। अब पेमेंट एग्रीगेटर्स की ओर से ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि से 2000 रुपए तक के लेनदेन करने पर भी जीएसटी नहीं लगेगा। सीबीआइसी ने सर्कुलर जारी कर स्पष्ट किया कि आरबीआइ की ओर से जिन संस्थाओं को रेगुलेट किया जाता है, वे अनुबंध की शर्तों का पालन नहीं करने पर जुर्माना शुल्क लगाते हैं। इसलिए उस चार्ज पर जीएसटी नहीं लगेगा।

कैबिनेट फैसले: ₹16,300 करोड़ के क्रिटिकल मिनरल मिशन को मंजूरी

सरकार की शुगर कंपनियों को सौगात, करीब 3% बढ़ाए एथेनॉल के दाम

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

नई दिल्ली. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को हुई कैबिनेट की मीटिंग में 16,300 करोड़ रुपए के राष्ट्रीय क्रिटिकल मिनरल मिशन को मंजूरी दी गई, जिसमें कुल 34,300 करोड़ रुपये का खर्च अगले 7 साल में किया जाएगा। इस मिशन का उद्देश्य आत्मनिर्भरता हासिल करना और भारत की हरित ऊर्जा परिवर्तन यात्रा को तेज करना है। साथ ही आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियों (ओएमसी) के लिए एथेनॉल के दाम बढ़ाने की भी मंजूरी दी है। कैबिनेट ने वर्ष 2024-25 के लिए एथेनॉल की एक्स-मिल कीमत 56.58 रुपए प्रति लीटर से 2.45% बढ़ाकर 57.97 रुपए प्रति लीटर तय की है। सरकार ने पेट्रोल में 20% एथेनॉल मिश्रण हासिल का लक्ष्य वर्ष 2030 की जगह 2025-26 कर दिया है।

खनिज भंडारों के विकास का भी प्रस्ताव

नेशनल क्रिटिकल मिनरल में सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम (पीएसयू) भी 18,000 करोड़ रुपए का योगदान देंगे। इस मिशन का उद्देश्य भारतीय कंपनियों को विदेश में महत्वपूर्ण खनिजों से जुड़ी परिसंपत्तियों को हासिल करने और संसाधन संपन्न देशों से व्यापार बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित करना है। इसमें देश के भीतर महत्वपूर्ण खनिजों के भंडार के विकास का भी प्रस्ताव है। कॉपर, लिथियम, निकल, कोबाल्ट और रेयर अर्थ जैसे क्रिटिकल मिनरल्स स्वच्छ ऊर्जा प्रौद्योगिकियों के लिए आवश्यक कच्चे माल हैं। इनका उपयोग टरबाइन, बिजली, इलेक्ट्रिक वाहन और बैटरी निर्माण में होता है।

गन्ना किसानों को मिल सकता है फायदा

केंद्रीय रेल और आइटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कैबिनेट में हुए निर्णयों की जानकारी देते हुए बताया कि एथेनॉल का निर्माण किसानों और पर्यावरण के हित में है। इस मंजूरी से न केवल सरकार को एथेनॉल आपूर्तिकर्ताओं के लिए मूल्य स्थिरता और लाभकारी मूल्य प्रदान करने की नीति जारी रखने में सुविधा होगी, बल्कि कच्चे तेल के आयात पर निर्भरता कम करने, विदेशी मुद्रा की बचत करने और पर्यावरण को लाभ पहुंचाने में भी मदद मिलेगी। गन्ना किसानों के हित में जीएसटी और परिवहन शुल्क पहले की तरह अलग से देय होंगे। इससे चीनी मिलों को भी फायदा होगा। सीएचएम एथेनॉल की कीमतों में 3 प्रतिशत की वृद्धि से बढ़े हुए मिश्रण लक्ष्य को पूरा करने के लिए इथेनॉल की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित होगी।

परिवहन मंत्रालय की तैयारी: चालान कटने पर जुर्माना भरने से नहीं बच सकेंगे ट्रैफिक नियम तोड़ने वाले ड्राइवर-वाहन

आधार से लिंक होंगे वाहनों के आरसी-ड्राइविंग लाइसेंस!

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

नई दिल्ली. ट्रैफिक नियम तोड़ने वालों के लिए अपना मोबाइल नंबर या पता बदलकर जुर्माने से बचने के दिन खत्म होने वाले हैं, क्योंकि जल्द ही वाहन पंजीकरण (आरसी) और ड्राइविंद लाइसेंस (डीएल) को आधार से लिंक कराने की तैयारी है। सड़क परिवहन मंत्रालय वाहन मालिकों व ड्राइविंग लाइसेंस धारकों के लिए आधार से लिंक्ड एड्रेस (पता), मोबाइल नंबर और अन्य विवरण अपडेट करना अनिवार्य करने के लिए एक नया नियम लाने पर विचार कर रहा है। यानी अगर आपके पास कार, बाइक या कोई भी मोटर वाहन है, तो सरकार जल्द ही आपसे अपने एड्रेस डिटेल अपडेट करने और उन्हें आधार से लिंक करने के लिए कह सकती हैं।

...इसलिए आ रहा नया नियम

मंत्रालय इसे मोटर वाहन अधिनियम में प्रस्तावित संशोधनों का हिस्सा बनाने पर विचार कर रहा है। सरकार के इस कदम का उद्देश्य सड़क पर वाहन नियमों का उल्लंघन करने वालों पर लगाम लगाना है। अधिकारियों ने कहा, ट्रैफिक नियम तोड़ने वाले कई लोग लगाया गया जुर्माना नहीं भर रहे हैं। यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले लोगों पर नजर रखने के लिए एक सख्त निगरानी तंत्र की आवश्यकता है। देखा गया है कि जुर्माने और कार्रवाई से बचने के लिए लोग मोबाइल नंबर बदल लेते है या फिर नए ड्राइविंग लाइसेंस के लिए आवेदन कर देते है। कार्रवाई बचने के इन आसान तरीकों पर लगाम लगाने के लिए इस बदलाव पर विचार किया जा रहा है।

₹12,000 करोड़ के चालान लंबित

केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्रालय के मुताबिक, परिवहन विभाग ने नियम तोड़ने वाले लोगों को जो चालान जारी किए हैं, उनमें से 12,000 करोड़ रुपए से अधिक के ई-चालान का भुगतान नहीं किया गया है। इस विफलता की मुख्य वजह कि जिस डेटाबेस से परिवहन विभाग ई-चालान प्रणाली को चला रहा है, वह सही नहीं है। इनमें लोगों के पते और मोबाइल अपडेट नहीं होते हैं।

यह होगा असर... विभाग का कहना है कि आधार लिंक होने से एजेंसियों को यह जानने में मदद मिलेगी कि चालान या जुर्माना वसूलने के लिए किससे और कहां संपर्क करना है। अगर एक निश्चित समय के बाद ई-चालान जुर्माना अदा नहीं किया जाता है, तो आरसी या डीएल अमान्य, रद्द या निलंबित किया जा सकता है। साथ ही कानूनी कार्रवाई की जा सकती है।

कुछ ड्राइविंग लाइसेंस तो दशकों पुराने...

परिवहन विभाग के डेटाबेस में 60, 70 और 90 के दशक की गाड़ियों के रजिस्ट्रेशन और ड्राइविंग लाइसेंस भरे पड़े हैं। इनमें से कई रिकॉर्ड में मोबाइल नंबर, आधार लिंक या अपडेट किए गए पते नहीं हैं। सही जानकारी न होने के कारण यातायात नियमों को लागू करने में मुश्किल हो रही है। परिवहन विभाग का कहना है कि सारथी और वाहन डेटाबेस पर कुछ ड्राइविंग लाइसेंस और आरसी कई दशक पुराने हो सकते हैं। विभाग अब ऐसी व्यवस्था के बारे में विचार कर रहा है जहां वाहन मालिकों या लाइसेंस धारकों के लिए अपना विवरण अपडेट करना अनिवार्य हो जाए।

जेईई की तैयारी करने वालों के लिए 'आकाश इनविक्टस' होगा शुरू

नई दिल्ली . आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड ने आकाश इन्विक्टस' शुरू करने की घोषणा की है। यह जेईई की तैयारी के लिए अनूठा और अग्रणी एडवांस्ड प्रोग्राम है, जिसे विशेष रूप से सर्वश्रेष्ठ और प्रतिभाशाली इंजीनियरिंग उम्मीदवारों के लिए डिज़ाइन किया गया है।आकाश के प्रबंध निदेशक एवं सीईओ दीपक मेहरोत्रा ने आकाश इन्विक्टस की घोषणा करते हुए कहा कि यह उच्च-स्तरीय, व्यक्तिगत, एआई आधारित और परिणाम-केंद्रित कार्यक्रम आईआईटी या विदेशों के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में प्रवेश की तैयारी करने वाले छात्रों को सक्षम बनाने के लिए तैयार किया गया है। उन्होंने बताया कि ये प्रोग्राम दशकों के एक्सपीरियंस, एडवांस्ड टीचिंग मेथड्स और पर्सनलाइज्ड, टेक्नोलॉजी-ड्रिवन एजुकेशन को टॉप-लेवल फैकल्टी के साथ जोड़ता हैं। पिछले कुछ वर्ष में हमारे शिक्षकों ने लाखों छात्रों को शीर्ष आईआईटी में प्रवेश दिलाने में सफलता प्राप्त की है। उन्होंने कहा कि कुछ महीने पहले शुरू हुए इस कार्यक्रम ने पहले ही 2500 से ज्यादा टॉप छात्रों को अपनी ओर आकर्षित किया है। नवाचारपूर्ण शिक्षण विधि और पाठ्यक्रम, एक्सपर्ट फैकल्टी और एडवांस्ड टूल्स पर आधारित यह प्रोग्राम जेईई की तैयारी में नए मानक स्थापित करेगा। उन्होंने कहा कि आकाश इन्विक्टस में एंट्री बहुत ही सलेक्टिव हैं, स्टूडेंट्स को एक स्पेशल एंट्रेंस एग्जाम के जरिए चुना जाता है, ताकि ये सुनिश्चित किया जा सके कि केवल सबसे टैलेंटेड और कमिटेड माइंड्स ही प्रोग्राम में शामिल हों। 11वीं में ज्वाइन करने वाले स्टूडेंट्स के लिए दो साल का प्रोग्राम और 10वीं में ज्वाइन करने वाले स्टूडेंट्स के लिए तीन साल का प्रोग्राम डिज़ाइन किया गया हैं। यह कार्यक्रम 25 शहरों दिल्ली एनसीआर, चंडीगढ़, लखनऊ, मेरठ, प्रयागराज, कानपुर, वाराणसी, जयपुर, कोटा, पटना, रांची, बोकारो, कोलकाता, दुर्गापुर, भुवनेश्वर, मुंबई, पुणे, नागपुर, अहमदाबाद, वडोदरा, इंदौर, भोपाल, हैदराबाद, चेन्नई और बेंगलूरु में उपलब्ध होगा।

रिपोर्ट: कंपनियों की संख्या बढ़कर 2.01 करोड़

असंगठित मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र में नौकरियां 15 साल में सबसे कम

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

नई दिल्ली. असंगठित विनिर्माण (मैन्युफैक्चरिंग) क्षेत्र में रोजगार वर्ष 2023-24 के दौरान 15 साल के निचले स्तर पर पहुंच गया। बुधवार को जारी 'असंगठित क्षेत्र के उद्यमों के वार्षिक सर्वेक्षण रिपोर्ट एएसयूएसई और राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) के राष्ट्रीय नमूना सर्वे का विश्लेषण करने से पता चलता है कि 2023-24 में विनिर्माण क्षेत्र में करीब 3.37 करोड़ लोग काम कर रहे थे, जबकि 2010-11 के दौरान 3.49 करोड़ लोग कार्यरत थे।

हालांकि इस अवधि के दौरान मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में कंपनियों की संख्या बढ़कर 2.01 करोड़ हो गई, जो पहले 1.72 करोड़ थी।

विशेषज्ञों का कहना है कि नोटबंदी, जीएसटी और कोविड महामारी के कारण हुए लॉकडाउन जैसे एक के बाद एक आर्थिक नीतिगत झटकों के कारण विनिर्माण क्षेत्र में रोजगार का स्तर कम हुआ है।

राष्ट्रीय सांख्यिकी आयोग के पूर्व कार्यकारी चेयरमैन पीसी मोहन ने कहा कि असंगठित विनिर्माण क्षेत्र को अभी एक के बाद एक लगे आर्थिक नीति के झटकों से उबरना बाकी है। मेक इन इंडिया जैसी पहल भी इस सेक्टर पर सकारात्मक असर डालने में नाकाफी रही है।

उत्तराखंड | उत्तरकाशी में फिर आया भूकंप

देहरादून @ पत्रिका. उत्तराखंड के उत्तरकाशी जनपद में बुधवार को भूकंप के झटके महसूस होने से लोगों में हड़कंप मच गया। यहां पिछले छह दिनों में चौथी बार भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं। रिक्टर पैमाने पर भूकंप की तीव्रता 02.07 मापी गई है। भूकंप का केंद्र ग्राम साल्ड उपरिकोट निसमोर के मध्य वन क्षेत्र में था।

पुडुचेरी | मछुआरों के परिजन सीएम से मिले

पुडुचेरी @ पत्रिका. श्रीलंकाई नौसेना द्वारा गिरफ्तार किए गए मछुआरों के परिजनों ने बुधवार को पुडुचेरी के मुख्यमंत्री एन. रंगास्वामी से मुलाकात करते हुए मछुआरों को छुड़वाने में मदद की गुहार लगाई। मुख्यमंत्री ने उन्हें हर प्रकार की मदद का भरोसा दिलाया है।

गुजरात | कार-ट्रक की टक्कर में 3 की मौत

राजकोट. गिर सोमनाथ जिले की उना तहसील में डोलासा गांव के पास मंगलवार देर रात को कार-ट्रक के बीच टक्कर में 3 मित्रों की मौत हो गई। वहीं एक घायल हो गया। दुर्घटना में सुत्रापाडा के पीयूष राम (28), भालपरा गांव के उदय वाढेर (21) और मेघपुर गांव के जेसा राम (35) की मौके पर ही मौत हो गई।

अमरीका | एफ-35 विमान क्रैश, पायलट बचा

वाशिंगटन @ पत्रिका. अमरीका के अलास्का में एइलसन एयर फोर्स बेस पर प्रशिक्षण के दौरान एक एफ-35 लड़ाकू विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। पायलट समय रहते पैराशूट से सुरक्षित बाहर निकलने में कामयाब रहा। वायरल वीडियो में विमान को नीचे गिरते और उसमें आग लगते देखा गया। क्रैश के बाद जोरदार विस्फोट हुआ और आग की लपटें कई मीटर तक उठीं। घटना की जांच शुरू कर दी गई है।

उद्योग जगत की मांग...

रोडटेप योजना को कम से कम सितंबर तक बढ़ाए केंद्र सरकार

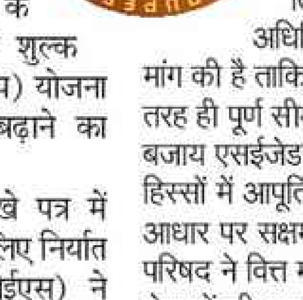

नई दिल्ली. वित्त वर्ष 2025-26 का आम बजट एक फरवरी को पेश होगा। केंद्रीय बजट पेश होने से ऐन पहले उद्योग जगत ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से निर्यात प्रोत्साहन योजना रोडटेप को आगे बढ़ाने की मांग की है। उद्योग जगत ने निर्यात उन्मुख इकाइयों (ईओयू) और विशेष आर्थिक क्षेत्रों (एसईजेड) के लिए निर्यात उत्पादों पर शुल्क और करों में छूट (रोडटेप) योजना को 30 सितंबर तक बढ़ाने का अनुरोध किया है।

सीतारमण को लिखे पत्र में ईओयू और एसईजेड के लिए निर्यात संवर्धन परिषद (ईपीसीईएस) ने वित्त विधेयक के जरिए एसईजेड कानूनों में बदलाव के लिए लंबे समय से चली आ रही मांग को भी पूरा करने के लिए कहा है, जिससे सरकार विनिर्माण को बढ़ावा देकर आत्मनिर्भर भारत पर अपना ध्यान बढ़ा सके।

3 वर्षों से लंबित

वित्त वर्ष 2022-23 के बजट में इन क्षेत्रों को नया रूप देने की घोषणा के बाद से ही एसईजेड कानून में बदलाव की मांग की जा रही है, जो करीब 3 वर्षों से लंबित है। निर्यात संवर्धन परिषद ने पत्र लिखकर एसईजेड अधिनियम में बदलाव की मांग की है ताकि चीन जैसे देशों की तरह ही पूर्ण सीमा शुल्क देने के बजाय एसईजेड से देश के बाकी हिस्सों में आपूर्ति को टैक्स छूट के आधार पर सक्षम बनाया जा सके। परिषद ने वित्त मंत्री से घरेलू क्षेत्रों में सेवाओं की आपूर्ति का भुगतान स्थानीय मुद्रा में करने की अनुमति देने का अनुरोध किया है।

क्या चाहता है कॉरपोरेट जगत

1. भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआइआइ) की मांग है कि सरकार को ईंधन पर टैक्स में कटौती करनी चाहिए। ***साथ ही 20 लाख रुपए तक की इनकम वालों के लिए इनकम टैक्स कम करना चाहिए।***
2. ग्रामीण नौकरी गारंटी योजना जैसी राज्य समर्थित योजनाओं के तहत लाभ भी बढ़ाना चाहिए। ***किसानों को नकद सहायता बढ़ानी चाहिए और निम्न आय वर्ग के लिए कंजप्शन वाउचर पर विचार करना चाहिए।***
3. फिक्की चाहता है कि सरकार व्यवसायों पर टैक्स का बोझ कम करे। ***सरकार को बड़ी यूनिट में निवेश की गई फैक्ट्री बिक्री इनकम पर कैपिटल गेन्स टैक्स में राहत देने पर विचार करना चाहिए।***
4. इंडियन सेल्युलर एंड इलेक्ट्रॉनिक्स एसोसिएशन चाहता है कि सरकार इलेक्ट्रॉनिक कम्पोनेंट पर शुल्क कम करे। ***टेलीविजन और कार डिस्प्ले कम्पोनेंट के लिए शुल्क में कटौती का सुझाव दिया है।***
5. बजट 2025-26 में आर्थिक विकास को गति देने के लिए नए उपायों की घोषणा हो, साथ ही कैपिटल एक्सपेंडिचर में भी बढ़ोतरी की जाए। ***एमएसएमई के लिए सब्सिडी बढ़ाई जाए और ईज ऑफ बिजनेस को बढ़ावा मिले।***

पेज एक का शेष

ध्यान टूटा..

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रयागराज के महाकुंभ मेले में मौनी अमावस्या पर हुई भगदड़ को 'बेहद दुखद' बताया हैं और श्रद्धालुओं की मौत पर दुख जताया है। इस हादसे के बाद तमाम विपक्षी दलों के नेताओं ने मेला प्रशासन पर घोर लापरवाही का आरोप लगाते हुए सरकार को निशाने पर लिया। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में भारी गले से हादसे के शिकार लोगों के प्रति संवेदना प्रकट की और मृतकों के परिजनों को 25-25 लाख रुपए मुआवजे का ऐलान किया। उन्होंने घोषणा की कि इलाहाबाद हाई कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश हर्ष कुमार की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय आयोग घटना की न्यायिक जांच करेगा।

मेला क्षेत्र के डीआइजी वैभव कृष्णा ने बताया कि भगदड़ की चपेट में आने से 90 लोग घायल हुए थे, जिनमें 30 की मौत हो गई है। मृतकों में 25 लोगों की पहचान की गई है। 60 घायलों का इलाज चल रहा है। मरने वालों में सबसे ज्यादा 19 यूपी, चार कर्नाटक और एक-एक गुजरात व असम के हैं। उन्होंने कहा कि 'कुछ श्रद्धालु बैरिकेड्स तोड़कर आगे जाना चाहते थे, इस दौरान कुछ श्रद्धालु जो सो रहे थे कुचल गए। वहां कोई वीआइपी प्रोटोकॉल नहीं था।'

तीन शंकराचार्य ने लगाई डुबकी: श्रृंगेरी शारदा पीठाधीश्वर जगतगुरु शंकराचार्य स्वामी विधु शेखर भारती जी महाराज, द्वारका शारदा पीठाधीश्वर जगतगुरु शंकराचार्य स्वामी सदानंद सरस्वती जी महाराज और ज्योतिष पीठाधीश्वर शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद जी महाराज ने संगम में डुबकी लगाई।

भईया, तुम्हें ...

3 बजे उठते ही बुरी खबर

साधु संत, विशेषकर नागा बाबा को देखने के लिए रात आंखों में निकाल रहे लोगों ने मुश्किल से एक झपकी ली थी कि खबर लगी भगदड़ का हादसा हो गया। संतों का स्नान निरस्त हो गया। लोगों के चेहरे उदास हो गए। सब इधर-उधर यह जानने में लगे कि कहां तक हादसा हुआ और कितना बड़ा?

संगम की बजाय गंगा घाटों पर अमृत स्नान: त्रिवेणी संगम पर स्नान नहीं होने की स्थिति पता चल गई। 5 से 25 सेक्टर से लगते हुए गंगा के घाट है। अधिकांश लोगों ने संगम की बजाय गंगा के घाट पर ही मौनी अमावस्या पर गंगा के घाट पर ही स्नान किया।

रास्ते बंद, लोग जहां थे वहां फंसे: बुधवार को जिनकी सुबह की ट्रेनें थी वे जल्दी उठकर पुल पारकर उधर जाने को पहुंचे तो 12,15,16 नंबर पुल तीनों ही उधर जाने को बंद कर दिए गए थे। लोगों को कहा गया कि 18 नंबर पुल से जाएं। करीब पांच किमी दूरी तय करने के बाद अव्वल तो यह पुल आता है और उसके बाद भी घूमकर जाने में 15 से 20 किमी लग जाए। ऐसे में जिनको अतिआवश्यक था वे चल पड़े... यह बात दीगर है कि 18 नंबर खुला था या नहीं यह पता नहीं। जो लोग इन पुल के चक्कर में दोपहर बारह-एक बजे तक चल चुके थे, वे थककर चूर होकर जहां जगह मिली फिर बैठ गए। ये लोग अपने लोगों से यही कह रहे थे, इंतजार कर रहे हैं... जब पुल खुलेंगे तब आएंगे।

बड़े तरीके से भीड़ को बिखेरा: संगम के इस तरफ की भीड़ को भगदड़ को लेकर भय होने की स्थिति कहीं पर भी क्रिएट नहीं होने दी। पुलिस-प्रशासन ने इसको लेकर न तो कोई मुनादी कर रही थी और न ही कोई अलर्ट। लोगों को उधर जाने से रोकने के लिए उन्हें बड़े क्षेत्र सेक्टर 18 की ओर मूव कर दिया गया। जहां से वाराणसी, झूसी क्षेत्र के लोगों को बसें पकड़वाई जा रही थी।

नहीं करते संगम तट पर ब्रह्म मुहूर्त का इंतजार

लौटने की अपील को किया नजरअंदाज

तारीख: 28 जनवरी, समय: शाम के 6 बजे, जगह: वीआइपी घाट किला संगम क्षेत्र।

पत्रिका लाइव रिपोर्ट

महाकुंभनगर. 'मौनी अमावस्या का स्नान पर्व शुरू हो गया है। श्रद्धालुओं से अपील है की वह स्नान करके अपने घर की तरफ रवाना हो जाएं।' शाम के 6 बजते ही पुलिस प्रशासन की यह आवाज संगम तट पर गूंजने लगी। संगम तट का नजारा भव्य, अलौकिक और अद्भुत नजर आ रहा था।

संगम तट का नजारा बाकी दिनों से आज काफी अलग था। भीड़ रोजाना की तरह स्नान करने के बाद अपने घर की तरफ रवाना नहीं हो रही थी। संगम तट पर ही दरी, तिरपाल, पुआल बिछाकर सुबह मौनी अमावस्या का स्नान करने का इंतजार कर रही थी।

ज्योति सिंह बिहार के भभुआ जिला के रहने वाले हैं। उन्होंने बताया कि वह मौनी अमावस्या पर्व पर स्नान के लिए वह 27 जनवरी की शाम को ही संगम तट पर आ गए थे और मौनी अमावस्या के दिन सुबह 4 बजे ब्रह्म मुहूर्त में स्नान करने के बाद ही घर के लिए रवाना होंगे।

सुमित्रा देवी देवरिया की रहने वाली हैं। वह अपने परिवार के साथ 27 तारीख को ही संगम आ गई थीं। साथ में परिवार के अन्य 6 सदस्य भी मौजूद थे। उन्होंने बताया कि वह 2 दिनों में 2 बार स्नान कर चुकी हैं और तीसरी बार स्नान करने का इंतजार कर रही हैं।

पीपा पुल बंद होना मुसीबत का सबसे बड़ा कारण

संगम तट पर स्नान करने जो श्रद्धालु अखाड़ा की तरफ जाते थे उन्हें वापस आने में कई दिन से दिक्कत हो रही थी। श्रद्धालुओं ने बताया कि इसकी सबसे बड़ी वजह वीवीआइपी मूवमेंट और पीपा पुल का बंद होना है। किसी वीवीआइपी के आने पर ट्रैफिक आधे घंटे से ज्यादा तक रोका जा रहा था जिससे श्रद्धालुओं को काफी दिक्कत का सामना करना पड़ रहा था।

आधी रात को उमड़ा जनसैलाब, पुलिस के हाथ पांव फूले

मंगलवार रात के 1 बजे चुंगी तरफ से परेड ग्राउंड के लिए एंट्री पॉइंट पर भीड़ बढ़ने लगी। पुलिस ने यहां तीन लेयर में बैरिकेडिंग कर रखी थी। लेकिन, भीड़ को देखकर उनको काफी मशक्कत करनी पड़ रही थी। लोग रस्सी के सहारे एक-दूसरे को पकड़े हुए थे। भीड़ बढ़ने पर लोग बैरिकेडिंग को धक्का भी देने लगे थे। मुजफ्फरपुर की रहने वाली जानकी देवी ने गुस्से में कहा कि वह 10 किलोमीटर पैदल चल कर आ रही हैं। यहां पुलिस भी उनको इधर-उधर घुमा रही है।

1. प्रयागराज. मौनी अमावस्या के 'अमृत स्नान' से पहले मची भगदड़ के बाद अपना सामान खोजता श्रद्धालु।
2. महाकुंभ में मची भगदड़ में घायल लोग अस्पताल में जहां जगह मिली, वहीं इलाज के लिए लेट गए।
3. घायलों को ग्रीन कॉरिडोर बनाकर एंबुलेंस से अस्पताल पहुंचाते हुए चिकित्सकर्मी।
4. भगदड़ में बेहोश हुए अपने रिश्तेदार को मुंह से सांस देने की कोशिश करती हुई एक महिला।

पहले भी हुए हादसे

- **2013:** इलाहबाद (प्रयागराज) कुंभ मेले में रेलवे स्टेशन फुटब्रिज ढहने से भगदड़ में **42 लोगों की मौत हो गई, 45 घायल** हो गए।
- **2010: हरिद्वार** कुंभ में शाही स्नान में श्रद्धालुओं व साधुओं में झड़प से भगदड़ में **7 लोगों की मौत हो गई, 15 घायल** हो गए।
- **2003: नासिक** कुंभ मेले में गोदावरी में डुबकी लगाने जुटे लोगों में भगदड़ से **39 मरे, 100 से अधिक घायल** हो गए थे।
- **1986: हरिद्वार** कुंभ मेले के दौरान भगदड़ में **200 से अधिक लोग मारे गए**। यूपी के तत्कालीन सीएम वीर बहादुर सिंह, विभिन्न राज्यों के कई सीएम और सांसदों के साथ हरिद्वार आए थे, बताया जाता है जनता को तट पर जाने से रोकने को लेकर भगदड़ मची।
- **1954: आजादी** के बाद पहली बार हुए कुंभ में इलाहबाद में मौनी अमावस्या पर स्नान करने उमड़े श्रद्धालुओं में भगदड़ मच गई। **इस दौरान लगभग 800 लोग नदी में डूबकर या कुचलकर मारे गए।**

किसने, क्या कहा

बहुत दुखद हादसा

महाकुंभ में भगदड़ के कारण कई लोगों की मौत और कइयों के घायल होने की खबर अत्यंत दुखद है। **-राहुल गांधी,** नेता प्रतिपक्ष, लोकसभा

बदइंतजामी जिम्मेदार

दुखद घटना के लिए कुप्रबंधन, बदइंतजामी जिम्मेदार है। वीआइपी कल्चर पर लगाम लगनी चाहिए।- **मल्लिकार्जुन खरगे,** कांग्रेस अध्यक्ष

प्रबंधन सेना को सौंपें

महाकुंभ का प्रशासन और प्रबंधन तत्काल सेना को सौंप देना चाहिए। **-अखिलेश यादव,** सपा अध्यक्ष

'पुलिस वालन नहीं भगाए होते तो हमार देवरानी बच जाती'

सौरभ कुमार
patrika.com

प्रयागराज. छतरपुर जिले की सुनवाहा गांव की रहने वाली हुकुम बाई लोधी परिवार के 15 लोगों के साथ महाकुंभ में स्नान करने आई थीं। भगदड़ में लक्ष्मी के साथ के दो लोग गायब हो गए जिनको खोजते हुए वह केंद्रीय चिकित्सालय पहुंची। यहां जानकारी मिली की इनकी देवरानी हुकुम बाई लोधी की मौत हो गई है।

पत्रिका से बातचीत में लक्ष्मी ने बताया कि पुलिस वालों की वजह से हमारी देवरानी की मौत हुई है। पुलिस वालन नहीं भगाए होते तो हमार देवरानी बच जाती। उन्होंने बताया कि हम लोग तो सो रहे थे। रात11 बजे अचानक पुलिस वाले आए और डंडा मारते हुए बोले कि जाओ अमृत स्नान करो। हम जैसे ही नहाने के लिए आगे बढ़ रहे थे, तभी कुछ लोग सामने से भागते हुए आएं और धक्का-मुक्की करने लगे। देवरानी का हाथ उनकी बेटी के हाथ से छूट गया और वो दोनों नीचे गिर गए और वहीं देवरानी की मौत हो गई।

पुलिस ने गाली देकर भगाया

छतरपुर जिले से ही आए एक अन्य व्यक्ति ने बताया कि 11 बजे रात को पुलिस आई और लाठी से जगाया। हमने कहा कि लेटे रहने दो। उन्होंने भगा दिया कि जाओ डुबकी ले लो। हमने मना किया कि हम सुबह में डुबकी लेंगे या दोपहर में। ये कहने पर पुलिस वालों ने गाली देकर भगा दिया। इस तरह पूरी पब्लिक जमा हो गई। उन्होंने बताया की हमारे साथ कुल 11 लोग थे। कुछ लोगों का अभी पता नहीं चल पाया है।

शव की जानकारी नहीं मिल रही: चित्रकुट के तरौहा से आए एक व्यक्ति ने बताया कि हादसे में उनके बहनोई चंद्रपाल कुशवाहा की मौत हो गई। उनके शव का पता नहीं चल रहा है। .अस्पताल से भी कुछ नहीं बताया जा रहा।

आमेर की महिला भगदड़ में लापता

जयपुर @ पत्रिका. महाकुंभ में मची भगदड़ में जयपुर की आमेर वार्ड नंबर एक निवासी राजकुमारी पारीक लापता हो गई। राजकुमारी परिवार के 11 सदस्यों के साथ गई थी। बेटे रविंद्र पारीक ने बताया कि स्नान के बाद भगदड़ मची। इसमें परिवार के सदस्यों का साथ छूट गया। दिनभर से उनकी माँ नहीं मिली। उन्होंने बताया कि 62 वर्षीय उनकी मां को परिवार के लोग सुबह से तलाश रहे है। परिवार के अन्य लोगों को भी भगदड़ में चोटें आई हैं।

इंडिया @ शॉर्ट रीड

झारखंड — नक्सली कमांडर की महिला मित्र ढेर

रांची @ पत्रिका. झारखंड पुलिस ने बुधवार को कोल्हान में एनकाउंटर में कुख्यात संजय गंझु और एक करोड़ के इनामी अनल दा की महिला मित्र हेमंती को मार गिराया है। दोनों ही अनल के लिए बहुत ज्यादा खास थे। संजय संगठन में जोनल कमांडर और हेमंती एरिया कमांडर थी।

वर्ल्ड @ शॉर्ट रीड

अमरीका — अब प्रेस रूम में कंटेंट क्रिएटर भी

वाशिंगटन @ पत्रिका. राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने मीडिया पहुंच में बदलाव करते हुए पॉडकास्टर्स, सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर्स और स्वतंत्र कंटेंट क्रिएटर्स के लिए वाइट हाउस ब्रीफिंग रूम के दरवाजे खोल दिए हैं। प्रेस सचिव कैरोलाइन लेविट ने अपनी पहली प्रेस वार्ता में 'न्यू मीडिया सीट' की घोषणा की, जिससे डिजिटल पत्रकार अब प्रेस मान्यता के लिए आवेदन कर सकते हैं।

सूडान — विमान क्रैश, भारतीय सहित 20 मरे

जुबा. दक्षिण सूडान में एक छोटा विमान क्रैश होने से 20 लोगों की मौत हो गई, जिनमें एक भारतीय भी शामिल है। विमान खेत में उल्टा गिर गया। सवार कुल 21 यात्रियों में से केवल एक जीवित बचा है। इस यात्री विमान को यूक्रेन से ग्रेटर पायनियर ऑपरेटिंग कंपनी ने किराए पर लिया था। मरने वालों में सभी कंपनी के कर्मचारी बताए गए हैं। इनमें 16 दक्षिण सूडानी, दो चीनी और एक भारतीय हैं।

अफगानिस्तान — 10 नागरिकों की हत्या

खोस्त @ पत्रिका. अफगानिस्तान के पूर्वी प्रांत खोस्त में मंगलवार देर रात अज्ञात हथियारबंद लोगों ने 10 नागरिकों की गोली मारकर हत्या कर दी। अली शिर जिले में अज्ञात हथियारबंद लोगों ने एक घर में घुसकर गोलीबारी की, जिसमें आठ महिलाओं और बच्चों सहित 10 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। बाद में हमलावर फरार हो गए। पुलिस उनकी तलाश कर रही है।

बांग्लादेश: अंतरिम सरकार ने भी कसी कमर, अवामी लीग को नहीं करने देंगे प्रदर्शन

यूनुस सरकार के खिलाफ उतरे दोनों राजनीतिक दल

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

ढाका. बांग्लादेश में मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व में चल रही अंतरिम सरकार अब देश के दोनों प्रमुख राजनीतिक दलों अवामी लीग और बांग्लादेश नेशनेलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के निशाने पर हैं।

अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना की अवामी लीग पार्टी ने हिंदुओं के उत्पीड़न के खिलाफ एक फरवरी से 18 फरवरी तक देश में अंतरिम सरकार के खिलाफ 9 दिन तक चलने वाले अभियान और आंदोलन चलाने का ऐलान करते हुए मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस से इस्तीफे की मांग की है।

वहीं पूर्व पीएम खालिदा जिया की पार्टी बीएनपी ने भी ऐलान कर दिया है कि अंतरिम सरकार के अलोकतांत्रिक रवैये, गलतियों में सुधार और देश को जल्द से जल्द राष्ट्रीय चुनाव की ओर ले जाने के लिए पार्टी जल्द ही एक आंदोलन शुरू करेगी। दूसरी ओर अंतरिम सरकार के प्रेस सचिव शफीकुल आलम ने अवामी लीग की तुलना नाजियों से करते हुए कहा है कि अवामी लीग के बैनर तले किसी भी तरह के प्रदर्शन की अनुमति नहीं देंगे। शफीकुल ने कहा, अंतरिम सरकार के दौर में अब तक 136 से अधिक प्रदर्शन सिर्फ ढाका में हो चुके हैं, लेकिन लोकतंत्र के नाम पर फासिस्ट ताकतों को अपने पैर जमाने की अनुमति नहीं दी जा सकती। इस तरह के प्रदर्शनों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उधर, एक अंतरराष्ट्रीय एनजीओ 'ह्यूमन राइट वॉच' की रिपोर्ट से खुलासा हुआ कि यूनुस सरकार के दौर में कट्टरपंथियों के हिंदुओं, मंदिरों और कारोबारी प्रतिष्ठानों पर भारी हमले हुए।

सोरोस ने कहा, बांग्लादेश की करेंगे मदद

भारत विरोधी गतिविधियों के लिए चर्चित अमरीकी कारोबारी जॉर्ज सोरोस के बेटे और ओपन सोसाइटी फाउंडेशन के चेयरमैन एलेक्स सोरोस ने बुधवार को यूनुस से मुलाकात की। इस दौरान सोरोस ने कहा कि वे बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के सुधारों का समर्थन करेंगे।

भारत से बातचीत का लहजा अब होगा अलग

बांग्लादेश में गृह मामलों के सलाहकार जहांगीर आलम चौधरी ने कहा है कि आगामी 55वें महानिदेशक स्तरीय सीमा सम्मेलन में बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश और भारत के बीएसएफ के बीच वार्ता में अब बांग्लादेश का लहजा बिलकुल अलग होगा।

दुखद: मृतकों के परिजनों के संपर्क में भारत

सऊदी अरब में सड़क हादसा, 9 भारतीयों सहित 15 की मौत

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

रियाद. सऊदी अरब में भीषण सड़क हादसे में नौ भारतीयों समेत 15 लोगों की मौत हो गई है और 11 लोग घायल हो गए। जेद्दा में भारतीय मिशन ने इस बारे में जानकारी दी है। मिशन ने बताया कि यह हादसा पश्चिमी सऊदी अरब में जीजान के पास हुआ। दुर्घटना तब हुई जब 26 लोगों को ले जा रही एक वैन विपरीत दिशा से आ रहे एक ट्रोले से टकरा गई। मिशन ने बताया कि वह हादसे में मृत हुए लोगों के परिवारों के संपर्क में है। इसके अलावा, वह सऊदी के अधिकारियों के संपर्क में हैं और जरूरी मदद दे रहे हैं। उन्होंने यह भी बताया कि एक हेल्पलाइन स्थापित की गई है। मृतकों में से एक की पहचान तेलंगाना के जगतियाल जिले के मेटपाली मंडल के रहने वाले कपेली रमेश (32) के रूप में हुई है।

विदेश मंत्री जयशंकर ने जताया दुख

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने हादसे पर दुख जाहिर करते हुए कहा कि वह दुर्घटना और लोगों की मौत के बारे में जानकर 'दुखी' हैं। एक्स पर एक पोस्ट में विदेश मंत्री ने कहा कि जेद्दा में हमारे महावाणिज्यदूत से बात हुई, जो संबंधित परिवारों के संपर्क में हैं।

खालिस्तानी संगठन से जुड़ा सदस्य गिरफ्तार

वडोदरा @ पत्रिका. शहर पुलिस की क्राइम ब्रांच की टीम ने खालिस्तानी संगठन से जुड़े जीवन फौजी गैंग के एक सदस्य सुनील मसीह को गिरफ्तार किया है। वर्तमान में जर्मनी से संचालित जीवन फौजी गैंग ग्रुप से जुड़ा सुनील मसीह पंजाब के गुरदासपुर जिले के शाहपुर जाजन गांव का निवासी है।

हार्ट अटैक से 11 साल के बालक की मौत

राजकोट @ पत्रिका. जंगवड गांव में हार्ट अटैक से 11 साल के बालक की मौत हो गई। 5वीं के छात्र हेतांश दवे (11) घर पर सीने में दर्द से गिर गया। उसे निजी अस्पताल पहुंचाया गया, चिकित्सकों ने बताया कि हार्ट अटैक से बालक की मौत हुई है।

अजब: तीन साल से नर शार्क से संपर्क नहीं

टैंक में दो मादा शार्क, एक ने दिया बच्चे को जन्म

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

वॉशिंगटन. अमरीका के लुइसियाना राज्य में एक एक्वेरियम में, जहां सिर्फ दो मादा स्वेल शार्क रहती थी, एक शार्क ने बच्चे को जन्म दिया है। इस घटना ने वैज्ञानिकों को हैरान कर दिया है और यह सवाल खड़े कर दिए हैं कि क्या इस प्रजाति को बच्चे पैदा करने के लिए पुरुष शार्क की जरूरत होती है या नहीं। इस बच्चे का नाम योको रखा गया है और यह 3 जनवरी को अंडे से निकला था। यह अंडा श्रेवेपोर्ट शहर की एक्वेरियम की एनिमल हसबेंडरी टीम ने आठ महीने पहले देखा था। लेकिन उनका मानना है कि यह अंडा उससे भी दो महीने पहले से छिपा हुआ था।

इन टैंक में मौजूद दोनों मादा शार्क पिछले तीन सालों से किसी नर शार्क के संपर्क में नहीं आई थीं। ऐसे में संभव है कि या तो यह बच्चा पार्थेनोजेनेसिस प्रक्रिया से हुआ है या फिर देरी से निषेचन प्रक्रिया से हुआ है। पार्थेनोजेनेसिस एक दुर्लभ प्रक्रिया है, जिसमें नर के शुक्राणु के बिना ही अंडा विकसित होकर नया जीव बन जाता है।

इतिहास: दो भारतीयों के बनाए रेकॉर्ड को तोड़ा

24 घंटे में देख डाले लंदन के 42 म्यूजियम

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

लंदन . लंदन के एक व्यक्ति ने 24 घंटे में 42 संग्रहालयों का दौरा कर नया वर्ल्ड रेकॉर्ड बनाया है। 42 साल के बेन मेलहम ने बताया कि, उनके बच्चों, मटिल्डे और हेनरिक ने उन्हें यह रेकॉर्ड बनाने के लिए प्रेरित किया था। रेकॉर्ड बनाने के दौरान कुछ संग्रहालयों की यात्रा में मेलहम के बच्चे भी उनके साथ गए। उन्होंने कहा कि लंदन इसके लिए सबसे उपयुक्त शहर है। यहां 200 से अधिक संग्रहालय हैं। यहां ब्रिटिश संग्रहालय जैसे प्रसिद्ध संस्थानों से लेकर बैंक ऑफ इंग्लैंड संग्रहालय और बो स्ट्रीट पुलिस संग्रहालय जैसे कई संग्रहालय हैं। नए रेकॉर्ड के साथ मेलहम ने भारतीय सुजॉय कुमार मित्रा व स्वरूप का 24 घंटे में 33 संग्रहालयों का दौरा करने का रेकॉर्ड तोड दिया, जो उन्होंने 2024 में दिल्ली में बनाया था।

दिल्ली चुनाव

कांग्रेस ने जारी किया चुनावी घोषणा पत्र, हर वर्ग के लिए वादे

नई दिल्ली @ पत्रिका. कांग्रेस ने बुधवार को दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए घोषणापत्र जारी किया। पार्टी मुख्यालय में कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव जयराम रमेश ने घोषणा पत्र जारी किया। घोषणापत्र में कांग्रेस ने राज्य सरकार की नौकरियों में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण, सस्ते और पौष्टिक भोजन उपलब्ध करने के लिए 100 इंदिरा कैंटीन स्थापित करने, जाति आधारित सर्वेक्षण कराने और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) को जनसंख्या के अनुपात में विभिन्न सरकारी संस्थानों में प्रतिनिधित्व देने जैसे वादे किए हैं।

''स्वत्वाधिकारी राजस्थान पत्रिका प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक व प्रकाशक गजराज भण्डारी द्वारा 2/3 आई एन एस बिल्डिंग, रफी मार्ग, नई दिल्ली से प्रकाशित एवं राजस्थान पत्रिका प्रा. लि. भूखण्ड संख्या 68-69, फेज VII , सैक्टर-35, गुरुग्राम (हरियाणा) एवं मैसर्स विभा पब्लिकेशन प्राईवेट लिमिटेड, डी-160 बी, सैक्टर 7, गौतमबुद्ध नगर (यू.पी.) से मुद्रित। आर.एन.आई. नं. डेलहिन/2005/15156, सम्पादक: भुवनेश जैन।